बालाघाट
बुधवार 11 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 165
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स	–	78,205.98
निफ्टी	–	24,261.60
सोना	–	1,62,380
चांदी	–	2,90,000
डॉलर	–	91.80

खास खबर

नेशनल हेराल्ड केस में 20 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की याचिका पर सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तारीख तय की है। ईडी ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार किया गया था। जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि सोमवार को सुनवाई संभव नहीं है। इससे पहले 22 दिसंबर 2025 को कोर्ट ने सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया था।

नौशेरा में एक आतंकी मारा गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के झंगर-नौशेरा सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश के दौरान एक आतंकवादी को सेना ने मार गिराया। भारतीय सेना ने बताया कि 10 मार्च 2026 को दोपहर करीब 3 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल पर झंगर-नौशेरा के इलाके में दो आतंकवादियों की हरकत का पता चला था। सेना ने बताया कि सैनिकों ने तेजी से काम किया, और घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। दूसरे आतंकवादी की तलाश जारी है। सेना के मुताबिक जमीन और हवाई निगरानी की मदद ली जा रही है। पिछले 5 दिनों में जम्मू-कश्मीर के राजौरी इलाके में सिक्योरिटी फोर्स ने दूसरी बार घुसपैठ की कोशिश नाकाम की है।

सीबीएसई 12वीं के पेपर पर छपे क्यूआर कोड को स्कैन करते स्टूडेंट्स हुए रिकरोल के शिकार

नई दिल्ली। सीबीएसई की कक्षा 12वीं की गणित की परीक्षा अब एक अनोखे विवाद और इंटरनेट मीम की वजह से चर्चा में है। सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि सोमवार को बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र पर छपे एक क्यूआर कोड को स्कैन करने पर छात्र सीधे इंटरनेट के सबसे मशहूर प्रैंक रिकरोल का शिकार हो गए। परीक्षा के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर छात्रों ने स्क्रीनशॉट साझा करते हुए दावा किया कि जब उन्होंने प्रश्न पत्र पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन किया, तो उन्हें कोई शैक्षणिक सामग्री दिखाई देने लगी। इंटरनेट की भाषा में इसे रिकरोलिंग कहा जाता है, जहां किसी को झांसा देकर इस म्यूजिक वीडियो पर भेजा जाता है।

इंडिगो के सीईओ पीटर एलबर्स का इस्तीफा

नई दिल्ली। भारत की सबसे



बड़ी एयरलाइन इंडिगो के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर पीटर एलबर्स ने पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने आज 10 मार्च को रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। एलबर्स के जाने के बाद अब कंपनी के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया अंतरिम तौर पर एयरलाइन के कामकाज की जिम्मेदारी संभालेंगे। 3 महीने पहले इंडिगो को भारी फ्लाइट ऑपरेशंस संकट का सामना करना पड़ा था। उस दौरान करीब 3 लाख यात्री फंसे रह गए थे, जिसके बाद एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने एयरलाइन पर ₹22.20 करोड़ का भारी जुर्माना भी लगाया था।

देश के कई राज्यों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर सप्लाई बंद, आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू

गैस नहीं मिल रही, होटल-रेस्टोरेंट बंद होने की नौबत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर में एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955 लागू कर दिया है। हॉर्मुज जलमार्ग के रास्ते होने वाली गैस सप्लाई ठप होने के बाद सरकार ने ये कदम उठाया है। गैस किल्लत को देखते हुए दिल्ली मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर फिलहाल रोक लगा दी है। इस रोक की वजह से रेस्टोरेंट्स और होटलों के बंद होने की नौबत आ गई है। छोटे होटल और भोजनालय चलाने वालों ने सरकार से कहा है कि सप्लाई बहाल की जाए।

अब कमोडिटी एक्ट लागू होने के बाद 4 कैटेगरी में गैस बंटेगी। पहली कैटेगरी में आपके घर की रसोई गैस और गाड़ियों में डलने वाली सीएनजी आती है। इन्हें पहले की तरह पूरी गैस मिलती रहेगी। दूसरी कैटेगरी में खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों को करीब 70 प्रतिशत गैस दी जाएगी। बस उन्हें यह साबित करना होगा कि गैस का इस्तेमाल खाद बनाने में ही हुआ है। तीसरी कैटेगरी में नेशनल ग्रिड से जुड़ी चाय की फैक्ट्रियों और दूसरे बड़े उद्योगों को उनकी जरूरत की लगभग 80 प्रतिशत गैस मिलेगी। चौथी कैटेगरी शहरों के गैस नेटवर्क से जुड़े छोटे कारखानों, होटल और रेस्टोरेंट को भी उनकी पुरानी खपत के हिसाब से लगभग 80 प्रतिशत गैस दी जाएगी।



तेल संकट के बीच भारत की मदद

भारत और बांग्लादेश के बीच हुए पाइपलाइन समझौते के तहत डीजल की आपूर्ति शुरू हो गई है। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में ये द्विपक्षीय समझौता किया गया था। इसके तहत 5,000 टन डीजल की पहली खेप बांग्लादेश पहुंच चुकी है। बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के चेयरमैन मोहम्मद रेजानुर रहमान ने इस खेप के पहुंचने की पुष्टि की है। उन्होंने न्यूज एजेंसी को बताया कि हमारा भारत के साथ एक समझौता है। उस समझौते के मुताबिक, भारत पाइपलाइन के माध्यम से हर साल बांग्लादेश को 1,80,000 टन डीजल की आपूर्ति करेगा।

इन राज्यों में सप्लाई पर सबसे ज्यादा असर

उत्तर प्रदेश– कॉमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई पर अघोषित रोक से होटल-रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कंपनियों ने एजेंसियों को पूरा फोकस सिर्फ घरेलू गैस पर रखने को कहा है, लेकिन इसके बावजूद आम लोगों में घबराहट का माहौल है। लखनऊ, कानपुर और वाराणसी जैसे शहरों में बुकिंग के 4-5 दिन बाद भी डिलीवरी नहीं हो पा रही है।

मध्य प्रदेश– होटल संचालकों का कहना है कि बढ़ी हुई कीमत में भी सिलेंडर नहीं मिल रहा है। आखिर शादी के सीजन के बीच सिलेंडर की सप्लाई रोकने का फैसला क्यों लिया गया।

राजस्थान– यहां होटल और रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि गैस का हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। ऐसे में हर तरह के होटल-रेस्टोरेंट, मैरिज गार्डन और अन्य उद्योगों से जुड़े लोगों को बड़ी परेशानी होनी तय है। तेल कंपनियों का अचानक लिया गया फैसला परेशान करने वाला है।

छत्तीसगढ़– यहां डीलर्स का कहना है कि उन्हें एजुकेशनल इंस्टीट्यूट और हॉस्पिटल के अलावा अन्य किसी को कॉमर्शियल सिलेंडर देने से मना किया गया है। इससे पूरे राज्य में होटल-रेस्टोरेंट संचालकों के लिए गैस संकट खड़ा हो गया है।

महाराष्ट्र– मुंबई, पुणे और नागपुर में कॉमर्शियल गैस की भारी कटौती की गई है। पुणे में तो हालात इतने खराब हैं कि नगर निगम ने गैस शवदाह गृह अस्थायी रूप से बंद कर दिए हैं। राज्य के करीब 9,000 रेस्टोरेंट्स और बार पर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। मुंबई में कॉमर्शियल गैस सप्लाई की किल्लत की वजह से अब तक करीब 20 प्रतिशत होटल और रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं। होटल एसोसिएशन आहार ने चेतावनी दी है कि अगर सप्लाई नहीं सुधरी, तो अगले दो दिनों में आधे से ज्यादा यानी 50 प्रतिशत होटलों पर ताले लग सकते हैं।

पंजाब– यहां 8 मार्च से ही कॉमर्शियल और बड़े इंडस्ट्रियल सिलेंडरों का डिस्पैच रोक दिया गया है। वहीं डिस्ट्रिब्यूटर्स को कहा गया है कि 25 दिन से पहले घरेलू सिलेंडर की बुकिंग न लें।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना– यहां भी कॉमर्शियल सिलेंडर की बुकिंग फीक कर दी गई है। ऐसे में छोटे होटल और भोजनालय चलाने वालों ने सरकार से गुहार लगाई है कि सप्लाई बहाल की जाए, क्योंकि इससे लाखों लोगों की आजीविका जुड़ी है।





प. बंगाल में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा...

पात्र वोटर का नाम नहीं कटेगा

कोलकाता। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि किसी भी पात्र वोटर का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है। एसआईआर का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि वोटर लिस्ट शुद्ध हों और पात्र वोटर को सूची में अपना नाम मिल जाए।

राजनीतिक दलों और अधिकारियों के साथ कई बैठकों के बाद कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग हमेशा से शांतिपूर्ण और सहभागी लोकतंत्र में विश्वास रखते आए हैं। हमारा लक्ष्य बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करना है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगभग 80 हजार बूथ हैं, जिनमें से लगभग 618जार ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। कुमार ने यह भी घोषणा की कि मतदान प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग राज्यभर के बूथ पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग लागू करेगा।

लोगों ने फिर काले झंडे दिखाए

इसके पहले ज्ञानेश कुमार को सुबह फिर लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। ज्ञानेश कुमार दक्षिणेश्वर काली मंदिर गए थे, जहां लोगों की भीड़ ने गो बैक नारे लगाए और काले झंडे दिखाए। यह लगातार तीसरे दिन सीईसी को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले कालीघाट मंदिर में दर्शन करने और रविवार रात कोलकाता पहुंचने पर भी एयरपोर्ट के बाहर लोगों ने काले झंडे दिखाए थे।

मुस्लिम महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

यूसीसी लागू करने का सही समय आ गया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में अब इस विषय पर लंबित से विचार करने का समय आ गया है। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शरीयत कानून की धाराओं को रद्द करने जैसे संवेदनशील मुद्दे पर अंतिम फैसला लेना विधायिका का अधिकार क्षेत्र है।

मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने की, जिसमें जॉयमाल्या बागची और आर. महादेवन भी शामिल थे। पीठ 1937 के मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इन्हें मुस्लिम महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण बताया गया है।

मुस्लिम महिलाओं के लिए कही ये बात

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि न्यायालय शरियत कानून के उत्तराधिकार संबंधी प्रावधानों को रद्द कर देता है, तो इससे एक कानूनी खालीपन पैदा हो सकता है, क्योंकि मुस्लिम उत्तराधिकार को नियंत्रित करने वाला कोई अन्य स्पष्ट कानून मौजूद नहीं है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण से कहा कि सुधार की जल्दबाजी में ऐसा कदम उठाना उचित नहीं होगा जिससे महिलाओं को वर्तमान से भी कम अधिकार मिल जाएं। उन्होंने पूछा कि यदि 1937 का शरियत कानून समाप्त हो जाता है तो उसके स्थान पर क्या व्यवस्था लागू होगी। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने भी कहा कि याचिका में भेदभाव का मुद्दा मजबूत है, लेकिन इस विषय पर निर्णय लेना संसद के लिए अधिक उपयुक्त होगा, क्योंकि संविधान के नीति-निर्देशक सिद्धांतों में समान नागरिक संहिता लागू करने का दायित्व विधायिका को दिया गया है। अदालत ने यह भी कहा कि पहले भी कई बार न्यायालय संसद से समान नागरिक संहिता लागू करने पर विचार करने की सिफारिश कर चुका है। पीठ के अनुसार, सामाजिक और व्यक्तिगत कानूनों में व्यापक सुधार के लिए विधायी प्रक्रिया ही सबसे उपयुक्त रास्ता है। इस दौरान अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दलील दी कि अदालत यह घोषणा कर सकती है कि मुस्लिम महिलाओं को पुरुषों के बराबर उत्तराधिकार अधिकार मिलना चाहिए।

एसआईआर पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिए बंगाल सरकार और चुनाव आयोग को निर्देश

न्यायिक अधिकारियों के काम में बाधा न हो

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग से कहा है कि न्यायिक अधिकारियों को अपना काम सुचारू रूप से करने के लिए उचित और निर्बाध परिस्थितियां उपलब्ध कराई जाएं। तीन जजों की पीठ, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस आर. महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्या बागची शामिल थे, ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में तैनात न्यायिक अधिकारियों ने अब तक मतदाता सूची से हटाए जाने के खतरे का सामना कर रहे लोगों की 10.16 लाख आपत्तियों और दावों पर सुनवाई की है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि एआइआर प्रक्रिया में कोई भी नया अनिवार्य कदम तब तक लागू न किया जाए, जब तक उसे कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की मंजूरी न मिल जाए। साथ ही अदालत ने निर्देश दिया कि चुनाव आयोग के पोर्टल में आने वाली तकनीकी दिक्कतों को तुरंत दूर किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि आगे ऐसी समस्याएं न हों। जल्द बनाए जाएं, ताकि मतदाता सूची के संशोधन का काम बिना बाधा जारी रह सके।

सरकार कोविड वैक्सीन से नुकसान का मुआवजा दे

कोविड वैक्सीनेशन से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट बोला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को कोविड वैक्सीनेशन से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स का मुआवजा देगी। इसके लिए वह नो-फॉल्ट कंपनसेशन पॉलिसी बनाए। नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी का मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति को दवा या वैक्सीन से नुकसान हो जाए, तो उसे मुआवजा मिल सकता है, भले ही इसमें किसी की गलती साबित न हुई हो। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने यह भी कहा कि वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स की मॉनिटरिंग के लिए मौजूदा सिस्टम जारी रहेगा। इसके लिए अलग से एक्सपर्ट पैनल बनाने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने रचना गंगू और वेणुगोपालन गोविंदन की 2021 में दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी बेटियों की मौत कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण हुई थी। कोर्ट ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था को देखते हुए टीकाकरण के बाद दुष्प्रभावों की जांच के लिए कोर्ट की तरफ से अलग समिति बनाने की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने यह भी साफ किया है कि इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि कोई कानून का सहारा नहीं ले सकता है। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा नीति बनाने का मतलब यह नहीं माना जाएगा कि भारत सरकार या किसी अन्य अथॉरिटी ने अपनी गलती या कानूनी जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है।



एसआईआर पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिए बंगाल सरकार और चुनाव आयोग को निर्देश

न्यायिक अधिकारियों के काम में बाधा न हो

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग से कहा है कि न्यायिक अधिकारियों को अपना काम सुचारू रूप से करने के लिए उचित और निर्बाध परिस्थितियां उपलब्ध कराई जाएं। तीन जजों की पीठ, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस आर. महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्या बागची शामिल थे, ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में तैनात न्यायिक अधिकारियों ने अब तक मतदाता सूची से हटाए जाने के खतरे का सामना कर रहे लोगों की 10.16 लाख आपत्तियों और दावों पर सुनवाई की है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि एआइआर प्रक्रिया में कोई भी नया अनिवार्य कदम तब तक लागू न किया जाए, जब तक उसे कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की मंजूरी न मिल जाए। साथ ही अदालत ने निर्देश दिया कि चुनाव आयोग के पोर्टल में आने वाली तकनीकी दिक्कतों को तुरंत दूर किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि आगे ऐसी समस्याएं न हों। जल्द बनाए जाएं, ताकि मतदाता सूची के संशोधन का काम बिना बाधा जारी रह सके।

सीबीएसई 12वीं के पेपर पर छपे क्यूआर कोड को स्कैन करते स्टूडेंट्स हुए रिकरोल के शिकार

-इंटरनेट पर हड़कंप, परीक्षा अब एक अनोखे विवाद और मीम की वजह से चर्चा में

नई दिल्ली। सीबीएसई की कक्षा 12वीं की गणित की परीक्षा अब एक अनोखे विवाद और इंटरनेट मीम की वजह से चर्चा में है। सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि सोमवार को बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र पर छपे एक क्यूआर कोड को स्कैन करने पर छात्र सीधे इंटरनेट के सबसे मशहूर प्रैंक रिकरोल का शिकार हो गए। परीक्षा के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर छात्रों ने स्क्रीनशॉट साझा करते हुए दावा किया कि जब उन्होंने प्रश्न पत्र पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन किया, तो उन्हें कोई शैक्षणिक सामग्री मिलने के बजाय रिक एस्टली का मशहूर गाना दिखाई देने लगा। इंटरनेट की भाषा में इसे रिकरोलिंग कहा जाता है, जहां किसी को झांसा देकर इस म्यूजिक वीडियो पर भेजा जाता है।

मीडिया रिपोर्ट में स्टूडेंट्स द्वारा शेयर किए गए पोस्ट के मुताबिक पेपर पर क्यूआर कोड स्कैन करने पर रिक एस्टली का नेवर गोना गिव यू अप म्यूजिक वीडियो खुल गया, जिससे इसे आजमाने वाले लोग असल में रिकरोल हो गए। यह दावा रेडिट जैसे फोरम पर तेजी से पॉपुलर हुआ, जहां स्टूडेंट्स ने स्क्रीनशॉट और रिएक्शन पोस्ट किए। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि लिंक परीक्षा पेपर के सभी वर्शन पर दिखाई दिया या वायरल इमेज एक लिमिटेड केस को दिखाता है, जिससे यह एपिसोड एग्जाम के दिन की जिज्ञासा और इंटरनेट की लोककथाओं के बीच कहीं अटका हुआ है।

हालांकि इस दावे को अलग से वेरिफाई करना अभी भी मुश्किल है। दिल्ली और एनसीआर के कई परीक्षा केंद्रों में इस्तेमाल किए गए मैथ्स के पेपर की कॉपियों को रिव्यू किया, जहां स्टूडेंट्स ने कहा कि क्यूआर कोड ने उन्हें किसी एक्सटर्नल लिंक या वीडियो के बजाय 'ए' और 'क्यू' जैसे सिंपल अल्फाबेट मार्कर पर भेज दिया। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, सीबीएसई ने भी अब तक वायरल दावे पर कोई ऑफिशियल बयान जारी नहीं किया है, जिससे यह पक्का नहीं है कि कहा जा रहा 'रिकरोल' किसी दूसरे पेपर पर हुआ था या सर्कुलेट हो रहे स्क्रीनशॉट गुमराह करने वाले हैं।

केंद्र ने लोकसभा में बताया...

ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा

नई दिल्ली। केंद्र ने मंगलवार को संसद में स्पष्ट किया कि केंद्र के तहत आने वाले सभी सिविल पदों और सेवाओं में सीधी भर्ती के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री बी.एल.वर्मा ने लोकसभा में लिखित उत्तर में आरक्षण नीति और समुदायों के कल्याण के लिए चल रही योजनाओं का विवरण साझा किया।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार की कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के 8.9.1993 तारीख के कार्यालय ज्ञापन (ओएम) और समय-समय पर जारी दूसरे निर्देशों के माध्यम से एक आरक्षण नीति है, जिसके तहत सरकार के तहत सिविल पदों और सेवाओं में सीधी भर्ती में 27 प्रतिशत रिक्त पद ओबीसी के लिए आरक्षित हैं।'



राज्य मंत्री वर्मा ने कहा कि मंत्रालय 'पीएम यंग अचीवर्स स्कॉलरशिप अवार्ड स्कीम फॉर वाइब्रेंट इंडिया' (पीएम-यशस्वी) के तहत ओबीसी समुदाय की भलाई के लिए काम कर रही है, जिसमें प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, स्कूलों और कॉलेजों में शीर्ष स्तर की शिक्षा और ओबीसी समुदाय के लड़कों तथा लड़कियों के लिए छात्रावास बनाना शामिल है।

केंद्र सरकार का यह बयान उन युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है जो सरकारी सेवाओं की तैयारी कर रहे हैं। शिक्षा से लेकर रोजगार तक, केंद्र सरकार ने ओबीसी समुदाय के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है।

105 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 10 मार्च को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 105 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे। जनसुनवाई में बालाघाट तहसील के बूढ़ी वार्ड क्रमांक 01 डीमरतला निवासी रविशंकर खरोले मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना अंतर्गत ई-रिक्शा दिलाने की मांग लेकर आए थे। रविशंकर का कहना था कि उसने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत ई-रिक्शा लिया था लेकिन अब तक उसे शासन से इस योजना में मिलने वाली सब्सिडी प्राप्त नहीं हुई है। रविशंकर के इस प्रकरण पर अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।



किरनापुर तहसील के ग्राम बडगांव निवासी दीपशिखा गोस्वामी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आयी थी। दीपशिखा का कहना था कि वह एक गरीब परिवार की अनाथ लडकी है। उसके माता-पिता का निधन काफी समय पूर्व हो चुका है। जिसके बाद वह अपनी विधवा मौसी के घर में निवास करती है। उसकी मौसी उसका विवाह करने में सक्षम नही है। अतः उसे मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में विवाह कराने की पात्रता दिलवायी जाए जिससे वह अपना विवाह कर सके। इस प्रकरण में जनपद सीईओ किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में किरनापुर तहसील के ग्राम माड़वा हट्टा निवासी देवका बाई भोयर धान विक्रय की राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। देवका बाई का कहना था कि उसने 8 जनवरी 2026 को ग्राम सिवनीकला सेवा सहकारी समिति मर्यादित रजेगांव में धान का विक्रय किया था, लेकिन आज तक उन्हें धान की राशि प्राप्त नहीं हुई है। उसने बताया कि धान विक्रय के समय गलती से उनका बैंक आईएफएससी कोड दूसरी बैंक का दर्ज हो गया था, जिसके कारण भुगतान अटक गया है। देवका बाई भोयर ने कहा कि उसका बैंक खाता अपडेट कर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, रजेगांव के खाते में धान विक्रय की राशि जल्द दिलाई जाए, ताकि उसे आर्थिक राहत मिल सके। इस प्रकरण में जिला आपूर्ति अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए है।

किरनापुर तहसील के ग्राम सिवनी खुर्द के निवासी रमाशंकर हिरकने सम्बल योजना की राशि दिलाने की मांग लेकर आए थे। रमाशंकर का कहना था कि उसके भाई उमाशंकर हिरकने की मृत्यु 30 जुलाई 2020 को हो गई थी। उनकी पत्नी रीना हिरकने ने पहले सम्बल योजना के तहत आवेदन किया था, लेकिन 10 अगस्त 2025 को पुनर्विवाह कर लेने के बाद उसने अपने घर और संतानों का त्याग कर दिया। रमाशंकर ने बताया कि उमाशंकर की दो संतानें पुत्र शतकवीर (13 वर्ष) और पुत्री सांची हिरकने (12 वर्ष) वर्तमान में उन्ही के साथ रह रही हैं। रमाशंकर हिरकने ने मांग की है कि उन्हें सम्बल योजना की राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में श्रम पदाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

कटंगी तहसील के ग्राम कामठी निवासी चैनसिंह परते रेडक्रास से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग लेकर आए थे। चैनसिंह का कहना था कि उसका 25 वर्षीय पुत्र शुभम परते पिछले करीब छह माह से मानसिक रूप से अस्वस्थ है। उन्होंने बताया कि 27 फरवरी को शुभम घर से लापता हो गया और 3 मार्च को थाना हिसुआ, जिला नवादा (बिहार) से फोन पर सूचना मिली कि शुभम वहां थाने में है। सूचना मिलने पर किराये की गाड़ी से बिहार जाकर उसे वापस लाया गया जिसमें लगभग 30 हजार रुपये का खर्च हो गया। चैनसिंह परते ने बताया कि वे ऑटो रिक्शा चालक है और इतनी बड़ी राशि चुकाने में असमर्थ है। साथ ही बेटे के इलाज में भी आर्थिक परेशानी आ रही है। अतः चैनसिंह जिला प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाये जाने की मांग की है।

जनसुनवाई में जनपद पंचायत परसवाडा के ग्राम पंचायत बडगांव के ग्रामीण ग्राम साल्हे में आंगनवाडी भवन निर्माण तथा डोरली में प्राथमिक शाला भवन निर्माण किये जाने की मांग लेकर आए थे। ग्रामीणों का कहना था कि साल्हे ग्राम में आंगनवाडी भवन न होने के कारण किराये के कच्चे मकान में आंगनवाडी संचालित की जा रही है। इसके साथ ही डोरली में प्राथमिक शाला भवन अत्यधिक क्षतिग्रस्त हो चुका है जिससे किसी भी क्षण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। अतः ग्राम साल्हे में शीघ्र एक आंगनवाडी भवन तथा डारेली में प्राथमिक शाला भवन निर्मित किया जाए। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट तहसील के वार्ड नं. 24 की शमीना खान 60 दिनों तक रैन बसेरा में रुकने की अनुमति प्रदान करने की मांग लेकर आयी थी। शमीना का कहना था कि उसका घर एक झुग्गी झोपडी में था जो कि पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे उसके रहने की समस्या हो गई है। शमीना ने जिला प्रशासन से गुहार लगायी है कि उसकी इस परिस्थिति में उसकी सहायता करे एवं उसे लगभग 60 दिनों तक रैन बसेरा में रहने की अनुमति प्रदान करें। इस प्रकरण में सीएमओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनपद पंचायत परसवाडा के अंतर्गत ग्राम परसवाडा के दीपक परते कोविड के दौरान की गई भोजन व्यवस्था का भुगतान कराने की मांग लेकर आए थे। दीपक परते का कहना था कि वर्ष 2022 में कोविड के समय ग्राम पंचायत परसवाडा के ग्राम सेरपार में अस्थायी अस्पताल बनाया गया था। स्वास्थ्य विभाग परसवाडा के बीपीएम अनिल कुकडे द्वारा उससे भोजन व्यवस्था का कार्य कराया गया था, जिसका 92 हजार रुपए का अब तक भुगतान नही किया गया है। अतः उसे इस राशि का शीघ्र भुगतान किया जाए। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट तहसील के ग्राम तिलपेवाडा की यामिनी मेश्राम पति की मृत्यु के बाद संबल योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आयी थी। यामिनी का कहना था कि उसके पति मनजीत मेश्राम ने 05 फरवरी 2025 को संबल कार्ड बनाने के लिए आवेदन किया था। 07 फरवरी 2025 को पति का संबल कार्ड उसे प्राप्त हुआ, लेकिन उसी दिन पति की मृत्यु हो गई है। जिसके कारण उसे संबल योजना की अनुग्रह सहायता के लिए अपात्र कर दिया गया है। उसकी एक वर्ष आयु की एक पुत्री है। जिसके पालन पोषण की सारी जिम्मेदारी उसके पास है। उसके पास आय का कोई साधन नही है। अतः उसे संबल योजना की अनुग्रह सहायता राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में जिला श्रम पदाधिकारी को कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में नागसेन वैद्य औद्योगिक भूमि के लिए जमा राशि वापस दिलाने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि उनके द्वारा ग्राम कनकी में औद्योगिक भूमि आवंटन के लिए आवेदन किया गया था, लेकिन उनका आवेदन निरस्त हो गया है। अतः उनके द्वारा जमा की गई राशि शीघ्र वापस दिलायी जाए। इस प्रकरण में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को कार्यवाही करने कहा गया है।

बेटे द्वारा की गई मारपीट में पिता की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सलघट में एक युवक द्वारा की गई मारपीट में उसके पिता की मौत हो गई। यह घटना 9 मार्च की रात्रि में हुई। बिरसा पुलिस ने मृतक मन्नूसिंह मरावी 50 वर्ष का शव उसे घर से बरामद किए और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है। घटना के बाद व्यक्ति का बेटा हुम्मन मरावी 32 वर्ष फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मन्नू सिंह मरावी के तीन बेटे हैं और सभी खेती किसानी करते हैं। 9 मार्च की रात्रि 8:00 बजे मन्नूसिंह मरावी और उसके बड़े बेटे हुम्मन मरावी के बीच काम धंधे और घरेलू बातों को लेकर विवाद हुआ था और तभी हुम्मन मरावी ने आवेश में आकर अपने पिता मन्नुसिह को लाठी से मारपीट कर दिया था। मारपीट में मन्नूसिंह घायल हो गया था जिसका इलाज रात्रि में गांव में ही करवाए थे। किंतु 10 मार्च को सुबह 10:00 बजे करीब मन्नूसिंह की घर में ही मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही बिरसा पुलिस ने ग्राम सलघट पहुंचकर मौके से मन्नूसिंह की लाश बरामद की और पंचनामा कार्यवाहीपश्चात बिरसा अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। घटना के बाद हुम्मन मरावी फरार है जिसके विरुद्ध पिता की हत्या के आरोप में अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की गई है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0051/ड-154/2025-26

मौजा कटंगझरी, रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नन्दकिशोर कुमले पिता भाऊदास कुमले जाति ढीमर, निवासी ग्राम कटंगझरी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा कटंगझरी, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता स्व. भाऊदास पिता कान्हवा का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 02.08.2019 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम कटंगझरी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 18.03.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 11.03.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय ग्राम पंचायत मोहगांव(ध.)

जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट

क्र. /क्यू/2026 दिनांक 10/03/2026

निविदा

विषयांकित लेख है कि ग्राम पंचायत मोहगांव (ध.) में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा, विवी जी राम जी, पंच परमेश्वर, 05 वां, 14 वां व 15 वां वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग, गौण खनिज मद, स्वकराधान मद, स्वच्छ भारत अभियान, विधायक-सांसद निधि, परफार्मेंस ग्रांट फंड, पंचायत क्षेत्र में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु आवश्यक सामग्री क्रय की जानी हैं। इन कार्यों के लिए दिनांक 11/03/2026 से 18/03/2026 तक मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत मोहगांव (ध.) में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें।

टीप: निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

श्रीमती हिरकन नगपुरे सरपंच | **आर. एल. नगपुरे** उपसरपंच | **परसराम पटले** सचिव

एफसी. नगपुरे - सहायक सचिव

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत मोहगांव (ध.) तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट

कार्यालय ग्राम पंचायत कारंजा

जनपद पंचायत लांजी, जिला बालाघाट

कमांक/क्यू / ग्रा.पं./2026 कारंजा दिनांक. 10.03.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कारंजा, जनपद पंचायत लांजी अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-2027 (01.04.2026 से 31.03.2027) तक की अवधि के लिये फीस संग्रहण पट्टा नियम 1995 अनुसार ग्राम पंचायत के अधिनस्थ साप्ताहिक बैठकी बाजार एवं मवेशी रक्त्रा फीस संग्रहण हेतु निलामी दिनांक 21.03.2026 दिन शनिवार को ग्राम पंचायत भवन कारंजा में 11.00 बजे से रखी गई है। अतः इच्छुक व्यक्ति बोली लगा सकते हैं।

निलामी की शर्तें ग्राम पंचायत भवन के सूचना पटल पर चस्पा की गई है।

सरपंच - श्रीमती लोहा वागड़े
उपसरपंच - तिलेश शिवणकर
सचिव - गणेश रणदिवे
सहायक सचिव - धनेश रतोने
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत कारंजा (लांजी)

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चैन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

पवित्र माह रमजान के दो अशरे पूर्ण, अंतिम अशरा आज से

इसी अशरे में आएगी शब ए कद्र ,तीन अशरो में बटा है पवित्र माह रमजान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पवित्र माह रमजान में इबादतों का दौर जारी है जहां चांद के दीदार के साथ 18 फरवरी की शाम से शुरू हुए इस पवित्र माह रमजान के दो अशरे आज 10 मार्च मंगलवार को पूरे हो गए है वहीं माह रमजान का तीसरा और अंतिम अशरा आज शाम से शुरू हो गया है जिसको लेकर मुस्लिम समाज में काफी उत्साह देखा जा रहा है।आपको



बताएं कि माह रमजान को बरकतों,रहमतों, मगफिरतो और फजीलतो वाला महीना भी कहा जाता है ।धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी माह पवित्र कुरान भी इस धरती पर मुकम्मल तौर पर उतरा था।वही इस पवित्र महीने को 3 अशरो में बांटा गया है जिसके मुताबिक पहले से 10 रोजे तक, रहमतों का,10 वे 20 रोजे तक बरकतों का, और 20 से 30 वे रोजे तक जहन्नुम की आग से बचाने का हिस्सा माना गया है ।इसी 30 रोजे के दरमियान 26वे रोजे की रात को शब ए कद्र मनाई जाती है जिसे मुस्लिम समुदाय के लोग पूरी रात इबादतों में गुजारते हैं और तीस रोजे मुकम्मल कर चांद के दीदार के बाद ईद का पर्व मनाया जाता है।

26 वे रोजे को मनाई जाएगी शब-ए-कद्र

इस्लाम मे मुस्लिम समुदाय के लोगों पर 5 फर्जों की अदायगी अनिवार्य की गई है। जिसमें रमजान शरीफ के रोजे रखना भी एक अहम फर्ज है अपने इसी फर्ज की अदायगी के लिए मुस्लिम समाज के लोग पूरे साल भर रमजान शरीफ के महीने का इंतेजार करते रहते हैं और आमदे रमजान पर रोजे रख इस पवित्र महीने को इबादती गुजारते हैं। इसी माहे मुबारक में कुछ रातें काफी अहम मानी जाती है जिसमें 21, 23, 26 और 29वे के रोजे में से किसी एक रोजे को शबे कद्र आती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार शब ए कद्र की रात में इबादत करने वालों की इबादते कुबूल होती है।वहीं उनकी तमाम मन्नते पूरी हो जाती है।जिसको लेकर मुस्लिम समाज के लोग इस अहम रात को इबादत में गुजारते हैं। जहां रात भर नमाजे, कुरान, मिलाद अन्य तिलावते, सलातो सलाम सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं। आमतौर पर यह शबे कद्र पूरी दुनिया के तमाम मुल्को में 26 वे रोजे की रात को मनाई जाती है।जिसकी तैयारियां भी मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा पूर्ण कर ली गई है।

15 से 20 प्रतिशत बढ़ी है महंगाई-उवैश अली

अलग अलग रंगों व विभिन्न वैरायटीयो की सेवाइयों, व ड्राईफ्रूट की दुकान सजाए बैठे दुकानदार सैय्याद उवैश अली ने चर्चा के दौरान बताया कि फिलहाल मार्केट उछाल नही आया है।लेकिन फिर भी बिक्री हो रही है ,उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष सेवाइयों, ड्राई फ्रूट सहित अन्य वस्तुओं के दाम 15 से 20प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं, ग्राहक लोग पुराने दामो में ही सामान मांग रहे हैं। आज 20 रोज मुकम्मल हो चुके हैं अब 25 वे रोजे के बाद से सेवई और ड्राईफ्रूट मार्केट में बड़ा उछाल आएगा। हर कोई यहां पहुचकर ईद के लिए खरीदारी करेगा। उसी की तैयारी चल रही है।अब समय काफी कम बचा है,जल्द ही मार्केट में उछाल आने की हमे उम्मीद है।

20 मार्च को मनाया जाएगा रानी अवंतीबाई बलिदान दिवस, तैयारियां तेज

लोधी महासभा ने बनाई भव्य आयोजन की रणनीति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वीरांगना रानी अवंतीबाई के बलिदान दिवस को भव्य रूप से मनाने की तैयारियां जिले में शुरू हो गई हैं।जिसको लेकर जिला लोधी महासभा की बैठक मंगलवार, 10 मार्च को आयोजित की गई, जिसमें आगामी 20 मार्च को होने वाले कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तय की गई। बैठक में समाज के जिला स्तरीय पदाधिकारियों सहित अन्य समाजजनों ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।बैठक के दौरान पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को भव्य और प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। इस अवसर पर बताया गया कि रानी अवंतीबाई के बलिदान दिवस के अवसर पर शहर में एक विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें समाज के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही एक भव्य मंचीय कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा, जहां समाज के वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहेंगे।



कार्यक्रम का होगा भव्य आयोजन

वीरांगना अवंती बाई के बलिदान दिवस कार्यक्रम को और अधिक भव्यता प्रदान करने के संबंध में भी उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने अपनी-अपनी राय रखी। साथ ही आयोजित कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन सुखदेव मुनि कुतराहे द्वारा किया गया। आयोजित बैठक में बालाघाट से प्रदेश लोधी लोधा लोध महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जालमसिंह पटेल द्वारा गठित की गई कार्यकारिणी में प्रदेश महामंत्री राजकुमार करहे, प्रदेश प्रवक्ता शौकत बिसाने, प्रदेश सचिव धर्मपाल नगपुरे, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश लिल्हारे को शामिल किये जाने के लिये आभार व्यक्त किया गया। साथ ही प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया गया।

बीएल लिल्हारे बनाए गए कार्यक्रम अध्यक्ष

इस बैठक में 20 मार्च को होने जा रहे पूरे कार्यक्रम को संचालित करने हेतु लोधी महासभा के अध्यक्ष डॉ. अशोक लिल्हारे द्वारा समाज के वरिष्ठ जन चेतना उत्कर्ष संगठन के संरक्षक बी.एल.लिल्हारे को कार्यक्रम अध्यक्ष बनाया गया हैं।बताया गया कि इस भव्य शोभायात्रा में रायपुर का संदल व झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेगा। रथ व घोड़े सहित 500 महिला-युवतियां हाथो में तलवार व साफा पहनकर शामिल रहेगी।इस बैठक में लांजी विधायक और लोधी लोधा लोध महासभा के प्रदेश महामंत्री राजकुमार करहि, प्रदेश प्रवक्ता शौकत बिसाने, प्रदेश सचिव धर्मपाल नगपुरे, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश लिल्हारे, पूर्व जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह मोहारे, बी.एल. लिल्हारे, प्रभुलाल पिछोड़े, गंगासागर नगपुरे, जनपद सदस्य केशव नगपुरे, उपसरपंच तेजलाल सुलाखे, सुखदेव मुनि कुतराहे, शीला नगपुरे, दिलीप उपवंशी,डॉ. अर्चना लिल्हारे, यशवंत लिल्हारे, अर्जुन ठकरेले, हर्ष मुंजारे, नितिन शिवहरे, दीनू बसेने, विशाल तिवड़े, विजय धामड़े, उदय बम्बुरे, डिलेंद्र माहुले, अभय पिछोड़े, भानूप्रताप नगपुरे, प्रफुल्ल मोहारे, दीपक नगपुरे, संदीप चिखले सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

28 अप्रैल को भोपाल में मनाया जाएगा राजा हिरदेशाह के बलिदान दिवस-करहि

विधायक राजकुमार करहि ने बताया कि आयोजित बैठक में 20 मार्च के अवंती बाई बलिदान दिवस कार्यक्रम के साथ ही आगामी 28 अप्रैल को भोपाल में होने वाले प्रदेश लोधी लोधा लोध महासभा के नेतृत्व में राजा हिरदेशाह के बलिदान दिवस कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा की गई। यह आयोजन शौर्य दिवस के रूप में भोपाल के जंबूरी मैदान में होगा। जिसमें बालाघाट जिले से भी हजारों की संख्या में लोगों के शामिल होने के लिये चर्चा की गई।

विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन-डॉ. लिल्हारे

आयोजित बैठक को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला लोधी महासभा के जिलाध्यक्ष डॉ.अशोक लिल्हारे ने बताया कि शोभायात्रा का शुभारंभ शहर स्थित रानी अवंतीबाई चौक से किया जाएगा। यह शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मोती गार्डन पहुंचेगी, जहां कार्यक्रम का समापन होगा।उन्होंने बताया कि इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रायपुर से आने वाली झांकियां होंगी, जिनके माध्यम से वीरांगना रानी अवंतीबाई के साहस, पराक्रम और बलिदान को प्रदर्शित किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाकर एकता और सामाजिक जागरूकता का संदेश देना भी है।

संगठन से जुड़ी 500 महिलाए शोभायात्रा में होंगी शामिल- शीला नगपुरे

वहीं अवंती सेवा समिति की जिला अध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे ने बताया कि इस कार्यक्रम में महिलाओं की भी बड़ी भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि अवंती सेवा समिति से जुड़ी लगभग 500 महिलाएं शोभायात्रा में शामिल होकर शहर भ्रमण करेंगी और आयोजन को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगी।बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने समाज के सभी लोगों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल

आवश्यकता है
• मैनेजर - 01 पद
• साफ-सफाई कर्मचारी- 02 पद
PART TIME & FULL TIME
Day Shift & Night Shift
पता - होटल गौरव मेन रोड
काली पुतली चौक के पास बालाघाट
Mo.9425138713, 8819924499

बालाघाट
बुधवार 11 मार्च 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

दोस्तों के साथ नहाने गये 14 वर्षीय बालक की वैनगंगा नदी में डूबने से मौत- गांव में छाया मातम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नवेगांव ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोंगलई में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया 14 वर्षीय बालक की वैनगंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। 9 मार्च की शाम में यह दुखद हादसा उस समय हुई, जब यह बालक अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने के लिए गया था .इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक और मातम का माहौल बन गया है। ग्रामीण पुलिस ने मृत बालक वंश पिता रमेश बिसेन 14 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार वंश बिसेन ग्राम गोंगलई निवासी कक्षा आठवीं का छात्र था। 9 मार्च की शाम करीब 5 बजे वंश बिसेन गांव के ही कुछ दोस्तों के साथ ग्राम समीप वैनगंगा नदी के सावरघाट में नहाने गया था।काफी देर तक घर वापस नहीं आने पर परिजनों को चिंता हुई। उसी दौरान मोहल्ले में एक शादी समारोह होने के कारण परिवार ने आसपास उसकी तलाश शुरू किये। लेकिन वह कहीं नहीं मिला। बाद में उसके दोस्तों से पूछताछ करने पर पता चला कि वह सावरघाट पर नहाने गया था।

परिजन जब मौके पर पहुंचे तो घाट पर बालक के वंश के कपड़े पड़े मिले। जिससे उसके नदी में डूबने की आशंका जताई गई। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से नदी में उसकी तलाश शुरू की गई। कुछ समय बाद बालक वंश का शव नदी से बाहर निकाल लिया गया।घटना की सूचना मिलने पर नवेगांव ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची और बालक वंश के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। 10 मार्च की सुबह चिकित्सक और परिजनों की मौजूदगी में जिला अस्पताल बालाघाट में बालक वंश के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है। इस दुखद घटना से पूरे गांव में गहरा शोक व्याप्त है।

पैरामेडिकल की एक छात्रा ने छात्रवृत्ति के 56 हजार रुपये निकालने का लगाया आरोप

कलेक्ट्रेट पहुंचकर जनसुनवाई में दिया आवेदन, संस्थान प्रमुख ने आरोपों से किया इंकार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंची फिजियोथेरेपी की पढ़ाई करने वाली एक छात्रा ने वारासिवनी स्थित पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट कॉलेज के प्रबंधन पर छात्रवृत्ति राशि में गड़बड़ी का गंभीर आरोप लगाया है। छात्रा ने जनसुनवाई में आवेदन देकर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। छात्रा आस्था नगपुरे का आरोप है कि उसके नाम से मिलने वाली छात्रवृत्ति की करीब 56 हजार रुपये की राशि संस्थान प्रबंधन द्वारा निकाल ली गई है। उसने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई करने और उसे उसकी छात्रवृत्ति राशि दिलाने की मांग की है। छात्रा का यह भी कहना है कि उसकी तरह अन्य छात्राओं के साथ भी ऐसा किया गया है। यदि मामले की गंभीरता से जांच की जाती है तो छात्रवृत्ति से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आ सकता है। इस मामले में संस्थान प्रमुख आशीष पारधी ने छात्रा द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं की गई है और लगाए गए आरोप निराधार हैं।

जिले में छात्रवृत्ति से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जिसमें छात्रा आस्था नगपुरे ने कॉलेज प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रशासन से जांच की मांग की है। छात्रा का कहना है कि कॉलेज बदलने के बाद भी छात्रवृत्ति पोर्टल पर उसका नाम पुराने संस्थान में दर्ज होने के कारण उसे नई संस्था से



छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आस्था ने बताया की उन्होंने वर्ष 2022-23 में जटाशंकर पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट कॉलेज में फिजियोथेरेपी कोर्स के लिए प्रवेश लिया था। आस्था का आरोप है कि लगभग ढाई वर्ष तक परीक्षा आयोजित नहीं होने के कारण उसने संस्थान से टीसी लेकर भोपाल के एक कॉलेज में प्रवेश ले लिया। हालांकि टीसी में परीक्षा में शामिल नहीं होना अंकित होने के कारण उसे दोबारा विद्यालय से टीसी लेकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी पड़ी। छात्रा के अनुसार वर्तमान में समस्या यह है कि छात्रवृत्ति पोर्टल पर अभी भी उसका नाम वारासिवनी स्थित पुराने कॉलेज में ही दर्ज है। इसी कारण वह भोपाल के कॉलेज से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन नहीं कर पा रही है। छात्रा का आरोप है कि जब उसने पुराने कॉलेज प्रबंधन से पोर्टल से नाम हटाने का अनुरोध किया तो उनसे 56 हजार रुपये की छात्रवृत्ति राशि जमा करने के लिए कहा गया। छात्रा का कहना है कि प्रवेश के समय ही संस्था ने उससे अलग से 30 हजार रुपये के साथ 56 हजार रुपये की छात्रवृत्ति राशि भी ले ली थी। ऐसे में उसने प्रशासन से मामले की जांच कर राशि वापस दिलाने की मांग की है। छात्रा की चिंता यह भी है कि यदि पुराने संस्थान से उसका नाम पोर्टल से नहीं हटाया गया तो वह भोपाल में बिना छात्रवृत्ति के आगे की पढ़ाई कैसे जारी रख पाएगी।

छात्रा के सभी आरोप निराधार है - आशीष पारधी

इस मामले में कॉलेज प्रबंधन ने छात्रा के आरोपों को गलत और निराधार बताया है। आशीष पारधी, प्रबंधक, जटाशंकर पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट कॉलेज ने बताया कि प्रोफेशनल कोर्स में इस प्रकार की स्थिति अक्सर बनती है। उनके अनुसार सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति उसी संस्थान में अध्ययन के लिए प्रदान की जाती है, जहां छात्रा ने प्रवेश लिया होता है। यदि छात्रा किसी अन्य कॉलेज में प्रवेश लेकर वहां से छात्रवृत्ति प्राप्त करना चाहता है तो पहले सरकार द्वारा दी गई छात्रवृत्ति राशि वापस करना आवश्यक होता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि छात्रवृत्ति की राशि सीधे छात्रा के बैंक खाते में आती है, ऐसे में संस्था द्वारा उसे निकाल लेने का सवाल ही नहीं उठता। प्रबंधन का कहना है कि कॉलेज में प्रवेश के समय छात्रों से सभी नियम और शर्तों से संबंधित शपथ पत्र लिया जाता है, जिसमें छात्रवृत्ति सहित अन्य बिंदुओं का उल्लेख होता है। कॉलेज प्रबंधन ने यह भी आरोप लगाया कि छात्रा द्वारा छात्रवृत्ति से संबंधित कुछ जानकारियां छुपाई गई थीं। उनके अनुसार छात्रा के परिवार की आय अधिक है, बावजूद इसके छात्रा ने आय प्रमाण पत्र गलत तरीके से प्रस्तुत किया था। प्रबंधन का कहना है कि छात्रा का नाम अभी भी पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज है और यदि उसे ट्रांसफर से संबंधित कोई समस्या आ रही थी तो वह कॉलेज प्रबंधन से चर्चा कर सकती थी।

हीरापुर विष्णुधाम मंदिर विवाद गहराया

ग्रामीणों ने साधक के आरोपों को बताया निराधार, लगभग आधा सैकड़ा ग्रामीणों ने पुलिस महानिरीक्षक के नाम दिया ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम पंचायत हीरापुर स्थित विष्णुधाम मंदिर में चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले हनुमान जी का चोला धारण करने वाले साधक निलय सोनवाने ने क्षेत्र के कुछ लोगों पर मंदिर में पूजा-पाठ करने से रोकने सहित कई गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। अब इस मामले में हीरापुर ग्राम पंचायत सहित क्षेत्र के लगभग आधा सैकड़ा ग्रामीणों ने पुलिस महानिरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर निलय सोनवाने द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर में किसी को भी पूजा-अर्चना करने से नहीं रोका जाता और लगाए गए आरोप वास्तविकता से परे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर सत्यता सामने लाने और आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।



हनुमान जयंती के अवसर पर चोला धारण को लेकर ग्राम पंचायत हीरापुर में चल रहे विवाद के बीच मंगलवार 10 मार्च को आसपास के क्षेत्र के लगभग आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण इस मामले में अपनी बात रखते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। ग्रामीणों ने पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय पहुंचकर अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ग्राम पंचायत हीरापुर के अमरसिंह धनेश्वर और भरवेली ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि अनिल बिसेन ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि हाल ही में कुछ समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर निलय सोनवाने का बयान सामने आया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि हनुमान जन्मोत्सव के दौरान वे हनुमान जी का चोला धारण करने वाले हैं, लेकिन क्षेत्र के कुछ लोग उन्हें मंदिर में पूजा-पाठ करने से रोक रहे हैं और उनके साथ गाली-गलौज व अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। साथ ही जातिगत टिप्पणी करने के भी आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ये सभी आरोप पूरी तरह निराधार हैं। उनका कहना है कि मंदिर में हनुमान जी का चोला धारण करने को लेकर दो युवकों के बीच आपसी जिद की स्थिति बनी हुई है। दोनों ही युवक हनुमान जी का पाठ कर रहे हैं और चोला धारण करने की इच्छा जता रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सामाजिक स्तर पर कई बार समझाइश देने का प्रयास भी किया गया, लेकिन इसके बावजूद विवाद समाप्त नहीं हो सका। अमरसिंह धनेश्वर ने कहा कि निलय सोनवाने उनके गांव के निवासी भी नहीं हैं और वे जबरन गांव में हनुमान जी का चोला धारण करने की जिद कर रहे हैं, जिससे गांव का माहौल प्रभावित हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गांव के किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी को मंदिर में पूजा-पाठ करने से नहीं रोका गया है। सरपंच प्रतिनिधि अनिल बिसेन ने एक और पहलू सामने रखते हुए कहा कि हीरापुर में हनुमान जी महाराज की प्रतिमा स्थापित किए जाने का भी प्रस्ताव है, जिसका कुछ लोग विरोध कर रहे हैं। उनका आरोप है कि इसी कारण धार्मिक माहौल को प्रभावित करने के उद्देश्य से इस प्रकार के आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आगामी हनुमान जन्मोत्सव पर गांव के ही साधक सानिध्य शिवांशी द्वारा हनुमान जी का चोला धारण किया जाएगा।

शादी में आए पति पत्नी से की गई मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम परसवाड़ा में एक व्यक्ति और उसकी पत्नी को मारपीट कर घायल कर दिया गया दोनों घायल भागचंद पिता गोविंद मोहारे 48 वर्ष पुष्पा पति भागचंद मोहारे 42 वर्ष दोनों गांव भदेरा बालाघाट निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भागचंद मोहारे खेती किसानी करते हैं। 9 मार्च की रात्रि 8 बजे भागचंद मोहारे अपनी पत्नी पुष्पा मोहारे के साथ ग्राम परसवाड़ा रिश्तेदार के घर शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गये थे। जिसकी कीर्ति मोहारे के साथ पुराने रंजिश बनी हुई थी। शादी में कीर्ति मोहारे मिला और पुरानी बातों को लेकर वह भागचंद मोहारे को अश्लील गालियां देने लगा ।भागचंद मोहारे ने उसे गाली देने से मना किया। तभी कीर्ति मोहारे उसे मारपीट करने लगा। बीच बचाव करने जब भागचंद मोहारे पत्नी पुष्पा मोहारे आई तब कीर्ति मोहारे ने उसे ही मारपीट कर उन्हें जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल दोनों पति-पत्नी को अरुण मोहारे ने मोरस्साइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

घरेलू हिंसा का मामला मांग में सिंदूर भरने और मंगलसूत्र पहनने पर पति ने लोहे की राड से की मारपीट

मलाजखंड पुलिस ने महिला के पति पर किया अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में घरेलू हिंसा का एक मामला सामने आया। एक महिला ने अपने पति के विरुद्ध मांग में सिंदूर लगाने और मंगलसूत्र पहनने पर लोहे की राड से मारपीट और जान से मार डालने की धमकी दे देने के साथ ही चरित्र पर शक करते हुए, शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का भी आरोप लगाते हुए पुलिस थाना में रिपोर्ट की है। मलाजखंड पुलिस ने इस 35 वर्षीय महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति मोसेस जेम्स टाउनशिप मलाजखंड निवासी के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह महिला घरेलू काम करती है। जिसके दो बच्चे हैं। 2010 में इस महिला की शादी टाउनशिप मलाजखंड निवासी मोसेस जेम्स के साथ हिंदू रीति रिवाज से हुई थी। इस महिला ने शादी से पहले मोसेस जेम्स से अपने हिंदू रीति रिवाज से रहने की शर्त पर ही शादी की थी। यह महिला शादी के बाद से हमेशा मांग में सिंदूर और मंगलसूत्र पहनती थी तथा भगवान की पूजा करती थी। मोसेस जेम्स को मांग में सिंदूर भरना और मंगलसूत्र पहनना अच्छा नहीं लग रहा था। इसी को लेकर के दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद होते रहता था।18 मार्च को सुबह 8:00 बजे यह महिला नहाने के बाद अपनी मांग में सिंदूर लगा रही थी। तभी महिला को उसके पति मोसेस जेम्स मांग में सिंदूर लगाने और मंगलसूत्र पहने ने मना कर दिया। इसी को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया और मोसेस जेम्स उसे अश्लील गतियां देते हुए हाथ बुक्के और लोहे की राड से मारपीट कर दिया और मांग में सिंदूर भरने और मंगलसूत्र पहनने पर गरम लोहे के राड से प्राइवेट जलाने और तेजाब डालकर सुंदरता खत्म करने की धमकी दे दिए। महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि उसका पति मोसेस जेम्स उसके चरित्र पर संदेह कर उसे शारीरिक एवं मानसिक से प्रताड़ित करते हुए घर से निकाल कर और अपने समाज की लड़की से दूसरी शादी करने, उसके साथ मारपीट करते रहता है। महिला अपने पति पर उक्त आरोप लगाते हुए मलाजखंड पुलिस थाना में रिपोर्ट की है। मलाजखंड पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति मोसेस जेम्स के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

गांव में घुसा जंगली सूअर- हमले में एक मासूम बच्ची सहित चार लोग घायल

चिखलाबांध गांव का मामला, वन विभाग कर रहा जांच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वन विकास निगम वारासिवनी रेंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिखलाबांध में 10 मार्च को सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई ।जब जंगल से भटककर एक जंगली सूअर गांव में घुस आया। सूअर ने गांव में लोगों पर हमला कर एक बच्ची एवं महिला सहित लोगों को घायल कर दिया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर वह वापस जंगल की ओर भाग गया। घायलों को रामपायली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया ।जहां दो घायलों का उपचार कर उन्हें घर भेज दिया गया, जबकि एक बच्ची और एक बुजुर्ग महिला का इलाज किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 मार्च को सुबह करीब 9 बजे ग्राम चिखलाबांध के गोंड़ी मोहल्ला में जंगली सूअर दिखाई दिया। इस दौरान सड़क पर खेल रही 4 वर्षीय बालिका रियांशी मुर्खे पर सूअर ने अचानक हमला कर दिया। बच्ची को बचाने के लिए दौड़े ग्रामीण रामप्रसाद पंद्राम पर भी सूअर ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए।

इसके बाद सूअर ने साइकिल से जा रहे बुधराम बिठले पर भी हमला कर उन्हें घायल कर दिया। इसके बाद सूअर गांव से खेतों की ओर भाग गया। जहां महुआ चुनकर घर लौट रही बुजुर्ग महिला शिशुला सुहागपुरे पर भी हमला कर दिया। महिला के पेट में गंभीर चोट आई है ।ग्रामीणों के हल्ला मचाने पर सूअर जंगल की ओर भाग गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विकास निगम का अमला मौके पर पहुंचा और घायलों को तत्काल रामपायली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग महिला को वाहन उपलब्ध नहीं होने के कारण परिजनों को उन्हें मोटरसाइकिल से अस्पताल पहुंचाना पड़ा। रामप्रसाद पन्द्राम और बुधराम बिठले को मामूली चोट होने से होने प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई किंतु मासूम बच्ची रियांशी मूर्खे और शिशुला सुहागपुरे का इलाज रामपायली के अस्पताल में किया जा रहा है।

घायल के परिजनों को एक-एक हजार रुपये आर्थिक सहायता प्रदान की गई है

सहायक परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी राजेंद्र मेश्राम ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। चारों घायलों के परिजनों को तत्काल राहत के रूप में एक-एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। पंचनामा की कार्रवाई के बाद मामले की जांच की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में प्रधान आरक्षक प्रकाश तिवारी सहित दो घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थानांतर्गत बैहर रोड़ उकवा पुलिस चौकी के सामने मोटरसाइकिल रोड किनारे टहल रहे एक पुलिस कर्मचारी को ठोस मारकर अनियंत्रित हो गई। इस दुर्घटना में पुलिस कर्मचारी प्रधान आरक्षक प्रकाश तिवारी पिता नोखेलाल तिवारी 44 वर्ष पुलिस चौकी उकवा और मोटरसाइकिल सवार दीपक पिता धनलाल नगपुरे 23 वर्ष मोहगांव थाना रामपायली निवासी घायल हो गए। दोनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपक नगपुरे खेती किसानी करते हैं ।9 मार्च को दीपक नगपुरे मोटरसाइकिल में बैहर अपने काम से गये थे । शाम बैहर में काम निपटाने के बाद दीपक ने अपने दोस्त अंशुल के साथ बैहर में थोड़ी शराब पी थी। इसके बाद दीपक मोटरसाइकिल से बालाघाट जाने निकला था रात 9:30 बजे करीब पुलिस चौकी उकवा पदस्थ प्रधान आरक्षक प्रकाश तिवारी खाना खाने के बाद पुलिस चौकी के सामने रोड किनारे टहल रहे थे।इसी दौरान बैहर तरफ से आ रहे दीपक की तेज रफ्तार मोटरसाइकिल प्रधान आरक्षक प्रकाश तिवारी को ठोस मारकर अनियंत्रित हो गई। इस दुर्घटना में प्रधान आरक्षक प्रकाश तिवारी और दीपक नगपुरे दोनों घायल हो गए। दोनों घायल को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

बाघ के हमले में मृत इनकार के शव का हुआ पोस्टमार्टम

विभाग ने दी 20 हजार रुपये अंत्येष्टि सहायता राशि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चांगोटोला पुलिस ने बाघ हमले में मृत इनकार सैयाम 53 वर्ष ग्राम मोहगांव निवासी का शव लामता हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। 9 मार्च को दोपहर यह घटना उस समय हुई थी जब ग्राम यह व्यक्ति मलधर जंगल में जलाऊ लकड़ी के लिए गया था। विभाग के द्वारा मृतक इनकार सैयाम के परिजनों को अंत्येष्टि सहायता राशि 20 हजार रुपये दी गई है।

बताया गया है कि इनकार सैयाम खेती मजदूरी के अलावा जंगल से जलाऊ लकड़ी लाकर बिक्री करता था करता जिसके परिवार में पत्नी और एक बेटी है। 9 मार्च को 2:00 पर 2:00 बजे इनकार सैयाम, पुनेश मडावी के साथ जलाऊ लकड़ी के लिए मलधर का जंगल गए थे। पुनेश मड़ावी नाले के ऊपर जलाऊ लकड़ी काट रहा था। इनकार सैयाम नाले के तरफ लकड़ी लाने चला गया था। 3:00 बजे करीब पुनेश मड़ावी को नाले तरफ से इनकार सैयाम के चिल्लाने की आवाज आई। पुनेश मड़ावी ने आवाज लगाया तो कोई आवाज नहीं आई। तब उसने नाले तरफ जाकर देखा तो उसे शेर जैसा जानवर जाते हुए दिखाई दिया। इसके बाद पुनेश मड़ावी घबराकर वहा से भाग कर गांव पहुंचाऔर इनकार सैयाम की पत्नी केसरबाई को बताया। जिसके गांव के ग्रामीण मलधर का जंगल नाले तरफ पहुंच ।नाले के पास इनकार सैयाम मृत पड़ा हुआ था। इनकार सैयाम की बाघ हमले में मौत हो चुकी थी। पुनेश मड़ावी ने चांगोटोला थानां पहुंचकर इस घटना की रिपोर्ट की ।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी शशांक राणा अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और वन विकास निगम के अधिकारी कर्मचारी भी मौके पर पहुंच चुके थे। मौके पर पंचनामा



कार्यवाही पश्चात इनकार सैयाम का शव पोस्टमार्टम हेतु लामता का अस्पताल पहुंचाया गया ।चांगोटोला पुलिस ने 10 मार्च को इनका सैयाम का शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिये है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। क्योंकि यह घटना वन विकास निगम लामता रेंज के अंतर्गत हुई । वन विकास निगम लामता रेंज के द्वारा मृतक इनकार सैयाम परिजनों को हाल ही में अंत्येष्टि सहायता राशि 20 हजार रुपए दी गई है।

किसान सेवा साख सहकारी समिति पर लाखों रूपयों की धोखाधड़ी का आरोप, उपभोक्ताओं ने किया हंगामा





उपभोक्ताओं ने उपायुक्त सहकारिता विभाग बालाघाट को सौपा ज्ञापन, एजेंट एवं प्रबंधक पर कार्यवाही कर रूपये वापस दिलवाने की मांग की

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग स्थित किसान सेवा साख सहकारी समिति मर्यादित बालाघाट की शाखा लालबर्रा-पांढरवानी में उपभोक्ताओं के लाखों रूपये की धोखाधड़ी करने का सनसनी खेज का मामला सामने आया है। मंगलवार को आक्रोशित उपभोक्ताओं ने सिवनी मार्ग स्थित बैंक पहुंचकर जमकर हंगामा किया और जिला मुख्यालय में उपायुक्त सहकारिता विभाग के अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रबंधक एवं एजेंट पर सख्त कार्यवाही कर राशि वापस दिलवाने की मांग की है।

मैच्योरिटी के बाद भी नहीं लौटाई जा रही राशि

आपकें बता दे कि किसान सेवा साख सहकारी समिति मर्यादित बालाघाट शाखा लालबर्रा-पांढरवानी शाखा के एजेंटों और प्रबंधकों ने क्षेत्र के ग्रामीणों को बचत का लालच देकर लाखों रूपये जमा करवाये थे और जमा करने की तिथि पूर्ण होने के बाद समय पर मैच्योरिटी दिलवाने की बात कही थी। किन्तु कई उपभोक्ताओं की जमा राशि की अवधि पूरी हो चुकी है और 4 से 5 महीने बीत जाने के बाद भी बैंक प्रबंधन ब्याज तो दूर, मूल राशि लौटाने में भी आनाकानी कर रहा है। वहीं पिछले कुछ महीनों से एजेंटों ने राशि जमा लेना भी बंद कर दिया है, जिससे उपभोक्ताओं का शक यकीन में बदल गया कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। मंगलवार को बड़ी संख्या में उपभोक्ता लालबर्रा के बैंक शाखा पहुंचे और अपनी जमा पूंजी वापस मांगी। लेकिन बैंक में उपस्थित कर्मचारियों और एजेंटों द्वारा कोई संतोषजनक जवाब न मिलने पर उपभोक्ता आक्रोशित हो उठे और एजेंट व बैंक के कर्मचारियों को खरी-खोटी सुनाते हुए जमा राशि वापस देने की मांग की। जबकि बैंक में उपस्थित कर्मचारियों से रूपये की मांग की तो उन्होने कहा कि जिले के प्रबंधक से बात करने कहा तो उपभोक्ताओं ने कहा कि हम लोग एजेंट व बैंक को देखकर रूपये जमा किये थे इसलिए हमारी राशि तत्काल वापस दिलवाये नही तो बैंक में ताला बंदी की जायेगी। इस तरह से किसान सेवा साख सहकारी समिति शाखा लालबर्रा में क्षेत्र के सैकड़ों उपभोक्ताओं की लाखों रूपये की राशि जमा है। वहीं क्षेत्रभर से पहुंचे उपभोक्ताओं ने बैंक में हंगामा करने के बाद थाना पहुंचे और थाना प्रभारी को अपनी शिकायत की। जिसके बाद थाना प्रभारी ने उपायुक्त सहकारी विभाग बालाघाट के सहकारिता विस्तार अधिकारी अरूणा मर्सकोले से चर्चा की तो उन्होने सभी को बालाघाट में शिकायत करने की बात कही। वहीं आक्रोशित सभी उपभोक्ता जिला मुख्यालय पहुंचकर उपायुक्त सहकारी विभाग बालाघाट को ज्ञापन सौंपकर समिति के प्रबंधक व दोषी एजेंटो पर कार्यवाही करने, ब्याज सहित राशि वापस दिलवाने की मांग की है। वहीं पीडित उपभोक्ताओं का कहना है कि हमने बैंक व एजेंट के भरोसे पर अपनी मेहनत की कमाई का एक-एक रूपये भविष्य के लिए जमा की थी। अब अधिकारी और एजेंट जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। यदि हमें न्याय नहीं मिला तो हम उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में उपभोक्ता (खातेदार) उपस्थित रहे।

जमा राशि वापस दिलवाये प्रशासन - प्रिया

श्रीमती प्रिया रंगारे ने बताया कि किसान सेवा साख सहकारी समिति मर्यादित बालाघाट शाखा लालबर्रा-पांढरवानी के एजेंट के पास हम लोगों ने रूपये जमा किये थे जिसकी मै%योरिटी हो चुकी है, लेकिन रूपये नही मिल रहे है, हमारे 32 हजार रूपये जमा है। इसी तरह अन्य उपभोक्ताओं के भी लाखों रूपये जमा है। श्रीमती रंगारे ने बताया कि जब बैंक प्रबंधक व एजेंट से रूपये वापस दिलवाने की मांग करते है तो सिर्फ आश्वासन देते है, प्रशासन से मांग है कि हमारी जमा राशि वापस दिलवाये।



तारीख पर तारीख दी जाती है - जयपाल

जयपाल बिसेन ने बताया कि मेहनत कर भविष्य के लिए रूपये जमा किये थे और जुलाई में मैच्योरिटी हो चुकी है परन्तु अब तक मैच्योरिटी की राशि हमें नहीं मिल पाई है। जिसमें 36000 रूपये जमा थे और 12000 रूपये ही मिल पाये है। जबकि एक साथ पुरी राशि मिलनी चाहिए। श्री बिसेन ने बताया कि अन्य लोगों से जानकारी मिल रही है कि समिति के प्रबंधकों के द्वारा उपभोक्ताओं की जमा राशि को प्रॉपर्टी में फसा दिया गया है और हमें प्रबंधक के द्वारा तारीख पर तारीख दी जाती है और जब हम पहुंचते हैं तो प्रबंधक अपने कार्यालय से गायब रहते है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि प्रबंधकों पर उचित कार्यवाही कर हमें ब्याज सहित संपूर्ण राशि वापस दिलवाये नही तो सभी उपभोक्ता कठोर कदम उठाने बाध्य होगें।



11 से 12 लाख रूपये समिति में जमा है - लक्ष्मीप्रसाद

एजेंट लक्ष्मीप्रसाद चौबे ने बताया कि किसान सहकारी साख समिति मर्यादित बालाघाट के शाखा लालबर्रा में मेरे द्वारा एजेंट के तौर पर काम किया जा रहा था और उपभोक्ताओं से डेली राशि वसूली करके समिति में जमा करता था परंतु विगत 9 से 10 महीने से मैच्योरिटी नहीं हो पा रही थी। जिससे उपभोक्ता मुझे परेशान कर रहे थे। जब मैने समिति के प्रबंधक से मैच्योरिटी के रूपये नहीं आने के संबंध में जानकारी ली गई तो उनका कहना था कि आगे से ही रूपये नहीं आ पा रहे हैं। जबकि नियमानुसार मैच्योरिटी होने के 15 दिनों के अंदर उपभोक्ताओं को रूपये मिल जाता है। लेकिन यहां 8 से 9 महीने मैच्योरिटी के रूपये देने में लग रहे है। श्री चौबे ने बताया कि मेरे पास के उपभोक्ताओं के करीब 11 से 12 लाख रूपये समिति में जमा है, हमारी मांग है कि सभी खातेदारों को रूपये वापस होना चाहिए।



मामले की जांच की जायेगी - राजेश

दूरभाष पर चर्चा में उपायुक्त सहकारी विभाग बालाघाट के डीआर राजेश उइके ने बताया कि मैं बाहर हूं, बुधवार को कार्यालय पहुंचकर जिन उपभोक्ताओं ने ज्ञापन सौंपा है उसका अवलोकन कर किस कारण से उपभोक्ताओं ने जो राशि जमा किये है उसकी मैच्योरिटी क्यों नही की गई है। उस संबंध में जांच की जायेगी और जांच में सही पाये जाने पर उनकी राशि वापस दिलवाई जायेगी। साथ ही अगर जांच में राशि का गबन होने का मामला सामने आता है तो प्रबंधक व एजेंट पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

पांढरवानी-लालबर्रा का मवेशी और बैठकी बाजार 26 लाख 12 हजार में हुआ नीलाम

नीलामी की प्रक्रिया संपन्न, 10 ठेकेदारों ने लगाई बोली, उच्चतम बोलीदार को मिला बाजार का ठेका

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा के पंचायत भवन के सभाकक्ष में 10 मार्च को मवेशी एवं बैठकी बाजार की नीलामी प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न हुई। इस वर्ष साप्ताहिक मवेशी एवं बैठकी बाजार का ठेका 26 लाख 12 हजार रूपये में नीलाम हुआ है, जिसे उ%चतम बोलीदाता मानपुर निवासी डिलेन्द्र उर्फ ईलु नागोता ने अपने नाम किया है।

पिछले वर्ष के मुकाबले आधी रह गई राशि

यह बैठकी व मवेशी बाजार नीलामी की कार्यवाही पांढरवानी सरपंच अनीस खान, उपसरपंच राकेश अग्रवाल, पंचायत इंस्पेक्टर खिलेन्द्र सोनवंशी, प्रभारी सचिव कृष्णा पंचेश्वर, रानीकुवार सचिव केशव मोहबे की उपस्थिति में शुरू हुई। वहीं नीलामी की प्रक्रिया के प्रारंभ में सरपंच अनीस खान ने उपस्थित ठेकेदारों को नीलामी के नियम और शर्तें पढ़कर सुनाई। इस बाजार नीलामी की प्रक्रिया के पूर्व ठेकेदारों से अमानत राशि जमा करवा ली गई थी। 10 मार्च को नीलामी की प्रक्रिया संपन्न हुई। इस वर्ष बाजार की राशि का आफसेट रेट 26 लाख, 6 हजार 865 रूपये निर्धारित किया गया। जिसके बाद बोली की प्रक्रिया प्रारंभ हुई और आफसेट रेट 26 लाख, 6 हजार 865 रूपये की राशि से बोली प्रारंभ हुई। जिसके बाद उपस्थित ठेकेदारों के द्वारा बारी-बारी से बोली बोली गई। वहीं नीलामी प्रक्रिया के दौरान बोलीदार मानपुर निवासी डिलेन्द्र उर्फ ईलु नागोता ने सबसे बड़ी बोली 26 लाख 12 हजार रूपये की बोली गई और उक्त बोली पर मोहर लगी, जिसके बाद सभी ने समर्थन किया। इस तरह से पांढरवानी लालबर्रा का मवेशी एवं बैठकी बाजार ठेकेदार को 26 लाख 12 हजार रूपये में 1 वर्ष के लिए नीलाम हुआ है। बाजार नीलाम होने के बाद चौकाने वाली बात यह रही कि पिछले वर्ष यही बाजार 44 लाख 51 हजार रूपये की भारी-भरकम राशि में नीलाम हुआ था और वर्ष 2026-27 के लिए जिसे ठेका मिला है। उसी को पिछले वर्ष भी बाजार का ठेका मिला था, इस वर्ष नीलामी की राशि पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग आधी रह गई है। वही पंचायत प्रशासन का कहना है कि इस नीलामी से प्राप्त राशि का उपयोग पंचायत क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों में किया जायेगा। इस अवसर पर पंचगण, स्थानीयजन एवं ठेकेदार व पंचायतकर्मी उपस्थित रहे।





राशि से पंचायत क्षेत्र में किये जायेगें विकास कार्य - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पांढरवानी-लालबर्रा के मवेशी व बैठकी बाजार की नीलामी मंगलवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुई। जिसमें 10 ठेकेदारों ने बोली लगाई और आफसेट प्राइज से ऊपर बाजार की नीलामी हुई है। जिसमें सर्वाधिक बोली 26 लाख 12 हजारे रूपये ठेकेदार डिलेन्द्र उर्फ ईलु नागोता के द्वारा बोली गई। जिन्हे एक वर्ष के लिए मवेशी व बैठकी बाजार का ठेका दिया गया है। श्री खान ने बताया कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष बाजार कम राशि में नीलाम हुआ है और बाजार नीलामी से प्राप्त राशि से ग्राम पंचायत स्तर पर अनेक विकास कार्य किये जायेगे।

शांतिपूर्वक नीलामी की प्रक्रिया हुई संपन्न - खिलेन्द्र

खंड पंचायत अधिकारी खिलेंद्र सोनवंशी ने बताया कि शासन के नियमानुसार पांढरवानी-लालबर्रा पंचायत की मवेशी एवं बैठकी बाजार की नीलामी प्रक्रिया संपन्न करवाई गई है। इस नीलामी प्रक्रिया में ऑफसेट रेट 26 लाख 6 हजार 865 रूपये रखी गई थी और अधिकतम बोली 26 लाख 12 हजार रूपये की बोली लगाकर ठेकेदार श्री नागोता के द्वारा बाजार का ठेका लिया गया है। यह बाजार 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक के लिए नीलाम हो चुका है और यह नीलामी की प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

महाविद्यालय में "सबका साथ, सबका विकास" विषय पर वेबिनार का हुआ आयोजन





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सोमवार को केन्द्रीय बजट में प्रधानमंत्री जी के "सबका साथ सबका विकास" के विषय पर आयोजित वेबिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के सभागार में संपन्न हुआ। जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सबका साथ, सबका विकास विषय के वेबिनार को ऑनलाइन मोड पर देखा एवं सुना। जिसमें 22 बजट घोषणाऐं, 193 विशेषज्ञ सम्मिलित थे। इस वेबिनार के प्रारंभिक चरण में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज के चौथा वेबिनार के संबंध में बताया गया कि केन्द्रीय बजट 2026 का मूल ध्येय जन आकांक्षाओं की पूर्ति करना है, यह बजट विकसित भारत एवं समावेशी भारत के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। इस वेबिनार में विशेषज्ञ, नीति निर्धारक एवं साथ ही शोधार्थियों के सुझाव भी आमंत्रण किये गये है। वेबिनार में बताया गया कि अधोसंरचना, स्वास्थ्य अधोसंरचना भी सशक्त हुई है। आयुष्मान भारत योजना, आरोग्य मंदिर का विस्तार भी हुआ है। साथ ही योग एवं आयुर्वेद पूरे दुनिया में सर्वाधिक लोकप्रिय हो गये सैकड़ों जिलों में मेडिकल कॉलेज खुल गये है, वेबिनार में गैर इकोनॉमी पर जोर दिया गया। साथ ही देश में आने वाले दशक में सीनियर सिटीजन की संख्या बढ़ रही है इस हेतु दुनिया में गैर रिवर्स की भारी मांग है। नई स्कील, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच गांव-गांव तक बढ़ाई गई। हेल्थ सेक्टर, ट्रेडिंग इकोसिस्टम, मजबूत करना। युवाओं को उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर करना, इस हेतु नई शिक्षा नीति ने जरूरी आधार तैयार कर दिया, एआई, आटोमेसन, डिजिटल इकोनॉमी, शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता को बढ़ाने पर लगातार काम हो रहा है। वहीं महिलाओं की सहभागिता बढ़ाना, युवाओं के लिए अनुसंधान का लाभप्रद वातावरण तैयार करना, खेलो से राष्ट्र का विकास, खेलों इंडिया पर चर्चा की गई, इसके अतिरिक्त बेटियों को अवसर देना, खिलाड़ियों को वित्त पोषण पर चर्चा, कामनवेल्थ गेम्स, ओलंपिक के लिए खिलाडियों को तरासना ताकि देश का परचम अर्न्तराष्ट्रीय प्रतियोगिता में लहराया जा सकता है, टुरिज्म को बढ़ावा देना, देश में टुरिज्म इकोसिस्टम को मजबूत करना, स्वच्छता, टेऊ न, हॉस्पिटल, गॉइड, डिजिटल कनेक्टिविटि, इंडस्ट्री, अकेडमि, सामुदायिक सहभागिता, टुरिज्म, हेल्थ शिक्षा आदि अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र मिलकर काम करते है। तो विकास की गति तेज हो जाती है, विकसित भारत की नींव और मजबूत होगी। इन महत्वपूर्ण विषयों पर वेबिनार में चर्चा की गई एवं विशेषज्ञ द्वारा भी उक्त विषयों पर विस्तार से चर्चा एवं सुझाव दिये गये। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा इस वेबिनार को सफल बनाने में डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे, डॉ. देवराज चौरे, डॉ निर्मल किर्ती गेडाम, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. ऋषिकेश पटेल, मनीश शिवहरे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशीष बागडे, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, यादोराव राजुरकर, वयकंट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐडे, पीतम मुरते, लकेश गेडाम, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रसिक हुमनेकर, सोनम हरिनखेडे, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शास प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल की स्थानीय कक्षाओं की वार्षिक परीक्षा जारी

कक्षा 6 वीं और 7 वीं के 200 विद्यार्थियों ने गणित विषय का किया प्रश्नपत्र हल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल की स्थानीय कक्षाओं की परीक्षा 9 मार्च से शुरू हो चुकी है। इसी निर्देश के परिपालन में लालबर्रा विकासखंड स्थित शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में गत 9 मार्च से स्थानीय कक्षाओं की वार्षिक परीक्षा जारी है और यह परीक्षा प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 12.30 बजे संपन्न हो रही है। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल (उत्कृष्ट विद्यालय) लालबर्रा में गत दिवस से कक्षा 6 वीं, 7 वीं की वार्षिक परीक्षा जारी है और 10 मार्च को कक्षा छटवीं के 93 बच्चें एवं कक्षा सातवीं के 109 बच्चों ने गणित विषय का प्रश्नपत्र हल किया और किसी प्रकार का नकल प्रकरण नही बना है, शांतिपूर्वक परीक्षा संपन्न हुई। वहीं यह परीक्षा 14 मार्च को संपन्न होगी, जिसके बाद उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया जायेगा। इस तरह से कक्षा 3 री, 4 थी, 6 वीं, 7 वीं की परीक्षा ले कर बच्चों की दक्षता का मूल्यांकन किया जा रहा है। चर्चा में शिक्षिका श्रीमती योगिता दुबे ने बताया कि कक्षा 6 वीं, 7 वीं की वार्षिक परीक्षा 9 मार्च से शुरू हो चुकी है। 10 मार्च को कक्षा छटवीं के 93 एवं कक्षा सातवीं के 109 विद्यार्थियों ने गणित विषय का प्रश्नपत्र हल किये है और शत प्रतिशत विद्यार्थी उपस्थित रहे। साथ ही यह भी बताया कि बैठक व्यवस्था 4 कमरों में की गई है और 14 मार्च को वार्षिक परीक्षा संपन्न हो जायेगी जिसक बाद उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा।

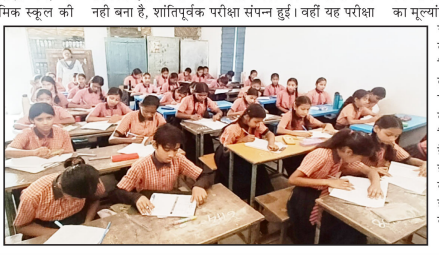

नगर में ईरानी गैंग सक्रिय, फिर वृद्ध महिला को बनाया निशाना

महिला को विश्वास में लेकर जेवर उतार रूपये निकालकर अज्ञात महिला फरार

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के बस स्टैंड में १० मार्च की शाम करीब ४ बजे फिर एक वृद्ध महिला को विश्वास में लेकर सोने के जेवर एवं नकद राशि निकालकर फरार होने का मामला प्रकाश में आया है। इस वारदात के पीछे ईरानी गैंग की उपस्थिति बताई जा रही है जो नगर में सक्रिय होना प्रतीत हो रहा है। यह घटना उस समय हुई जब हीराबाई माहुरकर वृद्ध महिला आंख का उपचार करवाकर बालाघाट से वारासिवनी बस स्टैंड पहुंची थी। घटना की जानकारी लगते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना की जिसके बाद पुलिस प्रशासन के द्वारा महिला से पूछताछ कर बस स्टैंड और दीनदयाल चौक की छानबीन की जाती रही। मामले में पुलिस के द्वारा जांच प्रारंभ कर दी गई है।



हीराबाई आंख का इलाज करने बालाघाट गई हुई थी

प्राप्त जानकारी के अनुसार हीराबाई पति ज्ञानीराम माहुरकार उम्र ७५ वर्ष ग्राम बिटोडी निवासी के द्वारा अपनी आंख का ऑपरेशन करवाया गया है। जिसकी जांच के लिए वह बालाघाट आती जाती रहती है १० मार्च को भी महिला अपनी आंख की जांच के लिए बालाघाट गई हुई थी। जो बालाघाट अपने बहन बेटे अशोक ढोंमने के साथ मोटरसाइकिल के माध्यम से गई हुई थी। जहां डॉक्टर के पास आंखों की जांच करने के बाद वह बस स्टैंड पहुंची जहां से बस बैठकर वह अपने गांव जाने के लिए वारासिवनी आई थी। इसी दौरान बस में उसे एक अज्ञात महिला मिली जिसके द्वारा वारासिवनी बस स्टैंड में पुलिस क्वार्टर गली में ले जाकर कई प्रकार की चर्चा कर पूरी तरह विश्वास में लिया गया। दवा की पर्ची आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों की जांच करने के बाद हीराबाई को अज्ञात महिला के द्वारा दवा के लिए १ लाख रूपये दिलाने का झांसा देकर उसके गले का मंगलसूत्र गेहूं मनी एवं कान की बाली उतर वाली गई। उपचार के बाद वृद्ध महिला के पास बचे १२०० रूपये भी उसे अज्ञात महिला के द्वारा निकाल कर बातों ही बातों में मौके से फरार हो गई। इसके बाद वृद्ध महिला उसे ढूंढते हुए बस स्टैंड में इधर उधर भटक रही थी परंतु वह नहीं मिली तो इस बात की जानकारी हीराबाई माहुरकर के द्वारा अपने बच्चों को दी गई। जिन्होंने बस स्टैंड में पहुंचकर अपनी मां से घटना की जानकारी लेने के बाद पूरी घटना पुलिस थाने में जाकर सुनाई। घटना के बाद पुलिस प्रशासन तत्काल हरकत में आकर महिला की निशानदेही पर पूरे बस स्टैंड और दीनदयाल चौक सहित अनेकों स्थानों का बारीकी से जायजा लेकर सीसीटीवी कैमरा की जानकारी लेता रहा। ताकि अज्ञात महिला की पहचान की जा सके परंतु करीब २ घंटे की खोजबीन के बाद भी पुलिस प्रशासन के हाथ में निराशा ही लगी।

लोगों में दहशत का माहौल बरकरार

नगर के बस स्टैंड में अज्ञात महिलाओं के द्वारा वृद्ध महिलाओं को निशाना बनाकर उनके सोने चांदी के जेवरात और नकद राशि को विभिन्न झांसा देकर ठगने का काम नया नहीं है। पूर्व में भी इस प्रकार की कई हरकतें सामने आ चुकी है किंतु आज तक किसी महिला को पकड़ नहीं गया है। अभी १० दिनों पूर्व ही फव्वारा चौक के पास में एक महिला को विश्वास में लेकर जेवर लेकर भाग गया था। जिसमें पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर ईरानी गैंग का पर्दाफाश किया था। ऐसे में इस प्रकार की वारदातों में भी ईरानी गैंग की होने की संभावना प्रतीत हो रही है। तो वहीं ईरानी गैंग नगर सहित क्षेत्र में सक्रिय रहने की बात कही जा रही है जिससे नगर सहित क्षेत्र वासियों में एक दहशत और भय का माहौल बना हुआ है। जिसको लेकर जागरूक नागरिकों के द्वारा पुलिस प्रशासन से इन अज्ञात महिलाओं का पर्दाफाश करने की मांग की जा रही है। ताकि भविष्य में किसी महिला को किस प्रकार आधे रास्ते ठगना ना पड़े।

अज्ञात महिला ने दवा के लिए १ लाख रूपये दिलाने बोलकर उतारे जेवर- हीराबाई माहुरकर

पीड़िता हीराबाई माहुरकर ने बताया कि मेरे कान और गले में सोने के जेवर थे अज्ञात महिला ने मेरे मंगलसूत्र के गेहूं मनी पेंडेंट और कान की बाली के साथ मेरे नकद १२०० रूपये निकाल कर रख लिए। मैं बालाघाट आंख का इलाज करने गई थी वहां से बस स्टैंड से बस बैठकर अकेली यहां पर आई बस में ही मुझे एक बाई मिली थी। उसने कहा कि मैं भी साथ आती हूँ उसने मेरे जेवर निकाल दवा की चिट्ठी पूछी आधार कार्ड देखी और कहा कि आपकी उम्र के मान से १ लाख रूपये आपको दवा के लिए मिलेगा मैं दिलाऊंगी। यह कहकर वह सोना और पैसा लेकर भाग गई जिसके बाद मैंने डोंगरमाली बिटोडी बस पुछ कर बैठी एक भैया के फोन से अपने घर के लोगों को जानकारी दी। यह आए फिर हमने पुलिस को बताएं करीब १ लाख रूपये का सोना रहा होगा।

दिगंबर जैन मंदिर में प्रवचन का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के द्वारा १० मार्च की सुबह ८ बजे दिगंबर जैन समाज के दो पूज्य मुनि का स्वागत किया गया। जिन्हें शोभायात्रा के माध्यम से ढोल नगाडे के साथ दिगंबर जैन मंदिर लाया गया जहां पर प्रवचन कार्यक्रम आयोजित हुए। प्राप्त जानकारी के अनुसार आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महामुनिराज की आज्ञा से नवरती शिष्य मुनि नीरज सागर महाराज एवं १०८ नीमद सागर महाराज का आगमन बालाघाट हुआ था। जहां से वह विहार करते हुए १० मार्च को वारासिवनी पहुंचे जहां बालाघाट रोड पर स्थित दयाचंद सिंघई के मकान के पास दिगंबर जैन पंचायत कमेटी एवं सामाजिक सदस्यों के द्वारा दोनों महाराज का स्वागत किया गया। उन्हें बैंड बाजे की धुन पर शोभायात्रा निकालकर नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए दिगंबर जैन मंदिर लाया गया। जहां पर समाज के लोगों के द्वारा नित्य प्रतिदिन की पूजा अर्चना



करने के उपरांत प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें महाराज श्री के द्वारा अपने अनमोल वचनों से समाज के उपस्थित लोगों को जागृत करने जीवन में अच्छे कार्यों को निरंतर करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर दिगंबर जैन पंचायत कमेटी पदाधिकारी सदस्य सहित स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

गरिमा भंग करने के आरोप में बाबूलाल को न्यायालय ने भेजा जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत नाबालिक बालिका के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप बाबूलाल परिहार को पुलिस ने १० मार्च को न्यायालय में पेश किया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाबूलाल परिहार उम्र ६६ वर्ष निवासी बालाघाट के द्वारा दुकान में आई नाबालिक बालिका को अकेला देख उसकी गरिमा भंग करने का प्रयास दुकान के अंदर ले जाकर किया गया। जिसके चिल्लाने पर उसने नाबालिक को छोड़ दिया जिसके बाद नाबालिक ने परिजनों को घटना की जानकारी दी तो परिजनों ने थाने में आकर बाबूलाल परिहार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवायी। पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक ९३/२६ भारतीय न्याय संहिता की धारा ७४,७५, २ एवं पाक्सो एक्ट की धारा ७/८ के तहत अपराध दर्ज कर बाबूलाल परिहार को न्यायालय के समक्ष पेश किया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया है।



माता सावित्री बाई फुले की स्मृति दिवस का हुआ आयोजन

मरार माली समाज ने श्रद्धांजलि देकर देश की प्रथम महिला शिक्षिका को किया याद

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के रामपायली रोड़ स्थित महात्मा ज्योतिबा राव फुले चौक पर मरार माली समाज वारासिवनी के तत्वाधान में माता सावित्रीबाई फुले के स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समाज के पदाधिकारी सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें उपस्थित जनो के द्वारा सूर्यक्रांति महात्मा ज्योतिबा राव फुले, माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र और प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात उनके द्वारा किए गए सेवा भावी कार्यों पर प्रकाश डालकर उन्हें याद करते हुए बताया कि सावित्रीबाई फुले का जन्म ३ जनवरी १८३१ को हुआ था। इनके पिता का नाम खन्दोजी नेवेसे और माता का नाम लक्ष्मीबाई था सावित्रीबाई फ.ुले का विवाह १८४१ में ज्योतिराव फुले से हुआ था। वह भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं। महात्मा ज्योतिराव को महाराष्ट्र और भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन में एक सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में माना जाता है। उनको महिलाओं और दलित जातियों का शिक्षित करने के प्रयासों के लिए जाना जाता है। ज्योतिराव जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए सावित्रीबाई के संरक्षक गुरु और समर्थक थे। सावित्री बाई ने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया। इस अवसर पर मरार माली समाज के पदाधिकारी सदस्य सहित गणमान्य नागरिक मौजूद।

सावित्रीबाई फुले देश की प्रथम शिक्षिका बनी जो सर्वसमाज का उत्थान किया-राजकुमार चौधरी





राजकुमार चौधरी ने बताया कि भारत की प्रथम महिला शिक्षिका राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले का १० मार्च १८९७ आज के दिन महापरिनिर्वाण हुआ था। तो उन्हें पुण्यांजलि देकर स्मृति दिवस मना रहे हैं माता सावित्री फुले एवं महात्मा ज्योतिबा राव फुले ने उन परिस्थितियों में काम किया जब भारत में शूद्रो को शिक्षा का अधिकार से वंचित रखा गया था। वह देश की पहली महिला शिक्षिका बनी जिन्होंने १८४८ में पहले शासकीय शाला पुणे के बुधवार पेठ में खोली तब से नारी शिक्षा की अलख जागी। आज जो महिला शिक्षा राजनीति वाणिज्य सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़ रही है महिलाओं का संपूर्ण विकास हो रहा है इसका श्रेय फुले दंपति को जाता है।

सावित्रीबाई फुले की प्रेरणा से आज सर्व समाज आगे बढ़ रहा है-अशोक मरार

अशोक मरार ने बताया कि मरार माली समाज संगठन प्रतिवर्ष माता सावित्रीबाई फुले महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जयंती और स्मृति दिवस मनाकर संगठनात्मक रूप से माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि आयोजित की जाती है। जो इस बार ब्लॉक संगठन के माध्यम से माता सावित्रीबाई फ.ुले के स्मृति दिवस पर आयोजित की गई है। यह भारत की प्रथम शिक्षिका रही जिन्होंने शोषित पीड़ित और दलित समाज को शिक्षा देकर उनके जीवन को सुधारा। एक समय था ८५ प्रतिशत आबादी को शिक्षा के अधिकार से वंचित रखा गया था और जो महिलाएं होती थी किसी भी वर्ग जाति की उन्हें भी शिक्षा के अधिकार से दूर रखा गया था। इनका केवल शोषण किया गया तो फुले दंपति ने संघर्ष कर इन मूल निवासी को शिक्षित कर जागृत किया उन्हीं की प्रेरणा से आज सर्व समाज आगे बढ़ रहा है।

२०० जोड़े बंधे परिणय सूत्र में, मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह सम्पन्न

सांई मंदिर से निकली दूल्हों की धूमधाम से बारात, झूमे बाराती





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत कटंगी के द्वारा तिरोड़ी के दुर्गा मैदान में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कटंगी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से आए २०० जोड़े विधि विधान के साथ परिणय सूत्र में बंधे। समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति में नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत दोपहर लगभग १ बजे तिरोड़ी स्थित साईं मंदिर से २०० दूल्हों की भव्य बारात दुर्गा मैदान के लिए रवाना हुई। एक साथ इतनी बड़ी बारात देखने के लिए नगरवासियों में खासा उत्साह दिखाई दिया। बैंड.बाजों और ढोल की धुन पर बाराती झूमते नाचते नजर आए। दूल्हों के परिवारजन, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी बारात में शामिल हुए। लगभग एक घंटे तक नगर भ्रमण के बाद बारात दुर्गा मैदान पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक रीति रिवाजों के साथ विवाह समारोह संपन्न कराया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कटंगी खैरलांजी विधायक गौरव पारधी ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना समाज के लिए सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से वर्षों से अनेक परिवारों को सहयोग और सामाजिक सम्मान मिला है। उन्होंने बताया कि पहले इस योजना के तहत सामग्री दी जाती थी। जबकि अब सरकार द्वारा कन्या के खाते में सीधे ५१ हजार रुपये की राशि कन्यादान स्वरूप प्रदान की जाती है, जिससे नवदंपति अपने नए जीवन की शुरुआत बेहतर ढंग से कर सकें। विधायक ने कहा कि फि लहाल प्रत्येक विधानसभा में २०० जोड़ों का प्रावधान रखा गया है, जिन पात्र परिवारों के जोड़े इस बार शामिल नहीं हो सके हैं। उनके लिए शीघ्र ही एक और सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान कार्यक्रम में विधायक गौरव पारधी, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार, जनपद अध्यक्ष कटंगी श्रीमती कविता अरविंद देशमुख, जिला पंचायत सदस्य व महिला बाल विकास सभापति श्रीमती केसर बिसेन, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रविकांता बोरकर, प्रियंका परते, जनपद उपाध्यक्ष भानु सिंह पटले, तिरोड़ी भाजपा मंडल अध्यक्ष अविनाश देशमुख, कटंगी पश्चिम मंडल अध्यक्ष मुकेश चौकसे, कटंगी पूर्व मंडल अध्यक्ष सौरभ ठाकरे, महकेपार भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेश सोनवाने, सुरेश ठाकुर,सौफिया खान सहित जनपद क्षेत्र के अनेक सरपंच एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा.अर्चना के साथ की गई तथा उपस्थित अतिथियों का प्रशासन द्वारा स्वागत किया गया। इस विशाल विवाह समारोह को सफल बनाने में कटंगी एसडीएम कैलाश चंद्र ठाकुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कटंगी गायत्री कुमार सारथी, जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारी, सचिव, रोजगार सहायक, राजस्व विभाग तथा पुलिस प्रशासन के अधिकारियों.कर्मचारियों के सहयोग से पूरा आयोजन सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। समारोह में उपस्थित सभी लोगों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई थी। सामूहिक विवाह सम्मेलन में २०० जोड़ों का एक साथ विवाह संपन्न होने से पूरा क्षेत्र उत्सव के माहौल में नजर आया और सभी ने नवदंपतियों को सुखद एवं उज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

पीजी कॉलेज बालाघाट में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार 11-12 मार्च को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मरावे के मार्गदर्शन में वनस्पतिशास्त्र एवं प्राणिशास्त्र विभाग द्वारा 11 एवं 12 मार्च को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है। सेमीनार का विषय भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक जीव विज्ञान का एकीकरण एवं अंतरविषयक अनुसंधान विधि रखा गया है। सेमीनार में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. डी.के. कापगते (सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, जे.एम. पटेल कॉलेज भंडारा, महाराष्ट्र) तथा डॉ. आशीष कुमार झा (विभागाध्यक्ष, प्राणिशास्त्र विभाग, आर.टी.एम. नागपुर विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र) अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ताओं के रूप में डॉ. टी.आर. राहंगडाले (शासकीय रेवतीरमन मिश्रा पीजी कॉलेज सूरजपुर, छत्तीसगढ़), डॉ. संपत घोष (डायरेक्टर, स्कूल ऑफ साइंस, सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट), डॉ. मनोज कुमार झारिया (सहायक प्राध्यापक, संत गहीरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा अंबिकापुर, छत्तीसगढ़) तथा डॉ. नरेन्द्र प्रताप (एसोसिएट प्रोफेसर, मेरठ कॉलेज मेरठ, उत्तरप्रदेश) शामिल होंगे। सेमीनार में प्रदेश एवं जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्राध्यापक एवं शोधार्थी अपने शोधपत्रों का वाचन करेंगे। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक डॉ. एम.एस. मरकाम (विभागाध्यक्ष प्राणिशास्त्र) तथा डॉ. बी.के. ब्रम्हे (विभागाध्यक्ष वनस्पतिशास्त्र) हैं।

सड़क दुर्घटना में कमला कटरे घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर ग्राम नेवरगांव में १० मार्च को सड़क दुर्घटना में श्रीमती कमला कटरे गंभीर रूप से घायल हो गई। यह दुर्घटना बकरे की टक्कर से हो गई है जिसमें घायल का उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाबूलाल कटरे एवं श्रीमती कमला कटरे वारासिवनी वार्ड नं.४ निवासी हैं जो अपने गृह ग्राम लोहारा जा रहे थे। तभी नेवरगांव का चौक पार कर थोड़े दूर गये जहाँ मोटरसाइकिल के सामने अचानक कहीं से एक बकरा आ गया। जिससे बकरा एवं मोटरसाइकिल की टक्कर होकर मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार श्रीमती कमला कटरे घायल हो गई। जिसे तत्काल सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया जहां पर उनका उपचार किया गया। इस दुर्घटना में घायल को हाथ पैर सर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में अंदरूनी और बाहरी चोटे आई है।



बालिका शिक्षा को समर्पित पहली महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले!

पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले ने कन्या शिशु हत्या को रोकने के लिए भी काम किया। उनके पति ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए। दलित महिलाओं के उत्थान के लिए काम करने, छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाने के कारण जब वह स्कूल जाती थीं, तो उनके विरोधी उन्हें पत्थर मारते थे। कई बार उनके ऊपर गंदगी फेंकी गई। सावित्रीबाई फुले एक साड़ी अपने थैले में लेकर चलती थीं और स्कूल पहुंच कर गंदी हुई साड़ी बदल लेती थीं। 1848 में पुणे के भिकेवाड़ी इलाके में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की 9 छात्राओं के लिए इस विद्यालय की स्थापना की। एक वर्ष में सावित्रीबाई फुले और महात्मा ज्योतिबा फुले 5 नए विद्यालय खोलने में सफल हुए। पुणे में पहले स्कूल खोलने के बाद पुणे दंपति ने 1851 में पुणे के रास्ता पेठ में लड़कियों का दूसरा स्कूल खोला और 15 मार्च 1852 में बताल पेठ में लड़कियों का तीसरा स्कूल खोला। उनकी बनाई हुई संस्था सत्यशोधन समाज ने 1876 और 1879 के अकाल में अन्न सत्र चलाया और अन्न इकट्ठा करके आश्रम में रहने वाले 2000 बच्चों को खाना खिलाने की व्यवस्था की। सावित्रीबाई ने स्कूल में छात्राओं को प ?ाने के साथ-साथ समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी। उन्होंने 28 जनवरी 1853 को बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह सभा का आयोजन किया। जिसमें महिलाओं सम्बन्धी समस्याओं का समाधान किया जाता था। सन् 1890 में महात्मा ज्योतिबा फुले की मृत्यु के बाद सावित्रीबाई ने उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया। प्लेग के मरीजों की देखभाल करने के दौरान सावित्रीबाई की मृत्यु 10 मार्च सन 1897 को हुई। उनके पिता का नाम खन्दोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मी था। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। उन्होंने देश के पहले किसान स्कूल की भी स्थापना की थी देश मे 19वीं सदी तक स्त्रियों के कोई अधिकार नही थे, इन अधिकारों को प्राप्त करने व अशिक्षा, छुआछूत, सतीप्रथा, बाल या विधवा-विवाह जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाकर देश की पहली महिला शिक्षिका बनी थीं महाराष्ट्र में जन्मीं सावित्री बाई फुले। जिन्होंने अपने पति समाज सुधारक ज्योति राव फुले से पढ़कर सामाजिक चेतना फैलाई और नारी जाति का मान बढ़ाया।उन्होंने अंधविश्वास और रूढ़ियों की बेड़ियां तोड़ने के लिए लंबा संघर्ष किया था। सावित्रीबाई फुले उनवरी सन1831 में महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थि त नायगांव में पैदा हुई थीं। मात्र 9 साल की छोटी उम्र में पुणा के रहने वाले ज्योति राव फुले के साथ उनकी शादी हो गई थी, विवाह के समय सावित्री बाई फुले पूरी तरह अनपढ़ थीं, जबकि उनके पति तीसरी कक्षा तक पढ़े हुए थे।वह भी पढ़ना चाहती थी, जिस दौर में वो पढ़ने का सपना देख रही थीं, तब वंचितों के साथ बहुत भेदभाव होता था, एक दिन सावित्रीबाई अंग्रेजी की किसी किताब के पन्ने पलट रही थीं, तभी उनके पिताजी ने देख लिया, वह दौड़कर आए और किताब हाथ से छीनकर घर से बाहर फेंक दी। वे बोले शिक्षा का हक केवल उच्च जाति के पुरुषों को ही है, दलित और महिलाओं को शिक्षा ग्रहण करना पाप है,ऐसा उन्होंने उस समय कहते है बताया तो उसी दिन सावित्री फेंकी गई किताब वापस लाकर प्रण कर बैठीं कि कुछ भी हो जाए, वह एक न एक दिन पढ़ना जरूर सीखेंगी ऐसा हुआ भी,अपने मजबूत इरादों के बल पर सावित्री बाई न सिर्फ पढ़ी बल्कि सावित्रीबाई फुले देश ही नही दुनिया की पहली महिला शिक्षिका भी बन गईं। उन्होंने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भरसक प्रयास किये थे।

आभासी दुनिया से बचपन को सुरक्षित रखने की पहल

डिजिटल युग में मानव जीवन की गति और स्वरूप तेजी से बदल रहा है। संचार, शिक्षा, मनोरंजन और सामाजिक संबंधों का बड़ा हिस्सा अब आभासी माध्यमों के सहारे संचालित होने लगा है। इस परिवर्तन ने जहां अनेक सुविधाएं प्रदान की हैं, वहीं विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के मानसिक, शैक्षणिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। इसी संदर्भ में भारत के तकनीकी रूप से अग्रणी राज्य कर्नाटक ने एक महत्वपूर्ण और अनुकरणीय पहल करते हुए सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों को सामाजिक माध्यमों के उपयोग से दूर रखने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र में यह घोषणा की कि किशोर आयु वर्ग के बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए कठोर नियम बनाए जाएंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाध ?ी भी शामिल है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को आभासी दुनिया के दुष्प्रभावों से बचाना और उनके स्वस्थ मानसिक विकास को सुनिश्चित करना है। एक अनुकरणीय पहल है, जिससे प्रेरणा लेते हुए अन्य प्रांतों को भी बचपन को सोशल मीडिया के खतरों से बचाने की दिशा में सार्थक उपक्रम करने चाहिए।

कर्नाटक की इस पहल के तुरंत बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की कि राज्य में तेरह वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए आगामी नब्बे दिनों के भीतर कानून बनाया जाएगा। इस प्रकार आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा निर्णय लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इन दोनों राज्यों की पहल केवल प्रशासनिक निर्णय भर नहीं है, बल्कि यह तेजी से आभासी होती दुनिया में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चल रही वैश्विक बहस का हिस्सा भी है। विश्व के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर चिंतन हो रहा है। उदाहरण के लिए ऑस्ट्रेलिया में पहले ही सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर प्रतिबंध लागू किया जा चुका है, वहीं फ्रांस जैसे देशों में भी बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर कठोर नियम बनाए जा रहे हैं। वास्तव में पिछले कुछ वर्षों में अनेक मनोवैज्ञानिकों और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लगातार चेतावनी दी है कि सामाजिक माध्यमों का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। बच्चों में आत्मविश्वास की कमी, अकेलापन, चिंता, अवसाद, ध्यान भंग होने की प्रवृत्ति तथा आक्रामक व्यवहार जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। आभासी मंचों पर लगातार तुलना और प्रदर्शन की प्रवृत्ति के कारण बच्चों के मन में हीनता और असंतोष की भावना भी जन्म लेने लगती है। यही कारण है कि भारत सरकार के 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में भी इस विषय को गंभीर चिंता के रूप में रेखांकित किया गया था।



विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार किशोरों का औसत दैनिक स्क्रीन समय लगातार बढ़ रहा है। अनेक सर्वेक्षण बताते हैं कि कई देशों में तेरह से अठारह वर्ष आयु वर्ग के बच्चे प्रतिदिन तीन से छह घंटे तक आभासी माध्यमों पर समय बिताते हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव उनकी पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और शारीरिक गतिविधियों पर पड़ता है। ध्यान और एकाग्रता की क्षमता में कमी आने से अध्ययन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। बच्चों का स्वाभाविक बचपन, जो खेलकूद, मित्रता और प्रकृति के साथ जुड़ाव से समृद्ध होता है, वह धीरे-धीरे कृत्रिम आभासी संसार में सिमटता जा रहा है। इसके अतिरिक्त आभासी माध्यमों के माध्यम से साइबर उत्पीड़न और साइबर धोखाधड़ी जैसी समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। कई बार बच्चे अनजाने में ऐसे जाल में फंस जाते हैं जिससे उनका मानसिक संतुलन और सुरक्षा दोनों प्रभावित होते हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध अनुचित सामग्री भी बच्चों के मनोविज्ञान पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए आभासी दुनिया के बढ़ते प्रचलन पर केवल जागरूकता पर्याप्त नहीं है, बल्कि ठोस नीतिगत कदम उठाने की आवश्यकता है।

हालांकि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की पहल सराहनीय है, किंतु इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अनेक व्यावहारिक प्रश्न भी सामने आते हैं। आज के समय में स्मार्टफोन और विभिन्न अनुप्रयोग शिक्षा और दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। अनेक विद्यालय असाइनमेंट, सूचना और संवाद के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हैं। ऐसे में यह निर्धारित करना कठिन हो सकता है कि किसी बच्चे द्वारा किया गया उपयोग शैक्षिक उद्देश्य से है या सामाजिक उद्देश्य से। दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न आयु सत्यापन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यह सुनिश्चित करना कि कोई बच्चा वास्तव में तेरह या सोलह वर्ष से कम आयु का है, तकनीकी दृष्टि से एक जटिल कार्य है। यदि तकनीकी कंपनियां इस दिशा में सहयोग नहीं करतीं हैं तो नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करना कठिन हो सकता है। अनेक परिवारों में एक ही मोबाइल फोन का उपयोग परिवार के कई सदस्य करते हैं, ऐसे में बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों तक पहुंच को पूरी तरह रोकना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। फिर भी इन कठिनाइयों के बावजूद यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समाज को एक गंभीर समस्या की ओर ध्यान दिलाती है। वास्तव में बच्चों को आभासी माध्यमों के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि एक संतुलित और व्यापक दृष्टिकोण एवं जागरूकता अभियान अपनाना आवश्यक होगा। इसमें सरकारों, विद्यालयों, तकनीकी मंचों और अभिभावकों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

सरकारों को चाहिए कि वे बच्चों की डिजिटल सुरक्षा के लिए स्पष्ट नीतियां बनाएं और तकनीकी कंपनियों के साथ मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिसमें बच्चों की आयु का सत्यापन प्रभावी ढंग से किया जा सके। विद्यालयों को भी छात्रों को डिजिटल अनुशासन और जिम्मेदार उपयोग के बारे में शिक्षित करना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका तो सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि बच्चों के व्यवहार और आदतों का निर्माण परिवार में ही होता है। यदि माता-पिता स्वयं डिजिटल संयम का उदाहरण प्रस्तुत करें और बच्चों के साथ संवाद बनाए रखें, तो आभासी माध्यमों के दुष्प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके साथ ही बच्चों को रचनात्मक और सृजनात्मक वातावरण प्रदान करना भी आवश्यक है। खेलकूद, पठन-पाठन, संगीत, कला और प्रकृति के साथ जुड़ाव जैसी गतिविधियां बच्चों के व्यक्तित्व को संतुलित और समृद्ध बनाती हैं। यदि बचपन में ही इन सकारात्मक आदतों का विकास किया जाए तो बच्चे स्वाभाविक रूप से आभासी माध्यमों पर निर्भरता से दूर रह सकते हैं। समाज को भी इस दिशा में सकारात्मक पहल करनी चाहिए ताकि बच्चों के लिए स्वस्थ और प्रेरणादायक वातावरण तैयार किया जा सके।

आज यह स्पष्ट हो चुका है कि डिजिटल क्रांति के साथ-साथ डिजिटल अनुशासन की भी आवश्यकता है। तकनीक का उद्देश्य मानव जीवन को समृद्ध बनाना होना चाहिए, न कि उसे मानसिक और सामाजिक संकटों की ओर धकेलना। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण चेतावनी और प्रेरणा दोनों है। यदि अन्य राज्य भी इससे प्रेरणा लेकर बच्चों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं, और केंद्र सरकार इस विषय पर राष्ट्रीय स्तर का कानून बनाने पर विचार करे, तो यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। लगातार बिगड़ती स्थितियों के बीच निश्चित तौर पर केंद्र सरकार को भी देश में एक केंद्रीय कानून लाने को बाध्य होना पड़ सकता है। वहीं केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर विषय विशेषज्ञों और समाज के विभिन्न वर्गों से भी राय लेनी चाहिए। ऐसे वक्त में जब बच्चों का स्क्रीन टाइम एक लत के रूप में लगातार बढ़ा है तथा उनकी एकाग्रता कम होने से पढ़ाई बाधित हो रही है, तो इस संकट का समाधान केंद्र व राज्यों की प्राथमिकता होनी चाहिए। वास्तव में बच्चों का बचपन केवल आभासी दुनिया में खो जाने के लिए नहीं है। उनका बचपन कल्पनाओं, खेल, सीखने और सृजन की संभावनाओं से भरा हुआ होना चाहिए। यदि समाज और शासन मिलकर यह सुनिश्चित कर सकें कि बच्चों का बचपन सुरक्षित, संतुलित और सृजनात्मक वातावरण में विकसित हो, तभी हम एक स्वस्थ, संवेदनशील और सशक्त भविष्य की कल्पना कर सकते हैं।

- ललित गर्ग

(नो स्मोकिंग डे (11 मार्च) पर विशेष)

नो स्मोकिंग डे-निकोटीन का जहर और समाज का मौन संकट

धूम्रपान मुक्त पीढ़ी ही है स्वस्थ भविष्य की बुनियाद

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरुआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरुआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते हैं, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रतिबंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है। धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं। पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' प्रकाशित हुई थी, जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था। उस समय भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समाज ने समय रहते नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं बढ़ाई तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। आज तीन दशक बाद भी यह चिंता उतनी ही प्रासंगिक दिखाई देती है।

बहरहाल, नो स्मोकिंग डे हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर पल अमूल्य है और इसे किसी भी तरह की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले तो वह आसानी से इस लत से मुक्त हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें। आखिरकार, एक स्वस्थ समाज की शुरुआत स्वस्थ व्यक्तियों से ही होती है। यदि हम तंबाकू से दूरी बनाकर जीवन को अपनाएं तो न केवल अपना स्वास्थ्य सुरक्षित रख सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकते हैं। इसलिए इस नो स्मोकिंग डे पर संकल्प लें कि तंबाकू का साथ छोड़कर हर सांस को कीमती बनाएंगे और जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

- डॉ. श्रीगोपाल नारसन

मिडिल ईस्ट में बढ़ता युद्ध संकट -ईरान का बड़ा ऐलान-ट्रंप को दी अकेला न छोड़ने की खुली धमकी !

वैश्विक स्तरपर मध्य- पूर्व एक बार फिर उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है जहाँ क्षेत्रीय संघर्ष वैश्विक संकट का रूप ले सकता है।हाल के घटनाक्रमों में ईरान,इजराइल और यूनाइटेड स्टेट्स के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पूरे विश्व की शांति और सुरक्षा को गंभीर चुनौती दे दी है। विशेष रूप से ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत के बाद उभरी प्रतिशोध की राजनीति और तीखी सैन्य बयान बाजी ने हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है।खामेनेई की मौत के बाद ईरान में प्रतिशोध की भावना अत्यधिक तीव्र हो गई है। ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े नेताओं और पूर्व कमांडरों ने खुले शब्दों में यह घोषणा की है कि इस घटना का बदला लिया जाएगा।विशेष रूप सेइस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के पूर्व कमांडरों ने सीधे तौर पर अमेरिकी नेतृत्व को निशाना बनाते हुए कहा है कि ईरान अपने नेता के खून का हिसाब अवश्य लेगा।खामेनेई की मौत के बाद इजरायल की ओर से यह बयान देना कि नए सर्वोच्च नेता के चयन में शामिल लोगों को भी निशाना बनाया जा सकता है,यह दर्शाता है कि इजरायल इस संघर्ष को केवल सैन्य अभियान तक सीमित नहीं बल्कि राजनीतिक संरचना को प्रभावित करने की रणनीति के रूप में देख रहा है।ट्रंप ने ईरान की चेतावनियों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि उन्हें इन धमकियों से कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान पहले ही इस युद्ध को हार चुका है और जब तक तेहरान बिना शर्त आत्मसमर्पण नहीं करता, तब तक अमेरिकी सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यदि इस संघर्ष को समय रहते कूटनीतिक उपायों से नियंत्रित नहीं किया गया,तो यह केवल क्षेत्रीय युद्ध तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि विश्व- व्यापी अस्थिरता का कारण बन सकता है।इस पूरे संघर्ष का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इसमें परमाणु हथियारों के उपयोग की आशंका से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता रही है। वहीं इजरायल के पास पहले से ही परमाणु हथियार होने की संभावना मानी जाती है,हालांकि उसने कभी आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की है।यदि यह संघर्ष पूर्ण युद्ध में बदलता है और इसमें परमाणु हथियारों का प्रयोग होता है, तो इसके परिणाम केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं रहेंगे बल्कि पूरी दुनिया पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं।तिहास में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद परमाणु हथियारों का प्रयोग नहीं हुआ है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यदि क्षेत्रीय युद्ध नियंत्रण से बाहर हो जाता है तो यह संभावना भी पूरी तरह से नकारा नहीं जा सकता। साथियों बात अगर हम खामेनेई की मौत और बदलती शक्ति- राजनीति को समझने की करें तो,हालिया घटनाओं में सबसे बड़ा झटका ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत को माना जा रहा है।खामेनेई ईरान की राजनीति, धार्मिक नेतृत्व और सैन्य रणनीति के केंद्र में रहे थे। उनकी मृत्यु केवल एक नेता की मृत्यु नहीं बल्कि ईरान की राजनीतिक संरचना में एक बड़े परिवर्तन का संकेत भी है।खामेनेई की मौत के बाद ईरान के भीतर सत्ता संरचना को स्थिर बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ईरान का संविधान सर्वोच्च नेता के चयन की प्रक्रिया को स्पष्ट रूप से निर्धारित करता है,जिसके तहत 88 सदस्यीय विशेषज्ञ परिषद नए नेता का चयन करती है। यह परिषद धार्मिक विद्वानों और वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं से मिलकर बनी होती है। इस परिषद का निर्णय केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि राजनीतिक और सैन्य दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।खामेनेई की मौत के बाद इस परिषद ने नए सर्वोच्च नेता के चयन की प्रक्रिया को तेज कर दिया है।किंतु इस बीचइजरायल की ओर से यह चेतावनी दी गई है कि जो भी व्यक्ति ईरान के नए सर्वोच्च नेता के रूप में उभरेगा या चयन प्रक्रिया में शामिल होगा, उसे भी निशाना बनाया जा सकता है। यह बयान क्षेत्रीय तनाव को और अधिक भड़काने वाला माना जा रहा है।

साथियों बात अगर हम ईरान की चेतावनी व ट्रंप कीप्रतिक्रिया और अमेरिकी रणनीति को समझने की करें तो, सर्वप्रथम ईरान के एक प्रमुख नेता ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को सीधे चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें उनके कार्यों की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ट्रंप को कभी अकेला नहीं छोड़ेगा और उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगा। यह बयान केवल व्यक्तिगत धमकी नहीं बल्कि एक व्यापक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है कि ईरान इस संघर्ष को दीर्घकालिक प्रतिशोध के रूप में देख रहा है।ईरान के भीतर यह धारणा मजबूत हो रही है कि अमेरिका और इजरायल ने मिलकर उसके सर्वोच्च नेता को निशाना बनाया है। इस कारण वहां जनता और सैन्य नेतृत्व के बीच प्रतिशोध की भावना और भी अधिक तीव्र हो गई है। इन धमकियों पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अत्यंत कठोर प्रतिक्रिया दी है, ट्रंप का यह बयान अमेरिकी रणनीति को स्पष्ट करता है।अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रभाव को सीमित करने की नीति अपनाता रहा है। अमेरिकी प्रशासन का मानना है कि यदि ईरान को अभी नहीं रोका गया तो वह मध्य-पूर्व में अपनी सैन्य और राजनीतिक ताकत को इतना मजबूत बना सकता है कि भविष्य में उसे नियंत्रित करना कठिन हो जाएगा।इसी कारण अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर कई सैन्य अभियानों को अंजाम दिया है,जिनका उद्देश्य ईरान की सैन्य क्षमताओं और उसके परमाणु कार्यक्रम को सटीक रूप से कमजोर करना बताया जाता है। साथियों बात अगर हम इस्लामिक देशों और वैश्विक प्रतिक्रिया को समझने की करें तो ईरान के खिलाफ हुए हमलों और खामेनेई की मौत के बाद कई इस्लामिक देशों में तीखी प्रतिक्रियाएँ देखने को मिल रही हैं। कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं और अमेरिका तथा इजरायल के खिलाफ नाराजगी बढ़ती दिखाई दे रही है।यदि यह विरोध व्यापक राजनीतिक आंदोलन में बदलता है तो इससे कई देशों की आंतरिक राजनीति भी प्रभावित हो सकती है। साथ ही इससे वैश्विक स्तर पर अमेरिका और उसकेसहयोगियों के प्रति असंतोष बढ़ सकता है।

साथियों बात अगर हम मध्य- पूर्व में बढ़ती सैन्य गतिविधियों को समझने की करें तो,हाल के दिनों में तेहरान के पास स्थित तेल उत्पादन और प्रसंस्करण इकाइयों पर मिसाइल हमले इस संघर्ष के सैन्य आयाम को और अधिक स्पष्ट करते हैं। इन हमलों से ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है,जो उसकीअर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमला केवल सैन्य रणनीति नहीं बल्कि आर्थिक दबाव बनाने का भी प्रयास होता है।यदि ईरान की ऊर्जा उत्पादन क्षमता प्रभावित होती है तो उसकी अर्थव्यवस्था कमजोर होगी और युद्ध जारी रखने की उसकी क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।हालांकि ऐसे हमले वैश्विक ऊर्जा बाजारों को भी प्रभावित कर सकते हैं क्योंकि मध्य -पूर्व विश्व के सबसे बड़े तेल उत्पादक क्षेत्रों में से एक है।ईरान के प्रधानमंत्री लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि ईरान इजरायल के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा है।ईरान का आरोप है कि ईरान क्षेत्र में कई सशस्त्र संगठनों को समर्थन देता है, जिनमें लेबनान का हिजबुल्लाह और गाजा के कई संगठन शामिल हैं।ईरान का मानना है कि यदि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने में सफल हो जाता है तो यह पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डाल देगा। मध्य-पूर्व लंबे समय से भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और वैचारिक संघर्ष का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र में ऊर्जा संसाधनों की प्रचुरता, धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता और वैश्विक शक्तियों के रणनीतिक हितों ने इसे लगातार संघर्षों का मैदान बनाया है।ईरान और इजरायल के बीच दशकों से चली आ रही शत्रुता इस संघर्ष की प्रमुख धुरी है।ईरान स्वयं को इस्लामी क्रांति का प्रतिनिधि मानता है और पश्चिमी प्रभाव का विरोध करता रहा है, जबकि इजरायल अपने अस्तित्व और सुरक्षा कोसर्वोपरि मानते हुए, किसी भी संभावित खतरे को समाप्त करने की नीति अपनाता रहा है।अमेरिका का इस समीकरण में प्रवेश इस पूरे संकट को और अधिक जटिल बना देता है। अमेरिका लंबे समय से इजरायल का रणनीतिक सहयोगी रहा है और मध्य-पूर्व में उसकी सैन्य तथा राजनीतिक उपस्थिति अत्यंत प्रभावशाली रही है। परिणाम स्वरूप जब भी ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ता है, अमेरिका अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से इसमें शामिल हो जाता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मध्य-पूर्व में उभरता यह संघर्ष केवल तीन देशों के बीच की लड़ाई नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति- राजनीति का प्रतिबिंब है। ईरान, इजराइल और यूनाइटेड स्टेट्स के बीच बढ़ता टकराव दुनिया को उस मोड़ पर ले जा सकता है जहाँ से वापस लौटना कठिन हो जाए।खामेनेई की मौत, ईरान की प्रतिशोध की चेतावनी,ट्रंप की कठोर प्रतिक्रिया और इजरायल की आक्रामक रणनीति,ये सभी घटनाएँ मिल

देश के 6 बड़े बैंकों ने एफडी रेट्स में बदलाव किया

मुंबई। एजेंसी। देश के छह बड़े बैंकों ने 6 मार्च से फिक्स डिपाजिट की ब्याज दरों में बदलाव किया है। एचडीएफसी बैंक ने 6 मार्च 2026 से नई एफडी दरें लागू की हैं। सामान्य ग्राहकों के लिए ब्याज दरें 2.75 से 6.50 फीसदी तक हैं, जबकि सीनियर सिटीजन 3.25 से 7 फीसदी तक ब्याज पा सकते हैं। खास बात यह है कि 3 साल 1 दिन से 4 साल 7 महीने की अवधि वाली एफडी पर बैंक ने 6.50 फीसदी ब्याज दर लागू की है। कुछ अन्य पीरियड में दरों में कटौती भी की गई है। यश बैंक ने 5 मार्च से 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर नई दरें लागू की हैं। सामान्य ग्राहकों के लिए यह 3.25 से 7 फीसदी और सीनियर सिटीजन के लिए 3.75 से 7.75 फीसदी तक है। सबसे अधिक रिटर्न 36 महीने के कम और 60 महीने से कम की अवधि वाली एफडी पर मिलता है। बंधन बैंक में सामान्य ग्राहकों को 2.95 से 7.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 3.70 से 7.75 फीसदी तक ब्याज मिलेगा। इंडियन बैंक की स्पेशल 300 दिन की एफडी योजना में सामान्य ग्राहक 7.05 और सीनियर सिटीजन 7.55 फीसदी तक रिटर्न पा सकते हैं। सर्वोदय स्मॉल फायनेंस बैंक में 5 साल की एफडी पर सामान्य ग्राहकों को 7.90 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 8.10 फीसदी तक ब्याज मिलता है। इक्विटास स्मॉल फायनेंस बैंक में भी सीनियर सिटीजन 8 फीसदी तक कमा सकते हैं, जबकि सामान्य ग्राहकों के लिए दरें 3.50 से 7.40 फीसदी के बीच हैं।

वैश्विक अस्थिरता के कारण घबराने की जरूरत नहीं- सेबी चेयरमैन

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने निवेशकों से कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और वैश्विक अस्थिरता के कारण घबराने की जरूरत नहीं है। पांडेय ने बताया कि युद्ध के कारण प्रमुख समुद्री मार्गों में व्यवधान और तेल-गैस की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव आया है। उन्होंने जोर दिया कि भारत के घरेलू फंडामेंटल मजबूत हैं, जो निवेशकों को स्थिरता प्रदान कर रहे हैं। उनका संदेश था कि इस समय निवेशकों को शांत रहकर दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। पांडेय ने कहा कि निफ्टी 50 सूचकांक ने लगभग 11 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि वृद्धि दर्ज की है और इसकी शुरुआत से अब तक लगभग 25 गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान में 40 से अधिक एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) निफ्टी 50 को ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों के लिए शेयर बाजार में भागीदारी आसान और किफायती हो गई है। उन्होंने कहा कि निफ्टी 50 अब कॉरपोरेट इंडिया का दर्पण, निवेशक भावना का बैरोमीटर और बाजार की दिशा का मार्गदर्शक बन चुका है। पांडेय ने बताया कि भारत की अगली पीढ़ी की कंपनियां आज के शुरुआती उद्योगों से उभरेंगी। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था बढ़ेगी और वैश्विक वित्तीय प्रणालियों से जुड़ाव बढ़ेगा, बाजार बड़े, जटिल और नए अवसरों से भरपूर होंगे। इससे निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा होंगे और उन्हें नई जिम्मेदारियां भी निभानी होंगी। एनएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक्सचेंज इस महीने निवेशक बैंकरों की नियुक्ति कर अपनी बहुप्रतीक्षित आईपीओ की तैयारी कर रहा है। सेबी ने कम फ्लोट के साथ आईपीओ की अनुमति दे दी है, जिससे संभावित देरी का समाधान हो गया।

पंजाब में कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर अस्थायी रोक

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब भारत में रसोई गैस और कमर्शियल गैस की सप्लाई पर दिखाई देने लगा है। गैस निर्यात करने वाले देशों से आने वाली खेप में देरी हो रही है, जिसके कारण भारतीय बंदरगाहों पर गैस की डिलीवरी धीमी पड़ गई है। हालात को देखते हुए सरकार और सरकारी तेल कंपनियां फिलहाल घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दे रही हैं। इसी के तहत पंजाब में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई है। इसमें 19 किलो, 47.5 किलो और 425 किलो के बड़े सिलेंडर शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल आमतौर पर होटल, रेस्टोरेंट और उद्योगों में किया जाता है। साथ ही गैस एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि ग्राहक 25 दिन पूरे होने से पहले नया सिलेंडर बुक न करें। गैस की कमी का असर कुछ शहरों में भी देखने को मिला है। पुणे में गैस से चलने वाले शवदाह गृहों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है, क्योंकि प्रोपेन और ब्यूटेन जैसी गैसों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तनाव बना हुआ है। डोनाल्ड ट्रम्प ने प्लोरिडा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि सैन्य अभियान जल्द समाप्त हो सकता है, लेकिन उन्होंने इसकी कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर उसने स्ट्रेट आफ होर्मुज से तेल की आवाजाही रोकी तो अमेरिका कड़ी सैन्य कार्रवाई करेगा। उधर ईरान के अधिकारियों का कहना है कि युद्धविराम तभी संभव है जब देश पर आगे कोई हमला न हो। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार जारी हमलों में अब तक 1,255 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 200 बच्चे और 11 स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर बुकिंग नियम बदले, अब 25 दिन बाद ही होगा रीफिल

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की री-फिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब उपभोक्ता एक सिलेंडर की डिलीवरी के बाद दूसरा सिलेंडर 21 दिन की बजाय कम से कम 25 दिन बाद ही बुक कर सकेंगे। सरकार का कहना है कि यह कदम सिलेंडरों की जमाखोरी और अनावश्यक बुकिंग को रोकने के लिए उठाया गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार पहले अधिकांश उपभोक्ता लगभग 50 से 55 दिनों में एक सिलेंडर बुक करते थे, लेकिन हाल के दिनों में कुछ लोग 15 से 20 दिन के भीतर ही दोबारा बुकिंग करने लगे थे। इससे अचानक मांग बढ़ने लगी थी और सप्लाई व्यवस्था पर दबाव पड़ रहा था। इधर मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान, इजरायल तथा अमेरिका के बीच जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर भी चिंता बढ़ी है। इसी बीच देश की प्रमुख गैस कंपनियों ने कई जगहों पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई सीमित या अस्थायी रूप से रोक दी है। 5, 19 और 425 किलोग्राम के जंबो कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने से होटल, रेस्टोरेंट और कई औद्योगिक इकाइयों में भी संकट की आशंका जताई जा रही है। हालांकि सरकार ने भरोसा दिलाया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर जारी रहेगी।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से ईरान से जुड़े संघर्ष के जल्द समाप्त होने की संभावना वाले बयान के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 639.82 अंक बढ़कर 78,205.98 । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 233.55 उछलकर 24,261.60 के स्तर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला। ब्रेंट क्रूड करीब 5 फीसदी से अधिक गिरकर लगभग 93.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले यह तीन साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया था जिससे बाजार नीचे आया था। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि तेल की कीमतों में एक ही दिन में आये अंतर से साफ है कि पश्चिम एशिया में तेजी से हालात बदल रहे हैं। सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयर तेजी के साथ बंद



हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.67 फीसदी तेजी। इसी तरह इंडिगो, एशियन पेंट्स और मारुति के शेयर भी दो फीसदी से अधिक चढ़ गए। दूसरी ओर इन्फोसिस, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में गिरावट रही। ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.62 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 2.12 फीसदी तेजी आई। निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी रही। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में भी तेजी आई पर लेकिन निफ्टी आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी ऑयल एंड गैस भी गिरावट के साथ बंद हुआ। आज एशियाई बाजारों में भी बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 5 फीसदी जबकि जापान का निक्केई 2.5 फीसदी उछला। वहीं चीन के शंघाई कंपोजिट और हांगकांग के हैंग सेंग में भी बढ़त रही। अमेरिकी बाजारों में भी पिछले सत्र में मजबूती रही इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स मजबूती के साथ 78,375 अंक पर खुला। इससे पहले सोमवार को यह 77,566 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी 50 भी बढ़त के साथ खुला।

फरवरी में बीमा सेक्टर में तेजी, प्राइवेट कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी। फरवरी 2026 में बीमा सेक्टर में मजबूत तेजी देखने को मिली है। प्रीमियम कलेक्शन में बढ़ोतरी के साथ प्राइवेट बीमा कंपनियों ने बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार फरवरी में बीमा उद्योग का रिटेल एनुअल प्रीमियम इक्विवेलेंट (एपीई) सालाना आधार पर करीब 20.9 फीसदी बढ़ा। रिपोर्ट के मुताबिक इस वृद्धि में सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन आफ इंडिया का रिटेल एपीई 22.8 फीसदी बढ़ा, जबकि प्राइवेट बीमा कंपनियों की ग्रोथ लगभग 20.2 फीसदी रही। हालांकि रिटेल सेगमेंट में प्राइवेट कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 72.5 फीसदी हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 165 बेसिस प्वाइंट ज्यादा है। कंपनियों के प्रदर्शन की बात करें तो मैक्स फायनेंशियल सर्विसेज ने फरवरी में करीब 28 फीसदी की सालाना बढ़त दर्ज करते हुए सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। इसके बाद एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई 16.2 फीसदी बढ़कर 13.7 अरब रुपये हो गया। कंपनी का कुल एपीई 18.3 फीसदी बढ़ा और बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 17.7 फीसदी तक पहुंच गई। वहीं एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई 12.1 फीसदी बढ़कर 13.4 अरब रुपये हो गया और कंपनी की बाजार हिस्सेदारी करीब 10.9 फीसदी पर स्थिर रही। दूसरी ओर आईसीआईसीआई फ्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस का रिटेल एपीई लगभग 9.8 फीसदी बढ़ा। छोटे आधार पर केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस ने करीब 61 फीसदी की मजबूत सालाना वृद्धि दर्ज की।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए बनाई समिति

नई दिल्ली। एजेंसी। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत होने की वजह से होटल और रेस्तरां उद्योग में चिंता बढ़ने के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने आपूर्ति से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की है। मंत्रालय ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रेस्तरां, होटलों और अन्य उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति से संबंधित मांगों की समीक्षा के लिए तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के तीन कार्यकारी निदेशकों की एक समिति बनाई गई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति शृंखला पर बड़ा असर पड़ा है। ऐसे हालात में सरकार ने घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है, जिससे बाजार मूल्य वाले वाणिज्यिक एलपीजी का उपयोग करने वाले होटल एवं रेस्तरां को आपूर्ति संकट का सामना करना पड़ रहा है। भारत में सालाना करीब 3.13 करोड़ टन एलपीजी की खपत होती है। इसमें लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा घरेलू रसोई गैस का है जबकि बाकी का उपयोग होटल, रेस्तरां और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में होता है। देश की कुल एलपीजी जरूरत का करीब 62 प्रतिशत आयात से पूरा होता है। ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल के संयुक्त हमले और फिर ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल एवं गैस आयात प्रभावित हुआ है। इसी मार्ग से भारत को सऊदी अरब जैसे देशों से एलपीजी आयात का 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा मिलता है। सरकार इस समय वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत की तलाश कर रही है, लेकिन सीमित उपलब्धता के कारण घरेलू क्षेत्र को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे वाणिज्यिक प्रतिष्ठान प्रभावित हो रहे हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार इस आपूर्ति बाधा का असर मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में दिखने लगा है, जहां होटल और रेस्तरां को रसोई गैस उपलब्ध कराने में मुश्किल हो रही है।

आज का राशिफल



मेष- आज का दिन आपके लिए थोड़ा उलझनों भरा रह सकता है। किसी काम को लेकर आपके मन में संशय या असमंजस बना रह सकता है, इसलिए यदि किसी निर्णय को लेकर मन पूरी तरह तैयार न हो तो जल्दबाजी में कदम उठाने से बचें। आपका मनमौजी स्वभाव भी कभी-कभी आपको परेशानी में डाल सकता है, इसलिए आज थोड़ा संयम रखना बेहतर रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए हल्का-फुल्का और आनंदमय रहने वाला है। परिवार के साथ समय बिताने का अच्छा मौका मिलेगा और यदि घर में किसी बात को लेकर समस्याएं चल रही थीं, तो मिल-बैठकर उनका समाधान भी निकल सकता है। आप अपने किसी करीबी साथी या सहयोगी के साथ भविष्य की नई योजनाओं पर चर्चा कर सकते हैं।

मिथुन- आज आपको वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है, क्योंकि किसी अचानक खराबी के कारण आपका अतिरिक्त खर्च बढ़ सकता है। दिन के दौरान आप परिवार या दोस्तों के साथ कहीं घूमने या पिकनिक पर जाने की योजना भी बना सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है, क्योंकि उन्हें किसी खेल प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। आज आपका मन अपनी पसंद की चीजें खरीदने में लगेगा और शौक-मौज पर खर्च भी थोड़ा बढ़ सकता है।

कर्क- आज आपके और आपके पिताजी के बीच किसी बात को लेकर हल्की नोकझोंक हो सकती है, खासकर यदि बात व्यवसाय या कामकाज से जुड़ी हो। वे आपको कुछ सलाह दे सकते हैं, जिसे समझदारी से सुनना आपके लिए लाभदायक रहेगा। आप अपने घर में कोई नया काम शुरू करने की योजना भी बना सकते हैं और इसके लिए लोन या आर्थिक सहायता लेने का विचार भी कर सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में शामिल होने का संकेत दे रहा है। पूजा-पाठ या किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होकर आपको मानसिक शांति मिलेगी। हालांकि परिवार के किसी सदस्य की कोई बात आपको थोड़ी बुरी लग सकती है, इसलिए भावनाओं पर नियंत्रण रखना जरूरी रहेगा।

कन्या- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है। उन्हें किसी नई जगह सीखने या काम करने का अवसर मिल सकता है, जिससे उनका अनुभव बढ़ेगा। आज आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सीख लेकर आगे बढ़ने की जरूरत होगी। जीवनसाथी की करियर में कोई अच्छा लाभ मिल सकता है, जिससे घर का माहौल भी खुशहाल रहेगा। यदि आप निवेश करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी से किया गया निवेश भविष्य में आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी, जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है। आप कहीं बाहर जाने या छोटी यात्रा की योजना भी बना सकते हैं। जो लोग विदेश से जुड़े व्यापार में हैं, उन्हें कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है।

वृश्चिक- आज का दिन सामान्य रूप से ठीक-ठाक रहने वाला है। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय को लेते समय आपको अपनी बुद्धि और समझदारी का पूरा उपयोग करना होगा। रचनात्मक और नए विचारों वाले कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। दिनभर की भागदौड़ के कारण आपको थकान महसूस हो सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आने वाला है। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेकर आगे बढ़ना होगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपके खिलाफ षड्यंत्र भी रच सकते हैं, इसलिए आज आपको पूरी सतर्कता के साथ काम करना चाहिए।

मकर- आज का दिन आपको मेहनत और लगन से काम करने की प्रेरणा देगा। जीवनसाथी की ओर से आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है, जो आपके चेहरे पर मुस्कान ला देगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम से बॉस को प्रभावित करेंगे और संभव है कि वे भविष्य में आपके प्रमोशन के बारे में भी विचार करें।

कुंभ- आज आपको अपने बढ़ते हुए खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखने की जरूरत होगी। आपका मन खर्च करने में खुला रह सकता है, जिससे बजट बिगड़ने की संभावना है। जो लोग नया घर या मकान खरीदने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अपनी आय और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर ही फैसला लेना चाहिए। परिवार से जुड़े मामलों को आप आपसी बातचीत से सुलझाने की कोशिश करें। यदि मन में कोई चिंता है, तो आप अपने पिताजी से सलाह ले सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपको हर निर्णय सोच-समझकर लेने की सलाह देता है। कार्यक्षेत्र में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से बचें, क्योंकि इससे गलती होने की संभावना बढ़ सकती है। आपको अपनी बात बहुत सोच-समझकर बोलनी होगी, क्योंकि आपकी कोई बात बॉस को बुरी लग सकती है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और आप उन्हें कहीं घूमने या पिकनिक पर ले जाने की योजना बना सकते हैं।

शब्दजाल - 8194

आ	धा	र	शि	ला	का	धि	का	र	प	गो				
धा	म	क	म	इं	डे	बा	ग	ति	मा	ला				
र	दा	ने	ला	मा	ग	जा	द	अ	शां	ति				
सि	ग	ल	सा	जा	न	र	ध	प	लि	अ				
त	अ	र	म	न	मे	ह	मा	न	ञि					
अ	ना	का	र	व	ने	क	त	न	र	प				
ग	मा	ल	मा	व	अ	ला	र	मा	न	री				
र	बे	मि	सा	ल	प	स	अं	ल	धि	शा				
क	जु	बा	अ	लं	का	र	गू	न	जू	दे				
र	बा	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श				
बां	न	ल	प	ब	गा	व	त	प	र	र				

शब्द जाल में 1982 में प्रदर्शित 10 फिल्मों के नाम हूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

आमने सामने, अंगूर, अशांति, बाजार, आधारशिला,अग्नि परीक्षा,अपमान, बगावत, बेमिसाल, बेजुबान

शब्दजाल - 8193 का हल

म	अ	ब	ला	ब	व	आ	खि	र	ज	ल	सि			
य	वि	ती	प्रे	क	ब्या	स	न	ज	क	ल				
बु	मे	ष	दु	ही	ह	छ	वि	ब	व	दृ	जि			
जी	व	न	वि	ला	स	ता	ह	ला	ल	ष	व			
अ	मी	ल	न	मे	रो	न	ज	व	खु	ब				
व	त	न	घ	ज	क	ली	ग	न	द	र				
द	ता	जी	मे	न	र	मे	ब	ग	स					
क	रु	ई	ल	की	ज	क	ष	चो	ल					
य	मे	र	स	ज	म	सी	रा	अ						
क	जी	त	व	ने	जी	कु	मा	र	प	द				
खि	ला	डी	की	क	त	र	ने	ता	म					

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

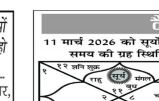

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.28 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	07.58 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.38 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.37 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.50 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.06 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.18 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.29 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.43 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		धनु	00.59 बजे से
		मकर	03.05 बजे से
		कुंभ	04.51 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक		उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक	
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक		शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक	
काल	08.15 से	10.19 बजे तक		अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक	
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक		चर	10.16 से	11.47 बजे तक	
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक		रोग	11.47 से	01.19 बजे तक	
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक		काल	01.19 से	02.51 बजे तक	
चर	02.44 से	04.12 बजे तक		लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक		उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभमुहूर्त- शुभलग्न श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय को ध्यान रखे जिन्हे के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7138

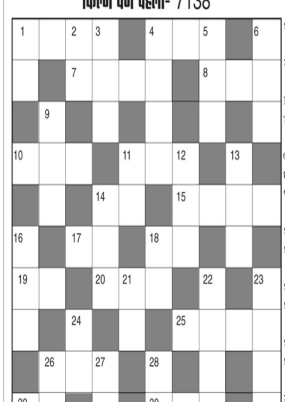

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरुद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नातानासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'याशा ओ याशा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैला हैला बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सगी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मैं तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था हेजा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों की सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'तेरा भी मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'सडे की गल थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, विंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-३
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अज़ाद वासी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दरमियानियां' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेंद्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7137

दी	वा	ने		फू	ल	औ	र	कां	टे					
वा		ह	सि	ल		जा		टे						
र	न		फ	शे	र	नी		जु						
सी		तु	म			ये	ती	म						
श	ब	न	म		स	पू	त		रू					
त		सिं		जु		सिं		तु						
र	स	ह	ली		मा	ई	ल	व						
ज	ख	म		ज		म		र						
म	ज	म	ह	ल		न		दा						
ली	न		म	ख	ली		डॉ	न						

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सोच का फर्क

जू तों की एक प्रसिद्ध कंपनी ने विदेश में अपना कारोबार फैलाने की योजना बनाई। इसके लिए मालिक ने अपनी कंपनी के एक सेल्समैन को पड़ोस के एक देश में जूतों के इस्तेमाल का जायजा लेने भेजा। सेल्समैन उस देश में जगह-जगह घूमा और उसने वहां हर बीज के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल की। फिर वह वापस स्वदेश लौटकर आया और कंपनी के मालिक से बोला, 'मैंने वहां जगह-जगह घूम कर हर घीज का बारीकी से मुआयना किया और अंत में इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि वहां पर जूते की कंपनी खोलने के बारे में सोचना भी बेकार है क्योंकि वहां तो लोग जूते पहनते ही नहीं हैं।अब भला जो जूतों के बारे में जानते ही न हों वे उसकी खरीदारी कैसे करेंगे?' मालिक ने इस पर कुछ नहीं कहा और दूसरे सेल्समैन को भी यही पता करने भेजा। दूसरा सेल्समैन तत्काल वला गया। उसने वहां से लौटकर अपने मालिक से कहा, 'बहुत ही अच्छी खबर है। वहां हमारा व्यापार बहुत अच्छी तरह जम जाएगा क्योंकि वहां के लोग जूते नहीं पहनते। वस एक बार हमें उन्हें जूतों का महत्व समझाना होगा। जब सभी लोग जूतों के महत्व को समझ जाएंगे तो वे इन्हें जरूर खरीदना चाहेंगे।ऐसे में हमारी कंपनी को वहां बहुत लाभ होगा। इसके बाद हमारी कंपनी वहां स्थायी रूप से स्थापित हो सकती है।' मालिक ने तुरंत वहां कंपनी खोली और उस सेल्समैन को वहां का मैनेजर बना दिया और कहा, 'दुनिया सकारात्मक सोच से आगे बढ़ती है। सकारात्मक सोच वाला ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है।'

सूडोकु नवताल- 7447

कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7446 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 8662



बाएँ से दाएँ

1. ध्वज,पताका-2
4. वहम,संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली,रिक्त-2
9. रसूल,अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय,बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना, महीन करना-3
20. उ

रमज़ान उल मुबारक का आखरी अशरा शुरू

आखरी अशरे में छुपी होती है शब ए कद्र की चमत्कारी रात

पद्मेश न्यूज। लांजी।



हर साल मुसलमान इस्लामी कैलेंडर के नौवें महीने में रोजे रखते हैं. रमजान के महीने का रोजा इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक माना जाता है. इस साल रमजान की शुरुआत चांद की तारीख के हिसाब से 18 फरवरी से हो चुकी है. जो मुसलमान शारीरिक रूप से सक्षम हैं, उन्हें पूरे महीने के रोजे रखने चाहिए, रमजान का महीना चांद दिखने के आधार पर 29 से 30 दिनों तक चलता है. इस्लामिक मान्यता के अनुसार, अल्लाह ने रमजान ए पाक के महीने को तीन भागों में बांटा है, जिन्हें रमजान के 'अशरा' के रूप में जाना जाता है। इस महीने का तीसरा अशरा 20वें रोजे की मगरिब से शुरू होता है, जो ईद का चांद दिखाई देने तक जारी रहता है। इसमें इबादत करने से जहन्नुम से आजादी मिलती है। अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर रफीक शेख ने बयान करते हुए कहा कि रमजान-पाक को तीन अशरों में बांटा गया है। दूसरा अशरा मुकम्मल हो रहा है। तीसरे अशरे की शुरूआत के साथ ही मस्जिदों और घरों में एतकाफ का सिलसिला शुरू हो जाएगा। रमजान में 20वें रोजे के मगरिब से शुरू होकर चांद रात तक मस्जिद में रहकर अल्लाह की इबादत करने को एतकाफ कहा जाता है। तीसरे अशरे की ताक रातों में शब-ए-कद्र भी आएगी। इसी अशरे की 21, 23, 25, 27 और 29वीं रात शब कद्र की पाक रात है। उन्होंने कहा शबे कद्र की रात को हजार महीने की रातों के बराबर बताया गया है। लेकिन वह कौन सी रात है, किस रात को कुरान शरीफ नाजिल हुआ, यह किसी को मालूम नहीं है। इसलिए रोजेदार इन पांच रात को जागकर अल्लाह रब्बुल इज्जत की इबादत करते हैं। रमजान के तीसरे अशरे में ही फितरा और जकात भी अदा की जाती है, जिससे ईद की नमाज गरीब लोग भी खुशी से अदा कर सकें।

रमजान का पहला अशरा-रहमत

अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर रफीक शेख ने बताया कि रमजान के पहले दस दिन रहमत और बरकत के दिन हैं और हर मुसलमान को अल्लाह से रहमत और बरकत के लिए दुआ करनी चाहिए।

रमजान का दूसरा अशरा- मगफिरत

रमजान के दूसरे दस दिन 11वें दिन से 20वें दिन तक मगफिरत का अशरा होता है. इस अशरे में मुसलमानों को अल्लाह से माफी मांगनी चाहिए और अपनी सभी गलतियों पर पछताना चाहिए, इस महीने में अल्लाह सभी मुस्लिमों के गुनाह को माफ कर देता है।

रमजान का तीसरा अशरा- सलामती, निजात

तीसरा अशरा रमजान की 21वीं तारीख से शुरू होता है और चांद के मुताबिक 29वीं या 30वीं तारीख को पूरा होता है. तीसरा अशरा जहन्नम से निजात के लिए जाना जाता है. हर मुसलमान को इस अशरे में जहन्नुम की आग से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा दुआ करनी चाहिए, आखिरी अशरा बहुत अहम और अव्वल है। इस अशरे में, चमत्कारी रात लैलतुल कद्र भी आती है, और कई मुसलमान इस अशरे में एतकाफ़ भी करते हैं और अपनी दुआओं को ज्यादा करने की कोशिश करते हैं।

रमजान के आखरी अशरे में छुपी होती है शब ए कद्र की रात - सदर रफीक शेख

अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सदर रफीक शेख ने चर्चा के दौरान बताया कि रमजान उल मुबारक के आखरी अशरा आज से प्रारंभ हो रहा है इस अशरे को जहन्नुम की आग से निजात पाने का अशरा भी कहा जाता है। इस मुबारक अशरे की ताक रात यानी 21,23,25 और 27 रमजान की तारीख की रात में शब ए कद्र छुपी होती है। जिसे ढूंढकर उसमें इबादत करने से सवाब कई गुना बढ़ जाता है। शब ए कद्र की रात हजारों सालों की रातों से अफजल बताई गई है।

अहीर यादव समाज ब्लॉक लांजी में न्याय समिति का गठन

पद्मेश न्यूज। लांजी। अहीर यादव समाज ने सामाजिक सुधार और उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 8 मार्च 2026 को ग्राम बोलेगांव के श्री कृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित एक बैठक में समाज की न्याय समिति का गठन किया गया। इस समिति के अध्यक्ष सर्वसम्मति से अमरचंद करसायल को मनोनीत किया गया। समिति में अन्य प्रमुख सदस्यों में गणेश यादव (शिक्षक), छोटन बघाड़े, संतोष बैस (सचिव), कुमार भाईसारे, जयमन रक्शे, युवा ब्लॉक अध्यक्ष रोशन यादव शामिल हैं। बैठक में विभिन्न ग्रामों से पहुंचे समाज के लोगों ने सक्रिय भागीदारी की और कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। जिसमें नशे के बढ़ते प्रकोप को रोकने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता युवा पीढ़ी को गलत संगत से बचाकर सही मार्गदर्शन प्रदान करना, उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में योगदान देना। अंतिम संस्कार में कफन के रूप में अत्यधिक कपड़े लाने की प्रथा बंद करना। इसके बजाय दुखी परिवार को उनकी इच्छानुसार नगद राशि प्रदान की जाए। मृत्यु भोज को पूर्णतः बंद करना। शादी-विवाह में अहेर प्रथा (दहेज या फिजूल खर्ची) को समाप्त कर सादगीपूर्ण विवाह संपन्न करना, जिससे आर्थिक संकट से समाज को बचाया जा सके। विवाह समारोह रात्रि 10 बजे तक समाप्त करने का नियम, ताकि अनहोनी से बचा जा सके। मुख्य रूप से प्रस्तावों पर चर्चा की गई और उन्हें अपनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक सशक्त और जागरूक समाज के निर्माण के लिए शपथ ली। समाज के युवा वर्ग को अधिक से अधिक जोड़ने पर जोर दिया गया। आगामी कार्यक्रम- 31 मार्च 2026 को बालाघाट में जिला सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। ब्लॉक लांजी की ओर से सभी सदस्यों को इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की गई है। बैठक में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से कमलेश रक्शे, निखिल राऊत, बंटी करायत, देवा रक्शे, होमेश्वर भाईसारे, दिनेश रक्शे, ओमप्रकाश भास्कर, सुनील राऊत, धेंडुलाल बघेले, झिन्गरलाल रक्शे, मूलचंद नागेश्वर, राम बघाड़े, शिव बघाड़े, रिखिराम बघाड़े, सुरेश करायत, मोतीलाल नागेश्वर, पोषण लाल रक्शे, इंद्रकुमार रक्शे, राजे रक्शे, जगन्नाथ भैसकर, लक्ष्मीचंद करसायल, घनश्याम राऊत आदि शामिल रहे।



लांजी में आरटीआई का बड़ा असर- जानकारी छुपाने पर पंचायत सचिव पर जुर्माना

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकासखंड लांजी से एक प्रभावशाली मामला सामने आया है, जहां सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी नहीं देने पर मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। मामला जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत ग्राम पंचायत टेमनी से जुड़ा है। अपीलकर्ता चन्द्रेश मात्रे ने 10 जनवरी 2023 को आरटीआई के तहत सामुदायिक स्वच्छता परिसर निर्माण कार्य से जुड़े दस्तावेजों की जानकारी मांगी थी। लेकिन निर्धारित समय सीमा के भीतर जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। मामले की सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि तत्कालीन लोक सूचना अधिकारी एवं सचिव द्वारा न तो समय पर जानकारी दी गई और न ही प्रथम अपील के आदेश का पालन किया गया। इसे सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 7 और 19(1) का उल्लंघन माना गया। मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग ने इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए तत्कालीन लोक सूचना अधिकारी एवं पंचायत सचिव चुनेन्द्र मरठे पर 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। आयोग ने आदेश दिया है कि यह राशि एक माह के भीतर राज्य सूचना आयोग भोपाल में जमा की जाए। साथ ही आदेश के पालन की रिपोर्ट 16 अप्रैल 2026 को आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इस कार्रवाई के बाद जिले में आरटीआई को लेकर प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

पिता ने बेटे को शराब पीने से मना किया तो मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। लांजी। पुलिस थाना लांजी के अंतर्गत ग्राम दिघोरी में एक पारिवारिक विवाद सामने आया है। जिसमें 55 वर्षीय किसान चोवानाथ पिता फतेराम बनोटे ने अपने बेटे मनीष बनोटे के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराया कि बेटे को शराब पीने से रोकने पर बांस की लकड़ी से मारपीट की और माँ-बहन की गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता ग्राम दिघोरी निवासी चोवानाथ बनोटे ने बताया कि 10 मार्च को सुबह करीब 11:30 बजे जब वे खेत से लौटे तो बहू ने बताया कि मनीष घर में शराब पी रहा है। पिता ने बेटे को घर में शराब पीने से मना किया तो मनीष गुस्से में आ गया। उसने पिता को अभद्र भाषा एवं अश्लील गालियां देते हुए बांस की लकड़ी से मारपीट की और कहा कि दोबारा शराब पीने से मना किया तो जान से मारने की धमकी दी। पुलिस थाना लांजी पहुंचकर पार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 68/2026 धारा 296 बी, 115(2), 351(3) बीएनएस के तहत मामला कायम कर विवेचना में लिया गया।

दिव्यांग जन कल्याण संघ ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

सृष्टि बिसेन को किया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम पंचायत भानेगांव में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का समारोह दिव्यांग जन कल्याण संघ और ग्राम पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज में उत्कृष्ट योगदान के लिए कु. सृष्टि अशोक बिसेन को प्रतिष्ठित दिव्य ज्योति पुरस्कार 2026 प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान संघ के अध्यक्ष तन्मय जगदीश मिश्रा द्वारा यह पुरस्कार कु. सृष्टि बिसेन को प्रदान किया गया उल्लेखनीय है कि यह द्वितीय श्रेणी का पुरस्कार तन्मय मिश्रा की दिवंगत माता स्व. श्रीमती ज्योति मिश्रा की स्मृति में दिया जाता है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2024 में हुई थी। सृष्टि बिसेन इस सम्मान को प्राप्त करने वाली तीसरी गणमान्य नागरिक हैं। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती विनीता पाराशर सरपंच, ग्राम पंचायत हिर्रे द्वारा दीप प्रज्वलन उपरांत परंपरा अनुसार विधि पूर्वक कन्या पूजन कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। इस भव्य आयोजन में क्षेत्र के 38 महिला स्व-सहायता समूहों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस गरिमामय समारोह में समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम के सरपंच राम ठाकरे का विशेष योगदान रहा। मंच पर मुख्य अतिथि श्रीमती विनीता पाराशर के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में रेवाजी करहाटकर (सभापति, महिला एवं बाल विकास), सेवानिवृत्त नर्स श्रीमती केशर उरकुडे, श्रीमती मालती ठाकरे और श्रीमती पायल राम ठाकरे को संघ की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। साथ ही संघ के प्रेरक जगदीश मिश्रा, सचिव रूपेश कुमार कुथे, कोषाध्यक्ष सुनीता बिसेन, अनीता उईके, पारुल ठाकरे सहित अन्य गणमान्य नागरिक और ग्रामीण उपस्थित रहे।



प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान अंतर्गत सामाजिक कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था स्पोर्ट एंड स्काउट्स गाइड्स ऑर्गेनाइजेशन सेक्टर 01 द्वारा प्रस्फुटन योजना अंतर्गत ग्राम में गठित प्रस्फुटन समिति सामाजिक कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण का आयोजन निर्माण कम्प्यूटर इंस्टिट्यूट हाल लांजी में आयोजित किया गया। जिसमें शुभारंभ अवसर पर राजेन्द्र रामटेककर भूतपूर्व सैनिक एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमति वीणा उपराडे सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। संदीप रामटेककर परामर्शदाता द्वारा प्रस्फुटन समिति सेक्टर स्तरीय प्रशिक्षण कि रूपरेखा से अतिथियों को अवगत कराया। एवं स्वैच्छ सामूहिकता स्वावलंबन विषय पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। रामटेककर जी एवं वीणा जी ने प्रशिक्षण कि आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा सभी के सामूहिक एक साथ एक दिशा में कार्य करने से गांव का विकास तेजी से होता है। युवाओं - युवतियों को मोबाइल के दुष्परिणाम से बचने तथा सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने प्रेरित किया। संतोष नगपुरे विकासखण्ड समन्वयक ने दस्तावेजीकरण के महत्व को बताया। नवांकुर संस्था के सचिव लवकुश यादव ने स्वयंसेवी संस्था कि कार्यपद्धति एवं पवन धाकड आरक्षक ने साइबर क्राइम एवं धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताए। प्रशिक्षण के समापन सत्र में शासकीय महाविद्यालय लांजी के पूर्व प्राचार्य रेवाराम सोनवाने, शासकीय महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य श्रीमती गौतमा कठाने, आलोक चौरसिया समाजसेवी, महेंद्र गुडू करहि समाजसेवी द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण में सेक्टर 01 के समस्त ग्राम प्रस्फुटन समिति पदाधिकारी सहभागी रहे।



पत्नी की शिकायत पर पति के विरुद्ध घरेलू हिंसा का मामला कायम

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी थाने में 10 मार्च को एक 30 वर्षीय महिला ने अपने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा और जान से मारने की धमकी की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ताा पूर्णिमा कालबेले ने बताया कि शादी के कुछ वर्षों बाद से ही पति जितेंद्र कालबेले की शराब की लत ने उनके वैवाहिक जीवन को नर्क बना दिया था। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 296(बी), 115(2) और 351(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पार्थियां पूर्णिमा निवासी खरेगांव द्वारा थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी शादी वर्ष 2019 में उसी गांव के जितेंद्र कालबेले से हुई थी। शादी के शुरुआती दो-तीन वर्ष तो सब कुछ ठीक चला, लेकिन उसके बाद जितेंद्र की शराब की आदत ने रंग दिखाना शुरू कर दिया। वह अक्सर नशे में गाली-गलौज करते और मारपीट करते। लगभग एक वर्ष पूर्व पूर्णिमा ने इस उत्पीड़न के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसका मामला वर्तमान में लांजी की अदालत में विचाराधीन है। इसके बाद से वह अपने माता-पिता के घर पर रह रही हैं और पति से कोई संपर्क नहीं रखा। पीड़ताि ने आगे बताया कि 7 मार्च 2026 की रात करीब 10 बजे, जब वह अपने पिता विजय भटेरे के घर पर बड़ी बहन ज्योति के साथ सो रही थीं (उनके माता-पिता किसी शादी समारोह में गए हुए थे), तभी जितेंद्र शराब के नशे में धुत होकर घर में घुस आया। उसने पूर्णिमा को गंदी अश्लील गालियां देकर हाथों और मुक्कों से मारपीट की। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी दौड़े आए तो आरोपी भाग खड़ा हुआ एवं जाते-जाते धमकी दी, कि अगर तू मुझे तलाक नहीं देगी, तो किसी दिन तुझे जान से खत्म कर दूंगा। अगले दिन सुबह अपने पिता के साथ थाने पहुंचीं और शिकायत दर्ज कराई। रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी ने अपराध क्रमांक 69/2026 धारा 296 बी, 115(2), 351(3) बीएनएस के तहत दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

आंवलाझरी आश्रम में धूमधाम से मनाया गया होली मिलन समारोह

सत्संग, भक्ति और रंगोत्सव के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया भाग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा मानव धर्म के प्रणेता सद्गुरु श्री सतपाल महाराज की प्रेरणा तथा पूजनीय महात्मा रामेश्वरी बाई जी और पूजनीय महात्मा पद्मिनी बाई जी के कुशल नेतृत्व में बोदा रोड स्थित आंवलाझरी आश्रम में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न स्थानों पर भी धार्मिक और सत्संग कार्यक्रम संपन्न हुए। कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत 5 मार्च को अर्बन हायर सेकेंडरी स्कूल, नर्मदा नगर बालाघाट में पूजनीय महात्मा रामेश्वरी बाई जी एवं पूजनीय महात्मा पद्मिनी बाई जी के सान्निध्य में भव्य सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक प्रवचनों का लाभ प्राप्त किया इसके बाद 6 मार्च को ग्राम लिंगा एवं देवरी तथा 7 मार्च को ग्राम भंडेरी (जता) में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्ति एवं सत्संग के माध्यम से आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। वहीं 8 मार्च को रंग पंचमी के अवसर पर आंवलाझरी आश्रम सहित ग्राम कोसमी, परसवाड़ा साहित्य और आसपास के अन्य गांवों के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान भक्त प्रहलाद के जीवन प्रसंग, भगवान के प्रति आस्था, भक्ति और प्रेम जैसे विषयों पर सत्संग किया गया।कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली और रंग पंचमी की शुभकामनाएं दीं। इस प्रकार पूरे जिले में भक्ति, प्रेम और सद्भाव के वातावरण के साथ होली मिलन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।



लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र बोर्ड परीक्षा में बड़ी चूक, जो चैप्टर हटा दिया उसी से पूछ लिया सवाल, अब 10वीं-12वीं के छात्रों को मिलेंगे बोनस अंक

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की परीक्षाओं में लापरवाही का बड़ा उदाहरण सामने आया है। माशिमं ने 12वीं की भौतिक विज्ञान की परीक्षा में क्वालिटी फैक्टर पर सवाल पूछे।

खुद माशिमं ही इस पाठ को पाठ्यक्रम से बाहर कर चुका है। मूल्यांकन के दौरान गलती सामने आने पर बोर्ड परीक्षार्थियों को बोनस अंक देगा।

10वीं-12वीं की परीक्षा में केवल पाठ्यक्रम से बाहर ही नहीं, गलत और भ्रामक सवाल भी पूछे गए हैं। इन सबके लिए बोनस अंक देने का निर्देश हुआ है।

माशिमं ने स्वीकार किया है कि 12वीं के भौतिकी विषय के प्रश्नपत्र में एक प्रश्न सिलेबस के बाहर का पूछा गया है। दूसरा प्रश्न त्रुटिपूर्ण है। इसमें सभी विद्यार्थियों को दो अंक बोनस देने का निर्णय लिया गया है।



बोनस अंकों का गणित और त्रुटियाँ

सेट-ए में प्रश्न क्रमांक एक का भाग-ए त्रुटिपूर्ण पूछा गया, जिसके लिए सभी विद्यार्थियों को एक अंक बोनस दिया जाएगा। वहीं प्रश्न क्रमांक पांच का भाग-ए सिलेबस से बाहर का था। सत्य व असत्य वाले सवाल का चैप्टर सिलेबस से हटा दिया गया है, फिर भी इस सवाल को पूछ लिया गया। इस प्रकार सभी सेट के विद्यार्थियों को कुल दो अंक बोनस दिए जाएंगे।

वहीं 12वीं के बुक कीपिंग एंड अकाउंटेंसी में दो बहुविकल्पीय प्रश्न के विकल्प में त्रुटि होने के कारण हल करने के प्रयास करने वाले विद्यार्थियों को एक अंक दिए जाएंगे। 12वीं के अंग्रेजी के सेट ए का प्रश्न क्रमांक 7(6), सेट बी प्रश्न क्रमांक 6(6), सेट सी में प्रश्न क्रमांक 7 (6) और सेट डी प्रश्न क्रमांक 6(6) में शब्द में त्रुटि होने के कारण भी अंक दिए जाएंगे।

तीन स्तर पर जांच के बावजूद गड़बड़ी

माध्यमिक शिक्षा मंडल में 10वीं व 12वीं के प्रश्नपत्र के कई सेट बनते हैं। यह भी तीन स्तर पर विश्लेषक होता है। पेपर सेटर द्वारा पेपर बनाया जाता है। इसमें कोई गलती नहीं हो, तो माडरेटर इसे चेक करता है। इसके बाद प्रश्न पत्र विश्लेषक द्वारा चेक किया जाता है।

बावजूद इसके इन पेपरों में इतनी संख्या में गलती निकलना इनकी योग्यता पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। मंडल द्वारा अप्रैल के अंतिम सप्ताह या मई के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट घोषित करने की तैयारी की जा रही है। मूल्यांकन के अंक ऑनलाइन आने से मंडल को रिजल्ट बनाने में समय नहीं लगेगा।

90 लाख उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन जारी

इस बार चार चरणों में मूल्यांकन कार्य चलेगा। 22 फरवरी से पहला, एक मार्च से दूसरा, तीसरा 11 मार्च से और चौथा 23 मार्च से। कॉपियों के मूल्यांकन में 18 हजार शिक्षक करीब 16 लाख विद्यार्थियों की 90 लाख कापियों के मूल्यांकन कार्य में लगे हैं। इसमें मूल्यांकन के दौरान केंद्रों पर धारा 144 लागू रहेगी। मूल्यांकन कार्य प्रतिदिन सुबह 10.30 बजे से शुरू हुआ है।

सचिव, माशिमं बुद्धेश कुमार वैद्य का कहना है कि सभी प्रश्नपत्रों के आदर्श उत्तर जारी कर दिए गए हैं। उसके अनुसार मूल्यांकन किया जा रहा है। 12वीं के भौतिकी में दो अंक बोनस दिए जाएंगे। कुछ प्रश्नपत्रों में बहुविकल्पीय उत्तर में गड़बड़ी होने पर जिन विद्यार्थियों ने हल करने का प्रयास किया है, उन्हें अंक दिए जाएंगे।

144 शिकायतें प्रदेश में निपटारा करने के लिए नहीं हुई ठोस कार्रवाई

मप्र के ब्यूरोक्रेट्स के खिलाफ राष्ट्रपति-पीएमओ तक पहुंचीं शिकायतें

भोपाल। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ दर्ज शिकायतों का मामला अब राज्य से निकलकर सीधे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों तक पहुंच गया है। प्रदेश के आईएएस-आईपीएस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से जुड़ी 144 शिकायतें राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री कार्यालय तक भेजी गई हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि इनमें से एक भी शिकायत का संतोषजनक निराकरण नहीं हो सका है। इन शिकायतों को लोगों ने केंद्र सरकार के सीपी ग्राम्स (केंद्रीय लोक शिकायत निवारण पोर्टल) और अन्य माध्यमों से दर्ज कराया था। इन शिकायतों को जांच के लिए राज्य सरकार को भेजा गया, लेकिन प्रदेश में इनके निपटारे को लेकर कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई।

जानकारी के अनुसार प्रदेश के आला अधिकारियों की कार्यशैली से जुड़ी शिकायतें भोपाल से लेकर दिल्ली तक लगातार भेजी जा रही हैं। इनमें प्रशासनिक लापरवाही, निर्णयों में देरी और विभागीय कामकाज से जुड़ी कई शिकायतें शामिल हैं। साल 2025 के दौरान 1 जनवरी से 31 दिसंबर के बीच बड़ी संख्या में शिकायतें केंद्रीय पोर्टल पर दर्ज की गई। इनमें से कई शिकायतें राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग, राज्य पुलिस और अन्य विभागों से संबंधित बताई गई हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग में सबसे ज्यादा शिकायतें

आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा शिकायतें सामान्य प्रशासन विभाग से जुड़ी सामने आईं। इस विभाग से संबंधित करीब 349 शिकायतें केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से राज्य सरकार को भेजी गई थीं। इनमें से 186 शिकायतों का ही समाधान किया जा सका, जबकि 119 शिकायतें लंबित बनी हुई हैं। शिकायतों के निराकरण के दौरान यह भी सामने आया कि कुछ मामले विभाग के अधिकार क्षेत्र से बाहर के थे, जिन्हें अन्य विभागों को भेजा गया।

कई विभागों में लंबित हैं मामले

प्रदेश में कई अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें भी बड़ी संख्या में सामने आई हैं। इनमें लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन मंडल, निर्वाचन आयोग और पुलिस विभाग से जुड़े मामलों की भी शिकायतें दर्ज की गईं। कर्मचारी चयन मंडल से जुड़ी 95 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से करीब 44 का ही संतोषजनक निराकरण हो पाया। वहीं लोक सेवा आयोग से जुड़ी शिकायतों में भी कई मामले लंबे समय तक लंबित रहे। इसके अलावा इंडस्ट्रियल और अन्य प्रमाणपत्रों से जुड़ी भी कई शिकायतें सामने आईं, जिनका निपटारा समय पर नहीं हो सका।

कुल सात सौ से ज्यादा शिकायतें

सीपी ग्राम्स पोर्टल पर सामान्य प्रशासन विभाग, लोक सेवा आयोग, मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, निर्वाचन विभाग और उच्च अधिकारियों से संबंधित 747 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से सिर्फ 323 शिकायतों का संतोषजनक निराकरण हुआ, जबकि 324 शिकायतें साल के अंत तक लंबित बनी रहीं। इतनी बड़ी संख्या में शिकायतों के लंबित रहने से प्रदेश की शिकायत निवारण व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आम नागरिकों का कहना है कि जब शिकायतें राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंच रही हैं, तब भी यदि उनका समाधान नहीं हो पा रहा है तो इससे सरकारी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठते हैं।

ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध का असर

मप्र में कमर्शियल सिलेंडर पर लगी रोक, शादी और फूड बिजनेस मुसीबत में

भोपाल। ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध का असर अब गैस सप्लाई पर दिखाई देने लागा है. ऑयल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई पर रोक लगा दी है. इसका सीधी असर होटल, रेस्टोरेंट आदि पर दिखाई देगा. ऑयल कंपनियों के इस फैसले से मैरिज गार्डन भी प्रभावित होंगे. इसका असर शादी, पार्टी व अन्य समारोहों पर भी दिखाई देगा. इसके पहले ऑयल कंपनियों ने घरेलू गैस सिलेंडर की डिलीवरी का समय भी बढ़ाकर 25 दिन कर दिया था, जिससे गैस सिलेंडर की सप्लाई का सामान्य रखा जा सका और लोग अनावश्यक रूप से गैस की रिफिल कराकर न रखें।

गैस एजेंसी संचालकों के मुताबिक ऑयल कंपनियों की तरफ से निर्देश मिले हैं कि फिलहाल कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई को रोक दिया जाए. आईओसीएल के एरिया मैनेजर संदीप चावला ने बताया कि फिलहाल अभी गैस की कमी नहीं है, लेकिन ईरान युद्ध की स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है. यदि युद्ध की स्थिति बनी रही तो भविष्य में एलपीजी को लेकर परेशानी आ सकती है. यही वजह है कि घरेलू उपभोक्ताओं की प्राथमिकता को देते हुए फिलहाल कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई को रोकने का निर्णय लिया गया है.

पहले कीमतें बढ़ाई, फिर सप्लाई रोकी

कमर्शियल सिलेंडर पर रोक से होटल, रेस्टोरेंट पर असर दिखाई देगा. राजधानी भोपाल में ही करीबन ढाई हजार रेस्टोरेंट, छोटे-बड़े होटल और करीबन 1 हजार रेहड़ी की दुकानें हैं, जहां कमर्शियल सिलेंडर का उपयोग होता है. राजधानी भोपाल में ही हर रोज करीबन 10 हजार से ज्यादा कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई होती है. इसकी सप्लाई रोके जाने से होटल-रेस्टोरेंट आदि के संचालन पर सीधा असर दिखाई देगा. हाल ही में कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में बढोत्तरी की गई है. इसकी कीमतों को बढ़ाकर 1773 से 1888 रुपए किया गया है. रेस्टोरेंट संचालक सवाल उठा रहे हैं कि जब कीमतें बढ़ा दी गई हैं तो फिर इसकी सप्लाई क्यों रोकी गई है?

शादी समारोहों पर पड़ेगा ज्यादा असर

होली का त्योहार खत्म होने के बाद विवाह समारोह शुरू हो चुके हैं. खरमास शुरू होने से पहले शादी के कुछ मुहूर्त बाकी है. वहीं, राजधानी भोपाल में करीबन 150 मैरिज गार्डन हैं, जहां शादी समारोह की बुकिंग हो चुकी है. बताया जा रहा है कि आने वाले समय में शहर में करीबन 1 हजार विवाह समारोह होने हैं. कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई रोके जाने से शादी समारोहों पर संकट आ सकता है. देखना होगा कि प्रदेश सरकार इस दिशा में क्या कदम उठाती है।

सीएम डॉ. मोहन ट्रांसफर करेंगे 1500-1500 रुपये

-13 को घाटीगांव में लाड़ली बहना योजना का राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 13 मार्च को ग्वालियर जिले का प्रवास प्रस्तावित है। वे घाटीगांव में लाड़ली बहना योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान भितरवार विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी करेंगे। ग्वालियर में 13 मार्च को प्रदेश स्तरीय लाडली बहना योजना राशि वितरण का कार्यक्रम होने जा रहा है। इसे लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। मध्यप्रदेश सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत प्रदेश सरकार के मंत्री भी इस दौरान मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में घाटीगांव में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत राशि वितरण की जाएगी। इसके साथ मुख्यमंत्री भितरवार विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी करेंगे। ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान ने घाटीगांव पहुंचकर प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का जायजा भी लिया है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि कार्यक्रम की सभी तैयारियों को समय-सीमा में पूरा करें। साथ ही व्यवस्थायें ऐसी हों, जिससे महिलाओं समेत अन्य नागरिक सुविधाजनक तरीके से निर्धारित स्थल पर पहुंच सकें। वहीं गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर पेयजल की पुख्ता व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए हैं।

डॉ. मोहन कैबिनेट बैठक में 33,000 करोड़ की योजनाओं को दी गई मंजूरी

46 लाख लोगों की संपत्ति रजिस्ट्री का खर्च उठाएगी सरकार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 33,000 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विभागों की योजनाओं को निरंतरता दी गई। इस बड़े वित्तीय आवंटन के माध्यम से प्रदेश में जारी विकास कार्यों और जन-कल्याणकारी योजनाओं को निर्बाध रूप से जारी रखने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार भूमि स्वामित्व योजना के तहत 46 लाख लोगों की संपत्ति रजिस्ट्री का स्टांप शुल्क खुद वहन करेगी, जिससे सरकार पर करीब 3000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आएगा।

कैबिनेट ने प्रदेश में योजनाओं के जमीनी फीडबैक के लिए सीएम यंग इंटर्न्स फॉर गुड गवर्नेंस प्रोग्राम शुरू करने का फैसला भी किया है। यह कार्यक्रम तीन साल तक चलेगा। इसके लिए हर विकास खंड से 15 युवाओं का चयन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण स्कूल के माध्यम से होगी।

अनुबंध पर रखे जाएंगे युवा

चयनित युवाओं को 10 हजार रुपए मासिक मानदेय दिया जाएगा और एक साल के अनुबंध पर सेवा में रखा जाएगा। कुल 4865 युवाओं का चयन होगा और इस कार्यक्रम पर तीन साल में करीब 170 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इन युवाओं की जिम्मेदारी अपने विकासखंड में संचालित योजनाओं की जमीनी स्थिति और फीडबैक की रिपोर्ट तैयार करना होगी। यह रिपोर्ट सीधे सुशासन स्कूल के माध्यम से मुख्यमंत्री और संबंधित विभागों तक पहुंचेगी। इसके लिए डैशबोर्ड और पोर्टल भी विकसित किया जाएगा।

रजिस्ट्री का खर्च उठाएगी सरकार

भूमि स्वामित्व योजना में प्रदेश के करीब 46 लाख ग्रामीण नागरिकों को जमीन का स्वामित्व मिलेगा। इस योजना की शुरुआत केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने वर्ष 2020 में की थी। ड्रोन तकनीक के माध्यम से ग्रामीण आबादी की जमीन का सीमांकन कर प्रॉपर्टी कार्ड (कानूनी स्वामित्व कार्ड) दिए जाते हैं, जिससे भूमि विवाद कम होते हैं और बैंक से ऋण लेना भी आसान होता है।

सात विभागों की योजनाएं 2031 तक जारी

कैबिनेट ने ऊर्जा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, योजना-आर्थिक एवं सांख्यिकी, जनजातीय कार्य और महिला-बाल विकास सहित सात विभागों की योजनाओं को 2031 तक जारी रखने के लिए 33,240 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इसमें महिला आयोग, बाल संरक्षण आयोग, छात्रवृत्ति योजनाएं, आरडीएसएस, दिव्यांगों के लिए प्रोफेशनल टैक्स में छूट और स्टार्टअप के लिए 600 करोड़ रुपए का प्रावधान शामिल है।

स्वास्थ्य केंद्रों में 51 पदों पर भर्ती

मंत्री काश्यप ने बताया कि मैहर, निमरानी और कैमोर में पीएचआईसी के तहत अस्पतालों के लिए स्टाफ भर्ती की जाएगी। श्रम विभाग के माध्यम से डॉक्टर और अन्य कर्मचारियों सहित कुल 51 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इसके अलावा चितरंगी में व्यवहार न्यायाधीश के पद को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है। राज्य सरकार ने एक जिला-एक उत्पाद योजना के तहत स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए 37.50 करोड़ रुपए की डीपीआर तैयार की है। इस योजना में एमएसएमई, उद्योग, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग संयुक्त कार्ययोजना के तहत काम करेंगे।

मध्यप्रदेश स्टेट बार काउंसिल चुनाव का शेड्यूल जारी, 12 मई को मतदान, जबकि मतगणना 16 जून से शुरू

भोपाल। मध्यप्रदेश स्टेट बार काउंसिल चुनाव का शेड्यूल जारी किया गया है। इस बार प्रदेश के करीब 93,000 अधिवक्ता 26 सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान करने वाले है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदान 12 मई 2026 को होगा, जबकि मतगणना 16 जून से शुरू होगी। चुनाव प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित उच्चाधिकार प्राप्त चुनाव समिति द्वारा संचालित होगी, जिसमें रिटायर्ड जस्टिस एस. के. पालो को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत 16 मार्च को प्रोविजनल मतदाता सूची जारी करने से होगी। इसके बाद अधिवक्ता 24 मार्च तक दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकते है। अंतिम मतदाता सूची 1 अप्रैल 2026 को प्रकाशित होगी। नामांकन प्रक्रिया 8 से 10 अप्रैल के बीच होगी, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 15 और 16 अप्रैल को की जाएगी। उम्मीदवार 20 से 22 अप्रैल तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। इसके बाद 22 अप्रैल शाम 5 बजे तक प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। इस चुनाव में महिला आरक्षण का प्रावधान भी लागू है। कुल 7 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं, जिनमें से 5 पदों पर चुनाव होगा और 2 पदों पर मनोनयन किया जाएगा। अक्टूबर 2025 में स्टेट बार काउंसिल का कार्यकाल समाप्त हो गया था और वर्तमान में परिषद एक्सटेंशन पर चल रही है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार चुनाव प्रक्रिया फिर से शुरू की गई है। प्रदेश के अधिवक्ताओं के लिए यह चुनाव महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इससे बार काउंसिल के नए नेतृत्व का चुनाव होगा और महिला आरक्षण के प्रावधान के कारण प्रतिनिधित्व में संतुलन भी सुनिश्चित होगा। इस चुनाव में सक्रिय भागीदारी से न्याय क्षेत्र में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, मध्यप्रदेश स्टेट बार काउंसिल का यह चुनाव 12 मई को मतदान और 16 जून से मतगणना के साथ एक सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के तहत सम्पन्न होगा।

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को सुप्रीम कोर्ट से राहत

भोपाल। राजधानी भोपाल के कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ चल रहे मामले में बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए गए थे। मामला भोपाल के इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज के संचालन में कथित फर्जी सेल डीड से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चूंकि मामला हाईकोर्ट में लंबित है, इसलिए सभी पक्ष जल्द से जल्द अपनी दलीलें पूरी करें। इसके बाद हाईकोर्ट मामले में मेरिट के आधार पर निर्णय लेगा।

पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह ने की थी शिकायत

जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग ने जांच के बाद 9 जून 2025 को भोपाल के इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज की मान्यता निरस्त करने का आदेश जारी किया था। इसके खिलाफ कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज का संचालन अमन एजुकेशन सोसाइटी करती है। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद इस सोसाइटी के सचिव हैं। इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज भोपाल के खानूगांव में स्थित है। पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह ने इस पूरे मामले की शिकायत की थी। जांच के बाद आयुक्त उच्च शिक्षा ने माना कि अमन एजुकेशन सोसाइटी ने इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज के संचालन के लिए फर्जी दस्तावेजों पर एनओसी और मान्यता ली।

इसके बाद कॉलेज की मान्यता रद्द की गई। जांच में पता चला कि कूटरचित दस्तावेजों के जरिए सेल डीड तैयार करवाई और इसे पंजीयन कार्यालय में फर्जी तरीके से दर्ज भी बताया गया।

मामले की सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने भोपाल पुलिस कमिश्नर को आरिफ मसूद के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही मामले की जांच के लिए पुलिस महानिदेशक को एसआईटी गठित करने का आदेश भी दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट में आरिफ मसूद की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तंखा ने पैरवी की। उन्होंने कोर्ट को बताया कि हाईकोर्ट ने सरकार का पक्ष आए बिना ही एफआईआर दर्ज करने और एसआईटी गठित करने का आदेश दिया, जो उचित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल चंदूरकर की डिवीजन बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि सरकार का जवाब आने से पहले इस तरह का अंतरिम आदेश आवश्यक नहीं था।

विजयपुर सीट पर निर्वाचन शून्य... रामनिवास रावत बोले-चुनाव में पारदर्शिता जरूरी

मल्होत्रा से पहले तीन भाजपा विधायकों का चुनाव भी हो चुका शून्य, एक को मिली राहत, दो की विधायकी गई

भोपाल। प्रदेश की विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव निरस्त हो गया है। विजयपुर सीट पर निर्वाचन शून्य किए जाने के बाद विधायक घोषित किए जाने के बाद भाजपा नेता रामनिवास रावत बयान जारी कर कहा कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और ईमानदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रत्याशी को नामांकन के समय शपथपत्र में सभी जानकारियां सही तरीके से देना अनिवार्य होता है। वहीं मल्होत्रा से पहले भी प्रदेश में तीन विधायकों के चुनाव/ विस सदस्यता पर न्यायालयीन कार्रवाई हो चुकी है। इनमें से एक को राहत मिली, जबकि दो की विधायकी चली गई थी। प्रदेश में मुकेश मल्होत्रा से पहले तीन विधायकों की सदस्यता को कोर्ट शून्य घोषित कर चुकी है। ये तीनों ही भाजपा की सीट पर विधायक चुने गए थे। बिजावर से वर्ष 2008 में भाजपा की सीट पर विधायक बनीं आशाराणी को वर्ष 2013 में आपराधिक मामले में सजा सुनाई गई थी। सजा के बाद जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत उनकी विधायकी स्वतः समाप्त हो गई थी। उन्हें मध्य प्रदेश में सजा के कारण अयोग्य घोषित होने वाली पहली महिला विधायक भी माना जाता है।

नीना वर्मा का चुनाव रद्द हुआ था

इसके साथ ही वर्ष 2008 और वर्ष 2013 के चुनाव में दो बार धार से विधायक नीना वर्मा का चुनाव रद्द हुआ था। पहली बार में रिकाउंटिंग में एक वोट से जीतने के खिलाफ कांग्रेस प्रत्याशी ने कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसके बाद 2012 में चुनाव को शून्य घोषित कर दिया था। इसके बाद दूसरी बार 2017 में चुनाव में फार्म में पूरी जानकारी नहीं भरने के कारण उनका चुनाव शून्य घोषित किया गया था। अदालत ने माना था कि चुनाव प्रक्रिया में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के नियमों का पालन नहीं किया गया था, इसलिए उनका निर्वाचन शून्य घोषित किया गया। यह याचिका कांग्रेस प्रत्याशी ने दायर की थी। हालांकि, बाद में नीना वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की, जहां उन्हें प्रारंभिक राहत मिली थी, लेकिन वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए 2013 का चुनाव शून्य माना।

राहुल सिंह लोधी को मिली थी राहत

वहीं, वर्ष 2022 में टीकमगढ़ जिले की खरगापुर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक राहुल सिंह लोधी का चुनाव भी मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने शून्य घोषित कर दिया था। कांग्रेस प्रत्याशी चंदा सिंह गौर ने उनके खिलाफ याचिका दायर की थी। आरोप था कि लोधी ने एक निजी कंपनी में अपनी साझेदारी की जानकारी छिपाई थी, जो सरकारी कार्यों से जुड़ी थी। अदालत ने उन्हें विधायक के रूप में मिलने वाले लाभों पर रोक लगा दी थी। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट से उन्हें स्टे मिलने पर राहत मिल गई थी।

कांग्रेस के पास अब 63 विधायक

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में कुल 230 सीटों में से कांग्रेस ने 66 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इसके बाद लोकसभा चुनाव के दौरान छिंदवाड़ा जिले की अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित अमरवाड़ा सीट से कांग्रेस विधायक कमलेश्वर शाह भाजपा में शामिल हो गए थे। बाद में हुए उपचुनाव में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की। वहीं, विजयपुर सीट से कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत ने भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ले ली थी। भाजपा ने उन्हें मंत्री भी बनाया था, लेकिन उपचुनाव में रावत को कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा के सामने हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, बीना सीट से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे ने भी एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाजपा की सदस्यता ले ली थी, हालांकि उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया। इस मामले में उनकी सदस्यता को लेकर विवाद न्यायालय में लंबित है और कांग्रेस इस सीट पर उपचुनाव की मांग कर रही है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अदालत के फैसले का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि कानूनी सलाह लेने के बाद इस निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की जाएगी। सिंघार ने कहा कि विजयपुर की जनता ने कांग्रेस को अपना जनादेश दिया है और पार्टी को उम्मीद है कि सर्वोच्च न्यायालय से न्याय मिलेगा।



टी20 विश्वकप जीतने पर सूर्यकुमार की टीम इंडिया को 131 करोड़ रुपये का इनाम

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्वकप 2026 में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम के लिए बड़ी इनामी राशि का एलान किया है। बोर्ड ने मंगलवार को घोषणा की कि पूरे भारतीय दल को 131 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। यह इनाम खिलाड़ियों के साथ-साथ कोचिंग स्टाफ और टीम के अन्य सपोर्ट स्टाफ को भी दिया जाएगा।

खिलाड़ियों और स्टाफ को मिलेगा हिस्सा

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इस राशि में 15 खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और अन्य सपोर्ट स्टाफ को शामिल किया गया है। बताया जा रहा है कि इनाम की रकम में सबसे बड़ा हिस्सा खिलाड़ियों को मिलेगा, जबकि सपोर्ट स्टाफ को मिलने वाली राशि उनकी जिम्मेदारी और पद के अनुसार तय की जाएगी।

2024 के मुकाबले बढ़ा इनाम

इस बार घोषित 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद दिए गए 125 करोड़ रुपये से ज्यादा है। यानी इस बार बोर्ड ने पिछले पुरस्कार की तुलना में छह करोड़ रुपये अधिक देने का फैसला किया है।

बीसीसीआई सचिव ने दी बधाई

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने टीम को बधाई देते हुए कहा, बोर्ड खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और चयनकर्ताओं को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए एक बार फिर बधाई देता है और भविष्य के लिए उन्हें लगातार सफलता की शुभकामनाएं देता है।

न्यूजीलैंड को हराकर जीता खिताब

भारतीय टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता। टीम इंडिया ने इस जीत के साथ न सिर्फ अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाया, बल्कि टूर्नामेंट के इतिहास में लगातार दो बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम भी बन गई।

भारत ने रचा नया इतिहास

इस जीत के साथ भारत पुरुष टी20 वर्ल्ड कप तीन बार जीतने वाली पहली टीम बन गया। इस उपलब्धि के साथ ही टीम इंडिया ने टी20 क्रिकेट के इतिहास में खुद को सबसे सफल टीमों में और मजबूत तरीके से स्थापित कर लिया। भारत ने पहली बार लगातार तीन आईसीसी ट्रॉफीज भी जीती हैं। 2024 टी20 विश्वकप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद यह टी20 विश्वकप भी अपने नाम किया और भारत का दबदबा पूरी दुनिया में कायम किया।

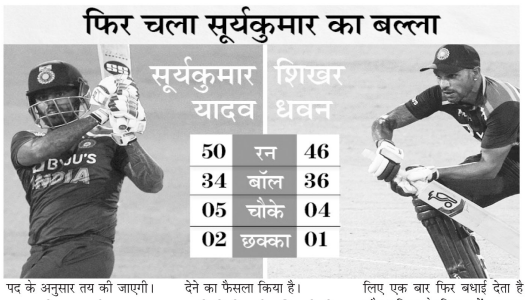

आईसीसी की 2026 टी20 विश्व कप टीम में सैमसन, बुमराह सहित चार भारतीय खिलाड़ी शामिल

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपनी टी20 विश्वकप 2026 टीम में चार भारतीय खिलाड़ियों जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, ईशान किशन और हार्दिक पांड्या को भी शामिल किया है। सैमसन ने टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

सैमसन ने सुपर आठ के अंतिम मैच से लेकर फाइनल तक अर्धशतक लगाये थे। वहीं किशन टूर्नामेंट में 317 रन के साथ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने 193.29 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। पाकिस्तान के खिलाफ तेजी से खेलते हुए 77 रन बनाए।

ऑलराउंडर पांड्या इस सूची में शामिल होने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। इस खिलाड़ी ने बल्ले और गेंद से बेहतर प्रदर्शन किया है। वहीं बुमराह ने पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त गेंदबाजी कर अंतर पैदा किया।



बुमराह टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने आठ मैचों में 14 विकेट लिए। वहीं आईसीसी की इस टीम में पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को भी जगह मिली है। फरहान ने टूर्नामेंट में सबसे अधिक कुल 383 रन बनाए। इस टीम में जिम्बाब्वे, इंग्लैंड क्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को भी जगह मिली है।

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की टीम इस प्रकार है -

1 साहिबजादा फरहान
2 संजू सैंसन (विकेटकीपर)
3 ईशान किशन
4 एडन मारक्रम (कप्तान)
5 हार्दिक पांड्या
6 विल जैक्स
7 जेसन होल्डर
8 जसप्रीत बुमराह
9 लुंगी एनगिडी
10 आदिल राशिद
11 ब्लेसिंग मुजरबानी
12वां खिलाड़ी- शैडली वैन शाल्कविक

आईसीसी ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड की स्वदेश वापसी पर दी सफाई

दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने टी20 विश्वकप के लिए भारत पहुंची वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से पहले इंग्लैंड के स्वदेश लौटने पर लगे भेदभाव के आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि इसके पीछे एयरस्पेस और उड़ानों की उपलब्धता बड़ा कारण रही है। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण हवाई यातायात प्रभावित होने से 20 विश्व कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान कुछ टीमें भारत में ही फंस गयी थी। इनमें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी शामिल थी। 1 मार्च को भारत के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलने वाली वेस्टइंडीज और 4 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम काफी समय भारत में ही फंसी रही जबकि 5 मार्च को भारत के खिलाफ सेमीफाइनल हारने वाली इंग्लैंड इनसे पहले स्वदेश लौट गयी। इससे विवाद खड़ा हो गया है और वेस्टइंडीज व दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) पर भेदभाव का आरोप लगा दिया है। इन टीमों ने इंग्लैंड के जल्दी स्वदेश लौटने पर सवाल उठ रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी आईसीसी पर खास ध्यान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, इस स्थिति में सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए। आईसीसी टेबल पर किसी टीम का ताकतवर होना अहम नहीं होना चाहिए।

वहीं इस मामले में आईसीसी ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि उसने किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया। रवाना होने के क्रम पर फैसले सिर्फ एयरस्पेस की उपलब्धता, एयरक्राफ्ट रूटिंग अनुमति, वीजा की जरूरतों और सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिए गये। यह कहना कि टीमों को इन बाधाओं के अलावा किसी और वजह से प्राथमिकता दी गई है, सही नहीं है। इस मामले में नाराजगी जताते हुए वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने सोशल मीडिया में लिखा था, मैं बस घर जाना चाहता हूं। उनकी इन पोस्ट से भी कई लोगों का ध्यान इस समस्या पर गया है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के क्रीटन डीकोक ने भी नाराजगी जतायी थी।

गंभीर नहीं मानते सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम का युग आया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्व कप खिताब जीत के बाद भी ये मान जा रहा है कि इससे सीमित ओवरों प्रारुप में भारतीय टीम का युग शुरु हो गया है हालांकि टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर इससे सहमत नहीं है। गंभीर ने कहा कि टीम ने लगातार आईसीसी खिताब जीतकर अपना प्रभाव दिखाया है पर अब भी काफी कुछ किया जाना शेष है। गंभीर के अनुसार इससे सीमित ओवरों के क्रिकेट में टीम इंडिया का युग नहीं माना जा सकता है। उन्होंने इसके कारण भी बताये और कहा कि हमें हाल में एक दिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अगर ये हमारा युग होता तो हम नहीं हारते। लगातार तीन साल में तीन आईसीसी खिताब भारतीय टीम ने जीते हैं जिसमें साल 2024 टी20 विश्व कप, 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 विश्व कप। ये ऐसा ही जैसे साल 1999 से 2007 के बीच ऑस्ट्रेलियाई टीम लगातार आईसीसी ट्राफी में जीत दर्ज कर अपना दबदबा बनाने में सफल रही थी।

गंभीर ने कहा, 'मैं सफेद गेंद



के क्रिकेट के बारे में बात नहीं करूंगा क्योंकि सफेद गेंद के क्रिकेट में एकदिवसीय प्रारूप में हम पिछली तीन में से दो सीरीज हारे हैं। अगर यह हमारा युग होता तो हम दो सीरी नहीं हारते।' उन्होंने हालांकि माना है कि आईसीसी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। गंभीर ने कहा, 'मैं युग जैसी बातों पर विश्वास नहीं करता। आपको हर दिन मैदान उतरना होगा, चाहे आप कोई भी मैच खेल रहे हों। जब आप अपने देश के लिए खेल रहे होते हैं तो आप हर मैच जीतना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि यह द्विपक्षीय श्रृंखला है या आईसीसी ट्रॉफी है या विश्व कप है। मैं द्विपक्षीय और आईसीसी टूर्नामेंट में फर्क नहीं कर सकता क्योंकि ये एक ही हैं। सब कुछ बिल्कुल वैसा ही रहता है।' गंभीर ने यह भी कहा कि उनके कोच रहते तक निजी उपलब्धियों का जश्न नहीं मनाया जाएगा।उन्होंने कहा, 'कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ हमेशा ही मेरी यही बात होती रही है कि कि निजी उपलब्धियां मायने नहीं रखती केवल ट्रॉफी मायने रखती हैं।'' इसलिए हमारा ध्यान जीत दर्ज करने पर ही रहेगा।

अब ओलंपिक स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य - सूर्यकुमार

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। सूर्यकुमार ने कहा कि है भारतीय टीम की जीत का राज आक्रामक रवैया अपनाना है। सूर्यकुमार ने कहा कि साल 2024 में मिली जीत के बाद से ही टीम आक्रामक अंदाज में खेलती आई है। सूर्या ने कहा कहा कि टी20 विश्वकप में टीम की जीत का रात एकजुट होकर खेलना रहा है। सूर्यकुमार ने कहा कि टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में बाधाएं आई थीं पर , टीम ने सभी को हटाते हुए धीरे-धीरे लय पकड़ी और पूरे टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा कि पिछले एक महीने का सफर बेहद शानदार रहा है, हालांकि शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी हम चाहते थे पर खेल में ऐसा ही होता है। इस पूरे सफर में एक टीम के रूप में हमने काफी कुछ सीखा है। ऐसे में अब अगला लक्ष्य निश्चित रूप से ओलंपिक है, और उसके बाद होने वाला टी20 विश्व कप रहेगा।

सूर्या ने कहा कि पिछले विश्वप के बाद से ही टीम ने अधिक आक्रामक और आधुनिक शैली अपनाई, जिससे हमें बड़े टूर्नामेंटों में लगातार अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। हमने 2024 में एक अलग तरह का क्रिकेट खेला और वहीं से हमें समझ आया कि इस टीम को आगे कैसे बढ़ना है, कैसे खेलना है। और तब से यह एक शानदार सफर रहा है।सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का मनोबल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मिली सफलता से बढ़ा जिससे उसकी रणनीति सही साबित हुई और इसके बाद से ही ये सिलसिला बढ़ता गया है। । उन्होंने आगे कहा कि हमने 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जब जीती थी तब अलग तरह से क्रिकेट खेला और वहीं 2026 की जीत खास अंदाज में दर्ज की है। इसलिए इस सिलसिले को बनाये रखना चाहिये।

सैमसन का केरल पहुंचने पर जबरस्त स्वागत

त्रिवेंद्रम। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद अपने गृह राज्य केरल पहुंचने पर बल्लेबाज संजू सैमसन का शानदार स्वागत हुआ है। सैमसन के स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर प्रशंसक उमड़ पड़े। तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर अपने राज्य के इस स्टार खिलाड़ी को देखने के लिए भारी तादाद में प्रशंसक पहुंचे। ये सभी संजू की एक झलक पाने का प्रयास करते दिखे। प्रशंसकों ने अपने राज्य के इस सितारे के लिए जमकर तालियां बजायीं। तिरुवनंतपुरम के पास विजिंजम के रहने वाले सैमसन लंबे समय से केरल के क्रिकेट प्रेमियों के बीच काफी लोकप्रिय रहे हैं। उनके घर लौटने पर राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने उनका स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। सैमसन ने भी हाथ हिलाकर और मुस्कुराते हुए अपने प्रशंसकों का अभिवादन और आभार जताया। उनका यह स्वागत दिखाता है कि विश्व कप में शानदार पारियों से उन्होंने लोगों के दिलों को जीता है।

ऑस्ट्रेलिया ने पांच ईरानी महिला खिलाड़ियों को शरण दी

राष्ट्रगान न गाने के कारण ईरान वापस भेजने पर था जान का खतरा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने एशियन कप के यहां आई ईरान की महिला टीम की पांच फुटबॉल खिलाड़ियों को मानवीय आधार पर शरण दे दी है। ये खिलाड़ी राष्ट्रगान न गाने के कारण ईरान सरकार के निशाने पर आ गयीं थीं। ऑस्ट्रेलिया के इमिग्रेशन मंत्री टोनी बर्क ने बताया कि इन खिलाड़ियों को वीजा देकर पुलिस ने सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया है जिन खिलाड़ियों को वीजा मिला है उनके नाम फतेमेह पसंदिदेह, जहरा घनबारी, जहरा सरबली, अतेफे रमजानजादेह और मोना हमौदी हैं। साथ ही सरकार ने कहा है कि अगर बाकी खिलाड़ी भी चाहें तो वे भी ऑस्ट्रेलिया में रह सकती हैं। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच से पहले ईरान की टीम ने अपना राष्ट्रगान नहीं गाया था। इसके बाद ईरान में कुछ लोगों ने टीम की आलोचना की और उन्हें सख्त सजा देने की मांग भी की। इसी वजह से खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई थी।

वहीं इसके बाद गोल्ड कोस्ट स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ ने टीम के समर्थन में नारे लगाए और खिलाड़ियों को सुरक्षित रखने की मांग की थी। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी पुष्टि की कि इन पांच खिलाड़ियों को मानवीय आधार पर वीजा दे दिया गया है। इस वीजा के तहत वे ऑस्ट्रेलिया में रह सकती हैं, काम कर सकती हैं और पढ़ाई भी कर सकती हैं। वहीं शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने शरण देने से इंकार कर दिया था। इसपर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि अगर ऑस्ट्रेलिया इन खिलाड़ियों को शरण नहीं देता है तो हम देंगे। ट्रंप ने कहा कि अगर इन खिलाड़ियों को वापस ईरान वापस भेजा गया तो उनकी जान को खतरा हो सकता है और यह एक बड़ी मानवीय भूल होगी।

प्रिया सरोज ने रिंकू की प्रशंसा करते हुए लिखा भावनात्मक संदेश

एक बेटे की ताकत देखी जो पिता और देश के लिए खड़ा रहा

लखनऊ। टी-20 विश्वकप विजेता भारतीय टीम में शामिल बल्लेबाज रिंकू सिंह के लिए पिछले कुछ दिन बेहद मुश्किल रहे। विश्वकप के दौरान ही रिंकू के पिता का निधन हो गया था। इसे बाद भी भी रिंकू देश के लिए खेलते रहे। पिता की अर्थी को कंधा देने और अंतिम संस्कार के बाद वह टीम के साथ जुड़ गये और अपनी जिम्मेदारी निभाई। रिंकू के इस जज्बे की सभी ने प्रशंसा की है। इसी बीच रिंकू की मंगेतर और सपा सांसद प्रिया सरोज ने भी उनको लेकर एक भावनात्मक संदेश सोशल मीडिया पर साझा किया है। रिंकू और प्रिया की सगाई पिछले साल हुई थी। प्रिया सरोज ने सोशल मीडिया में लिखा, कुछ दिन स्याही से लिखे जाते हैं, लेकिन 8 मार्च जैसे दिन इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज हो जाते हैं। यह वह दिन है जब भारतीय टीम ने टी-20 विश्व कप जीतकर हर भारतीय के दिल को गर्व से भर दिया, एक ऐसा पल जिसे यह राष्ट्र पीढ़ियों तक याद रखेगा और मनाता रहेगा। उन्होंने इसमें रिंकू की मानसिक मजबूती के बारे में लिखा इस ऐतिहासिक जीत के बीच मैंने एक बेटे की ताकत भी देखी, जो अपने पिता, अपनी टीम और अपने देश के लिए डटकर खड़ा रहा। जीवन के सबसे कठिन पलों में भी मैदान पर उतरकर चैंपियन बनकर निकलना , यह एक अलग तरह के साहस की बात है।उन्होंने टीम इंडिया को जीत की बधाई दी और रिंकू की ताकत की प्रशंसा की है। प्रिया ने लिखा टीम इंडिया और रिंकू आपको बधाई हो, जिन्होंने दुनिया को दिखाया कि असली ताकत क्या होती है गौरतलब है कि रिंकू ने कठिन हालातों से निकलकर घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल और भारतीय टीम में जगह बनायी।

पाकिस्तान के कोच हेसन बोले, बांग्लादेश दौरे पर इस कारण युवाओं को दिये अधिक अवसर

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच कोच माइक हेसन ने कहा है अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए युवा प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए ही बांग्लादेश दौरे पर अधिक से अधिक युवाओं को शामिल किया गया है पर इसका मतलब ये नहीं निकाला जाना चाहिये कि अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया। हेसन के अनुसार बाबर आजम, साइम अयूब, नसीम शाह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को इस दौरे से बाहर रखने को टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन से नहीं जोड़ा जाना चाहिये।

वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जाने लगा था कि पाकिस्तान के विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज अनुभवी खिलाड़ियों पर गिरी है। हेसन ने कहा कि पाक टीम को युवा प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने के बहुत कम अवसर मिले



हैं, इसलिए हमें लगा कि बांग्लादेश दौरे में युवाओं को उतारना चाहिये। हेसन ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि किसी को बाहर किया गया। हम केवल इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों को अपने को साबित करने का अवसर दे रहे हैं। हेसन ने कहा कि अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए वे उभरते हुए खिलाड़ियों की तलाश में हैं। कोच ने कहा, जिस प्रकार साहिबजादा फरहान ने टी20 विश्वकप में अपने शानदार प्रदर्शन को दिखाया है, वैसे ही खिलाड़ी हमें चाहिये।

वहीं इससे पहले विश्वकप के लिए टीम चयन में हेसन पर मनमानी के आरोप लगे थे। पूर्व टेस्ट गेंदबाज सिकंदर बख्त ने कहा था कि विश्व कप टीम में हर खिलाड़ी हेसन की पसंद का था। कुछ खिलाड़ियों के चयन को लेकर कोच पर सवाल भी उठे थे पर उन्होंने किसी की भी सलाह नहीं मानी थी।

पूर्व क्रिकेट शहजाद बोले, कमजोर खेल प्रणाली से पिछड़ती जा रही पाकिस्तान

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर अहमद शहजाद ने कहा है कि भारतीय टीम जहां लगातार आगे बढ़ रही है। वहीं पाकिस्तानी टीम पिछड़ती जा रही है। शहजाद ने कहा कि इसका कारण पाक टीम की मानसिकता और कमजोर खेल प्रणाली है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिलते जा रहे हैं और इसका कारण उनको बेहतर क्रिकेट ढ़ांचा है। वहीं हमारी टीम कमजोर को हराकर ही खुश हो जाती है। शहजाद ने भारतीय टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे बड़ी टीमों के खिलाफ खेलते हैं। जिसका भी लाभ उन्हें अधिक मिलता है। शहजाद ने कहा कि भारतीय टीम ने जिस प्रकार फाइनल में 250 से अधिक रन बनाये। उसकी जगह पाक टीम होती तो 180 रनों पर ही संतुष्ट होकर बैठ शहजाद ने कहा कि भारतीय टीम में संजू सैमसन और ईशान किशन जैसे खिलाड़ियों को तब अवसर मिला जब इन दोनो ने ही घरेलू क्रिकेट में अपने को साबित किया।

पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा पर पत्नी ने लगाये दहेज उत्पीड़न, मारपीट सहित कई गंभीर आरोप

कानपुर। पूर्व आईपीएल क्रिकेटर अमित मिश्रा की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अमित की पत्नी गरिमा तिवारी ने इस क्रिकेटर पर शराब पीकर मारपीट करने के अलावा कई अन्य गंभीर आरोप भी लगाये हैं। गरिमा ने कानपुर की अदालत में अमित और उनके परिवार के सदस्यों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और आत्महत्या के लिए उकसाने का के आरोप लगाये हैं। इसी को लेकर गरिमा ने अपर सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) की अदालत में शिकायत की है। गरिमा ने अपनी शिकायत में कहा है कि शादी के बाद से वह पति और परिवार के सदस्यों से शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का शिकार हुई हैं। इस शिकायत में क्रिकेटर के अलावा उनकी मां बीना मिश्रा, पिता शशिकांत मिश्रा, भाई अमर मिश्रा, भाभी रितु मिश्रा और बहन स्वाति मिश्रा पर भी आरोप लगाये हैं। गरिम ने अपनी शिकाय में कहा कि उनकी अमित से मुलाकात साल 2019 में इंस्टाग्राम के जरिये हुई थी। उनकी 26 अप्रैल, 2021 को कानपुर क्लब में शादी हुई थी। इसके बाद से ही पति और ससुराल वालों ने उन्हें दहेज में एक होंडा सिटी कार और 10 लाख रुपये देने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। गरिमा ने दावा किया कि उनके परिवार ने विवाह के बाद उनकी विदाई के समय 2.5 लाख रुपये दिये थे पर ससुराल से पैसे की मांग बढ़ती रही। साथ ही आरोप लगाया कि अमित अधिकतर शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था। इसके अलावा ये भी कहा कि इस क्रिकेटर ने मॉडलिंग से कमाये उनके पैसे भी छीन लिये। इससे वह अवसाद में आ गईं और उन्हें अपना मॉडलिंग करियर छोड़ना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस आयुक्त कार्यालय सहित कई बार पुलिस से संपर्क करने के बाद भी अमित के परिवार के प्रभाव के कारण कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई, जिसके बाद वह अदालत की शरण में आई हैं।

टी20 विश्वकप इतिहास में पांड्या सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पांड्या टी20 विश्वकप इतिहास में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। पांड्या ने अब तक विश्वकप में कुल 34 छक्के लगाये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम था। युवराज ने कुछ 3 छक्के लगाये थे। अब पांड्या टी20 विश्वकप में मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं युवराज दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं।



पांड्या ने इस बार विश्वकप में कुल 15 छक्के लगाये है। इससे पहले खेले गये टी20 विश्व कप में पांड्या ने कुल 19 छक्के लगाये थे। ये छक्के उन्होंने नंबर 4 से नंबर 7 तक बल्लेबाजी करते हुए लगाये थे। इस तरह कुल 34 छक्के उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए लगाये हैं। ये किसी भी बल्लेबाज के नंबर 4 से लेकर नंबर 7 के बीच सबसे ज्यादा छक्के हैं। इस सूची में 33 छक्कों के साथ युवराज दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इस सूची में तीसरे नंबर पर ग्लेन मैक्सवेल हैं, जिन्होंने 28 पारियों में 32 छक्के मध्यक्रम में लगाये हैं। वहीं सूर्यकुमार के नाम 31 छक्के हैं और वह चौथे नंबर पर हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ने 28 छक्के लगाकर पांचवे नंबर पर हैं।

सीआरपीएफ ने शासकीय महाविद्यालय मे लगाया नि:शुल्क जांच एवं रक्तदान शिविर

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का 87 वा दिवस समारोह के अवसर पर श्री कपिंग गिल, कमाण्डेंट के नेतृत्व में 7 वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, किरनापुर द्वारा दिनांक 10/03/2026 को स्व.दिलीप भटेरे शासकीय, महाविद्यालय, किरनापुर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । जिसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बाना और आपातकालीन चिकित्सा स्थितियों के लिए रक्त भंडार को सुनिश्चित करना रहा । शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टॉफ की टीम द्वारा उपस्थित जवानों, उनके परिवारजनों एवं ग्रामवासियों के परामर्श, हाइपर-टेंशन, डायबिटिज, बी0एम0आई0, मेन्टल हैल्थ स्क्रीनिंग इत्यादि की जाँच की गयी । इसके अतिरिक्त स्वैच्छिक दाताओं ने सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण में रक्तदान कर "रक्त दान महादान" के साक्षी बने । विशेषज्ञों द्वारा इस



अभियान में रक्तदान के स्वास्थ्य लाभों और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी गयी ।श्री कपिंग गिल, कमाण्डेंट-7 बटालियन ने उपस्थित जवानों, उनके परिवारजनों एवं ग्रामवासियों को रक्तदान कर जरूरतमंदों की जान बचाने जैसे मानवीय कार्य में भाग लेने हेतु अपील किये एवं अपने जीवन में स्वास्थ्य की महत्वता के संबंध में जागरूक व प्रोत्साहित किये । इस अभियान के दौरान महाविद्यालय प्राचार्य श्रीमति सुनिता जैन, 7 वी बटालियन के तनवीर जमाल (द्वितीय कमान अधिकारी), अजय पटियाल (उप कमाण्डेंट), निरीक्षक रामजी लाल मीणा, शिक्षक, मेडिकल स्टॉफ एवं बटालियन के अन्य जवान मौजूद थे।

महात्मा ज्योतिबा फुले मिडिल स्कूल सरेखा में सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि मनाई गयी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महात्मा ज्योतिबा फुले मिडिल स्कूल सरेखा में मंगलवार 10 मार्च को महान समाज सुधारक एवं देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं और समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन संघर्ष व समाज सुधार के कार्यों को याद किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उनके जीवन से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंगों को साझा किया। वक्ताओं ने बताया कि सावित्रीबाई फुले ने उस समय महिलाओं की शिक्षा और अधिकारों के लिए संघर्ष किया, जब समाज में महिलाओं को पढ़ाने का विरोध किया जाता था। उन्होंने छुआछूत, भेदभाव और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाते हुए महिलाओं और वंचित वर्गों को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ाने का कार्य किया। कार्यक्रम में संस्था के संचालक सनतराम पांचे, मंडल अध्यक्ष हीरालाल मरावी, डॉ. शिव कावरे, नंदकिशोर कावरे सहित समाज के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को बताया कि सावित्रीबाई फुले का जीवन संघर्ष, साहस और सेवा का प्रतीक है तथा उनके कार्य आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी अपने विचार रखते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व, अनुशासन, स्वच्छता और आपसी सहयोग के बारे में बताया।



पंवार क्षत्रिय संगठन ने संदीप तुरकर को बनाया हट्टा ब्लॉक अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में पंवार समाज संगठन के विस्तार के तहत हट्टा ब्लॉक के लिए नए ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है। पंवार क्षत्रिय संगठन के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन द्वारा संदीप चैतराम तुरकर को हट्टा ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार समाज के वरिष्ठों, मार्गदर्शकों और संरक्षकों के निर्देश तथा प्रबंध कार्यकारिणी के प्रस्ताव के आधार पर यह नियुक्ति की गई है। इसके तहत परसवाड़ा हट्टा निवासी संदीप तुरकर को हट्टा ब्लॉक का प्रथम ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बताया गया कि संदीप तुरकर एक सुशिक्षित सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और लंबे समय से सामाजिक एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय रहे हैं। वे पूर्व से ही समाज संगठन के आजीवन सदस्य हैं तथा विभिन्न धार्मिक संगठनों में भी पदाधिकारी के रूप में कार्य कर चुके हैं। इसके अलावा वे भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और किसान आंदोलन में भी सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। पंवार समाज जिला मीडिया विभाग संयोजक संजय बिसेन ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज संगठन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से जिले में ब्लॉक स्तर पर नियुक्तियां की जा रही हैं। इसी क्रम में बालाघाट के हट्टा क्षेत्र के लिए पहली बार ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि युवा नेतृत्व क्षमता और सक्रिय सामाजिक भूमिका को देखते हुए संदीप तुरकर को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही समाज में संतुलन और संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में यह कदम उठाया गया है।

संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत नगर कांग्रेस की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट कार्यालय में नगर कांग्रेस कमेटी की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक शहर के हनुमान चौक स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार नगर संगठन को सशक्त बनाने के लिए शहर के सभी 33 वार्डों में वार्ड अध्यक्षों और वार्ड समितियों के गठन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर संजय उईके जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए वार्ड स्तर तक सक्रिय टीम तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन सृजन कार्यक्रम को गंभीरता से लेते हुए हर वार्ड में सक्रिय समितियां गठित करने का आह्वान किया। बैठक में नगर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी, नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष योगराज लिल्हारे, पूर्व उपाध्यक्ष नगर पालिका बालाघाट अनिल सोनी तथा वरिष्ठ कांग्रेसी राजेश ठाकुर सहित नगर कांग्रेस के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा बैठक में नगर के पार्षद, पूर्व पार्षद प्रत्याशी और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भी शामिल हुए। बैठक के दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर भी रणनीति पर चर्चा की गई।

लोकसभा स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में चर्चा शुरु

नई दिल्ली। मंगलवार को विपक्षी सांसदों के समूह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिससे सदन में पक्षपातपूर्ण आचरण के आरोपों पर बहस छिड़ गई। खबरों के मुताबिक, 118 विपक्षी सांसदों ने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें अध्यक्ष पर सत्ताधारी पक्ष के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया गया है। यह आरोप तब लगाया गया जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर सदन में बोलने नहीं दिया गया।

प्रस्ताव पर मतदान से पहले, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में उपसभापति की नियुक्ति पर बहस छेड़ दी। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले कई वर्षों से उपसभापति की नियुक्ति नहीं की है, जिससे संवैधानिक शून्य पैदा हो गया है। पाल के अधिकार पर सवाल उठाकर उन्होंने कहा कि आपकी नियुक्ति लोकसभा अध्यक्ष ने की थी। उन्होंने कहा कि सदन को एक इसतरह व्यक्ति का चुनाव करना चाहिए जो प्रस्ताव पर बहस के दौरान कार्यवाही की अध्यक्षता करेगा।

चर्चा के दौरान विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि विपक्ष द्वारा उठाए गए आरोप निराधार हैं। खबरों के मुताबिक, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सरकार की ओर से चर्चा शुरू कर सकते हैं। अनुराग ठाकुर, निशिकांत दुबे, रवि शंकर प्रसाद और भर्तृहरि महताब सहित कई भाजपा सांसदों के भी इस बहस में शामिल होने की संभावना है।

नवनिर्मित मंदिर मे राधा कृष्ण प्राण प्रतिष्ठा एवं अनावरण कार्यक्रम 14 से

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत जरही के नव निर्मित सार्वजनिक राधा कृष्ण मंदिर मे दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा एवं अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। तत्संबंध मे जानकारी देते हुए सार्वजनिक राधा कृष्ण मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि दो दिवसीय इस कार्यक्रम के अवसर पर 14 मार्च दिन शनिवार को प्रात: 9 बजे भगवान राधा कृष्ण की शोभा यात्रा ग्राम मे भ्रमण कर पूजन किया जायेगा। तथा 15 मार्च दिन रविवार को प्रात: 10 बजे हवन पूजन कर प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। तथा शाम 6 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। एवं रात्रि मे 8 बजे से भजन संध्या का कार्यक्रम गोंदिया एवं बालाघाट रुप द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों से आयोजित कार्यक्रमों मे उपस्थित होकर पुण्यलाभ लेने की अपील सार्वजनिक राधा कृष्ण मंदिर समिति एवं ग्राम जरही के समस्त ग्रामवासियों ने की है।

लामता में नारी शक्ति महिला संघ ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

पद्मेश न्यूज। लामता। नारी शक्ति महिला संघ द्वारा लामता में हर्षोल्लास के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत लामता नारी शक्ति महिला संघ कार्यालय जमीदार बाडा से रैली निकलकर की गई। लामता नगर भ्रमण करते हुए जोश पूर्ण नारे हम भारत की नारी है फूल नहीं चिंगारी है का घोष किया गया।नारी शक्ति महिला संघ अध्यक्ष इन्द्राणी वरकडे एवं परसवाडा नारी शक्ति महिला संगठन धुरवता यादव और हुलासमल कोचर के द्वारा ध्वजा रोहण किया गया। सरपंच द्वारा मां सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण के बाद कार्यक्रम की शुभारंभ कर किया गया तथा उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अतिथियों को उनके हक अधिकारो



की जानकारी दी गई।वही महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया गया। साथ ही कृषि अधिकारी द्वारा प्राकृतिक खेती मिश्रन एवं जैविक खेती के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से फूलसिंह मालवीय, डा. पूजा गोस्वामी, डा. प्रतिभा बिसेन, लिशा भगत, पायल पटले, भालेराव खाण्डेकर, विमल भारती, स्मिता लेकाम (डी.डी.ए), बिसेन मौजूद रहे। कार्यक्रम में नाटक, नृत्य, संगीत और खेल प्रतियोगिता में कुर्सी दौड़, चमच दौड़ करवाया गया एवं जीते हुए प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने बिरसा, परसवाडा, लामता संघ एवं प्रदान सस्था एवं कार्यकताओं की अहम भूमिका रही।

वारासिवनी अनुभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी का प्रभार पहलसिंह वलाडी को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला आपूर्ति अधिकारी आरके ठाकूर द्वारा अनुभाग वारासिवनी का संपूर्ण प्रभार कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पहलसिंह वलाडी को सौंपा गया है। पूर्व में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुरेश धोटे विकासखंड परसवाडा का स्थानांतरण विकासखंड वारासिवनी किया गया था, लेकिन उनके द्वारा अब तक वारासिवनी में पदभार ग्रहण नहीं किया गया है। इस कारण से वारासिवनी अनुभाग के कार्यों के सुचारु संचालन के लिए आगामी आदेश तक विकासखंड बालाघाट के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पहलसिंह वलाडी को वारासिवनी अनुभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। श्री ठाकुर द्वारा जारी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जैसे ही श्री सुरेश धोटे वारासिवनी में पदभार ग्रहण करेंगे, पूर्व में जारी स्थानांतरण आदेश यथावत प्रभावी रहेगा। यह आदेश तत्काल प्रभावी हो गया है।

'आज ईरान पर होगा सबसे भीषण हमला...', अमेरिका ने दी धमकी; तैनात कर दिया ये खतरनाक हथियार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध मंगलवार को 11वें दिन और भी भीषण हो गया। अमेरिका और इजरायल ने ईरान के भीतर नए सिरे से बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए, जबकि ईरान ने भी इजरायल और खाड़ी देशों की ओर मिसाइल और ड्रोन दागकर पलटवार किया।

इजरायल के यरूशलम और तेल अवीव में मंगलवार को सायरन बजने के बाद कई धमाके सुनाई दिए, जब इजरायली वायु रक्षा प्रणाली ने ईरानी मिसाइलों को रोकने की कोशिश की। वहीं खाड़ी क्षेत्र में भी ईरान के हमलों से तनाव और बढ़ गया। बहरीन की राजधानी मनामा में एक आवासीय इमारत पर हुए ईरानी हमले में 29 वर्षीय महिला की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए।

सऊदी अरब ने अपने तेल समृद्ध पूर्वी क्षेत्र के ऊपर दो ईरानी ड्रोन मार गिराने का दावा किया, जबकि कुवैत की नेशनल गार्ड ने छह ड्रोन को नष्ट करने की जानकारी दी। संयुक्त अरब अमीरात के रुवैस औद्योगिक क्षेत्र में ईरानी ड्रोन हमले के बाद एक तेल डिपो में आग लग गई, हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

ईरान के भीतर सबसे भीषण हमलों की चेतावनी

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि मंगलवार को ईरान के भीतर अब तक का सबसे भीषण हवाई हमला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दिन सबसे ज्यादा लड़ाकू विमान, बमवर्षक और सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर हमले किए जाएंगे।

अमेरिकी सेना के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने बताया कि युद्ध के पहले दस दिनों में अमेरिकी सेना ने ईरान के 5000 से अधिक सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। इन हमलों में ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन क्षमता को निशाना बनाया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी नौसेना ने अब तक ईरान के 50 से ज्यादा नौसैनिक जहाजों और नौकाओं को नष्ट किया है और होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंग बिछाने वाले जहाजों को भी निशाना बनाया जा रहा है।इ

इजरायल ने तेहरान पर फिर किए हमले

इजरायली सेना ने भी ईरान की राजधानी तेहरान में कई सैन्य और अनुसंधान ठिकानों पर नए हवाई हमले किए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शहर के कई इलाकों में जोरदार धमाके सुने गए।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इजरायल का लक्ष्य ईरान की सैन्य क्षमता को पूरी तरह तोड़ना है।

इराक और कतर भी संघर्ष की चपेट में

इस संघर्ष का असर क्षेत्र के अन्य देशों पर भी पड़ने लगा है। कतर ने अपने क्षेत्र में दागी गई एक ईरानी मिसाइल को इंटरसेप्ट करने की जानकारी दी है। उधर, इराक के किर्कुक शहर में ईरान समर्थित पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज के ठिकाने पर हुए हवाई हमले में कम से कम पांच लड़ाकों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि हमला किसने किया।

रूस की मध्यस्थता की पेशकश

इस बीच, रूस ने इस संकट के समाधान के लिए मध्यस्थता की पेशकश दोहराई है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल ही में हुई बातचीत के बाद भी रूस की मध्यस्थता की पेशकश कायम है।

बाजारों की नजर ट्रंप पर

युद्ध की तीव्रता के बावजूद वैश्विक बाजारों में निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जल्द ही इस संघर्ष को खत्म कराने की कोशिश करेंगे। इसी उम्मीद के चलते सोमवार को तेज उछाल के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में कुछ गिरावट आई और एशियाई व यूरोपीय शेयर बाजारों में भी सुधार देखने को मिला।

हालांकि, जमीनी हालात अब भी बेहद तनावपूर्ण हैं और तेहरान के निवासियों के अनुसार राजधानी में अमेरिका-इजरायल की बमबारी युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे भीषण रही है।

हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में केंद्र से मांगा रिकॉर्ड, अगली सुनवाई 19 को

लखनऊ । इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्ड पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता मामले में दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी से जुड़े कथित दोहरी नागरिकता विवाद के मामले में केंद्र सरकार से संबंधित केस फाइल तलब की है। यह याचिका निचली अदालत द्वारा एफआईआर दर्ज कराने से इनकार किए जाने के आदेश के खिलाफ दाखिल की गई है। याचिका पर करीब डेढ़ घंटे तक विस्तृत बहस हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय का पक्ष रखने के लिए केंद्रीय स्थायी अधिवक्ता राज कुमार सिंह को भी तलब किया और मामले से जुड़ी मामले से जुड़ी ताजा कार्रवाई की जानकारी मांगी। हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 19 मार्च की तारीख तय की है।

न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश एस विनेश शिशिर की याचिका पर दिया। याची ने 28 जनवरी 2026 को विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को चुनौती दी है। उस आदेश में अदालत ने राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने की मांग ठुकरा दी थी। विशेष अदालत ने कहा था कि नागरिकता के सवाल पर निर्णय लेना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। याचिका में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विस्तृत जांच कराने की मांग की गई है। याची ने राहुल पर भारतीय न्याय संहिता, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत आरोप लगाए हैं। यह शिकायत पहले रायबरेली की विशेष एमपी/एमएलए अदालत में दायर की गई थी। बाद में शिकायतकर्ता की अर्जी पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने 17 दिसंबर 2025 को मामला रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित कर दिया था। लखनऊ की विशेष अदालत ने 28 जनवरी को याचिका खारिज कर दी। इसके बाद याची ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

सुनवाई के बाद कोर्ट ने अंतरिम आदेश देते हुए गृह मंत्रालय के विदेशियों से संबंधित प्रभाग और नागरिकता विंग से राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता से से जुड़ी पूरी फाइल अदालत में पेश करने को कहा है। अदालत ने यह फाइल 19 मार्च 2026 को पेश करने का निर्देश दिया है, ताकि मामले के सभी तथ्यों और दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद अंतिम निर्णय लिया जा सके।

सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सरकारी अधिवक्ता वीके सिंह ने अदालत को बताया कि उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर इस मामले में राहुल गांधी के खिलाफ स्पष्ट रूप से संज्ञेय अपराध बनते दिखाई दे रहे हैं। सरकारी पक्ष का कहना था कि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच और कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता है। भाजपा नेता एस. विग्नेश शिशिर और सुब्रमण्यम स्वामी ने दावा किया था कि राहुल गांधी ने ब्रिटेन में 'बैकऑप्स लिमिटेड' नामक कंपनी में खुद को ब्रिटिश नागरिक बताया था, जिससे उनकी भारतीय नागरिकता पर सवाल उठे।

विपक्ष की नारेबाजी पर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा..ऐसी राजनीति शर्मनाक

किसानों के मामले में चर्चा नहीं होने देना चाहता विपक्ष

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष द्वारा की गई नारेबाजी की कड़ी आलोचना की। केंद्रीय मंत्री चौहान जब केंद्र सरकार की किसान योजनाओं से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे, तब विपक्षी सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने कथित वोट चोरी का विरोध किया। इसके बाद विपक्ष पर निशाना साधकर मंत्री चौहान ने कहा कि कई इसतरह के मुद्दे हैं जो किसानों से संबंधित हैं। इस मुद्दों के बारे में किसान और देश सुनना चाहते हैं, लेकिन वे (विपक्ष) नहीं चाहते कि देश सुने।



विपक्ष की ऐसी राजनीति शर्मनाक है।

तेल बीज मिशन और झारखंड में कृषि सहायता से संबंधित प्रश्न का उत्तर देकर उन्होंने कहा कि फलों और सब्जियों के उत्पादन के लिए हमारी सरकार ने एमआईडीएच योजना शुरू की है और झारखंड सरकार को बागवानी के लिए भी सहायता मिल रही है। हम पॉली हाउस, ग्रीनहाउस और सिंचाई के लिए भी सहायता प्रदान करते हैं। इसी बीच, कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। 50 से अधिक सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिसके बाद अध्यक्ष पद पर आसीन भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कांग्रेस सांसद को अवकाश दे दिया। पाल ने कहा कि बहस के लिए 10 घंटे का समय आवंटित किया गया है और सांसदों से प्रस्ताव पर कायम रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के प्रस्ताव के लिए अध्यक्ष ने अनुमति और प्रक्रिया में उदारता दिखाई है। प्रस्ताव पर मतदान से पहले, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में उपसभापति की नियुक्ति पर बहस छेड़ दी। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले कई वर्षों से उपसभापति की नियुक्ति नहीं की है, जिससे संवैधानिक शून्य पैदा हो गया है। पाल के अधिकार पर सवाल उठाकर उन्होंने कहा कि आपकी नियुक्ति लोकसभा अध्यक्ष ने की थी।

सदगुरू संत शिरोमणि लहरी बाबा का धूमधाम से मनाया गया स्मृति दिवस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत बेलगांव मार्ग के पांगा तालाब की मोड़ाई स्थित श्री लहरी पावन संस्थान में 10 मार्च को सदगुरू संत शिरोमणि लहरी बाबा का स्मृति दिवस (पुण्य स्मरण दिवस) के रूप में धूमधाम से मनाया गया। इस मानव कल्याणार्थ अवतरित परम पूज्यनीय परमहंस निष्काम कर्मयोगी, संत शिरोमणि सदगुरू श्री जैयरामदास उर्फ लहरी बाबा का स्मृति दिवस समारोह के अवसर पर संत श्री लहरी बाबा पावन संस्थान मंदिर में दोपहर में संकल्प महामृत्युंजय यज्ञ प्रारंभ हुआ जिसमें सभी ने यज्ञ में पूर्णाहुति डाले। जिसके बाद संगीतमय भजन, प्रवचन व सत्संग प्रारंभ हुआ। जिसमें लहरी आश्रम कामठा से पहुंचे डॉ. खिलेश्वरनाथ उर्फ तुकडया बाबा के द्वारा सदगुरू संत शिरोमणि लहरी बाबा के जीवनगाथाओं पर प्रवचन देकर सभी को बाबा की आराधना करने के साथ ही सत्य के मार्ग पर चलकर स्वस्थ जीवन जीने की बात कही। वहीं कार्यक्रम के अंत में भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संत श्री लहरी बाबा के पावन संस्थान में मानव कल्याणार्थ अवतरित परम पूज्यनीय परमहंस निष्काम कर्मयोगी, संत शिरोमणि सदगुरू श्री जैयरामदास उर्फ लहरी बाबा का स्मृति दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बालाघाट जिले सहित अन्य जिलों से संत शिरोमणि लहरी बाबा के भक्तजन पहुंचे जिन्होने मंदिर में विधि-विधान से सदगुरू संत शिरोमणि लहरी बाबा की पूजा-अर्चना किये एवं दोपहर में संकल्प महामृत्युंजय यज्ञ प्रारंभ हुआ जिसमें सभी ने पूर्णाहुति डालकर धर्म लाभ अर्जित किये। जिसके बाद लहरी आश्रम कामठा से पहुंचे डॉ. खिलेश्वरनाथ उर्फ तुकडया बाबा के द्वारा भजन, प्रवचन देते हुए कहा कि लहरी बाबा का यह संदेश है मानवता से बचेगा देश इसलिए सभी आध्यात्मिकता से जुड़कर सत्य के मार्ग पर चले। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

बालाघाट
बुधवार 11 मार्च 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

बोधगया महाविहार के लिए बौद्ध अनुयायियों ने दिया धरना

रैली निकालकर की जमकर नारेबाजी, सौंपा ज्ञापन, बीटीएमसी एक्ट 1949 को समाप्त करने की लगाई गुहार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बिहार राज्य स्थित बोधगया महाविहार वह स्थल है जिस स्थल में भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।जिसकी वजह से बोधगया महाविहार बौद्ध समुदाय का पवित्र स्थल है और इस स्थल पर नरमस्तक होने के लिए केवल प्रदेश या देश के ही नहीं बल्कि विदेशों तक के लोग व श्रद्धालु यहां आते हैं, लेकिन बौध्यो के इस पवित्र स्थल पर गैर बौध्यो ने अपना कब्जा कर लिया है। जहां महाबोधि मंदिर अधिनियम की आड़ में गैर बौद्ध ताकतो ने बोधगया पर अपना कब्जा जमा लिया है जो लोग बोधगया का गलत इतिहास प्रस्तुत कर रहे हैं और पूजा अर्चना की अलग विधि व पद्धति बता रहे हैं।ऐसा आरोप लगाते हुए पवित्र धार्मिक स्थल बोधगया से गैर बौध्दों का अतिक्रमण हटाने और उक्त पवित्र स्थल को बौद्धों के सुपुर्द किए जाने की मांग, बौद्ध अनुयायियों द्वारा देश भर में पिछले कई वर्षों से की जा रही है।अपनी इसी मांग को लेकर बोधगया में पिछले वर्ष से बौद्ध धर्मगुरुओं द्वारा धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।वही बोधगया के धार्मिक स्थल के आधिपत्य को लेकर बौध्य अनुयायियों द्वारा आए दिनों ज्ञापन आंदोलन किए जा रहे है।जिसकी समय समय पर झलक बालाघाट में भी देखने को मिल रही हैं।इसी कड़ी में मंगलवार को बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने नगर के आम्बेडकर चौक पहुचकर एकदिवसीय धरना प्रदर्शन कर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की।वही शाम को धरना स्थल से रैली निकालकर, कलेक्ट्रेट में एक ज्ञापन सौंपा। इसमें उन्होंने उनकी उक्त मांग को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।

बौद्धो को सौंपा जाएं अधिपत्य

बताया गया कि, बिहार के बौद्ध गया स्थित महाबोधि मंदिर के प्रबंधन को लेकर बौद्ध समुदाय, 1949 में बने बीटीएमसी (बिहार टेंपल मैनेजमेंट कमेटी) को खत्म करने की मांग कर रहा है। बौद्ध अनुयायी मांग कर रहे है, इसके प्रबंधन और कमेटी का सारा दायित्व, बौद्धो को सौंपा जाएं, ताकि यहां बौद्धो के रितिरिवाज और बौद्ध उपदेशो की तरह मंदिर का संचालन हो। बौद्ध अनुयायियो का आरोप है कि गैर बौद्धो के हाथो में मंदिर प्रबंधन होने से, यहां से पाखंड और अंधविश्वास फैलाया जा रहा है।उक्त पवित्र स्थल को बौद्धों के सुपुर्द किए जाने की मांग देश भर में पिछले 135 वर्षो से की जा रही है।जो अब तक अधूरी है।सामाजिक लोगों ने इस विषय पर प्रकाश डालते हुए, हर हाल में अपना अधिकार वापस लेकर रहने की बात कही है।



बौध्य् अनुयायियों पर फर्जी मुकदमे दर्ज करती है बिहार सरकार

नगर के आम्बेडकर चौक में किए गए इस एकदिवसीय धरना प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बिहार राज्य की सरकार पर भी कई गम्भीर आरोप लगाए है।जिन्होंने सरकार पर बोधगया स्थित माहबोधी महाविहार मुक्ति आंदोलन को लेकर आवाज बुलंद करने वाले बौद्ध अनुयायियों पर फर्जी मुकदमे दर्ज कराने का भी आरोप लगाया है। जिन्होंने स्पष्ट किया कि वहां की राज्य सरकार बौद्ध धर्म के विरोध में काम कर रही है। महाबोधि महाविहार कि प्रबंधन कमेटी बीटीएमसी एक्ट को समाप्त नहीं किया जा रहा है तो वही इसी एक्ट की आड़ में पवित्र स्थल महाबोधि महाविहार के स्वरूप व वहां की पूजा पद्धति को बदलने का भी प्रयास किया जा रहा है।जिसका विरोध करने वालों के खिलाफ वहां की सरकार फर्जी में मुकदमे दर्ज कर उन्हें परेशान करने का काम कर रही है।प्रदर्शनकारियों ने बौध्य् अनुयायियों पर दर्ज किए गए फर्जी मुकदमों को भी वापस लिए जाने की गुहार लगाई है।

बीटीएमसी एक्ट को समाप्त करे सरकार

प्रदर्शनकारियों ने बिहार के बौद्ध गया स्थित महाबोधि महाविहार के प्रबंधन को लेकर 1949 में बने बीटीएमसी (बिहार टेंपल मैनेजमेंट कमेटी) को खत्म करने की मांग की है। बौद्ध अनुयायी मांग कर रहे है, कि इसके प्रबंधन और कमेटी का सारा दायित्व, बौद्धो को सौंपा जाएं, ताकि यहां बौद्धो के रितिरिवाज और बौद्ध उपदेशो की तरह मंदिर का संचालन हो। बौद्ध अनुयायियो का आरोप है कि गैर बौद्ध, महाबोधी महाविहार प्रबंधन कमेटी है, जबकि अन्य धर्मो के लोगो के धार्मिक स्थल का प्रबंधन, उन्हीं धर्म के लोगो के हाथो में है।इसलिए महाबोधी महाविहार मंदिर का प्रबंधन बौद्धो को सौंपा जाना चाहिए।अपनी इसी प्रमुख मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी भी की।

इन मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार

महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति के बैनर तले मंगलवार को नगर में आयोजित इस धरना प्रदर्शन, रैली व ज्ञापन में महाबोधि महाविहार को गैर बौद्धो के कब्जे से मुक्त करने, बीटीएमसी एक्ट 1949 को रद्द कर, महाविहार का प्रबधन बौद्धो के हाथों में सौंपे जाने ,महाबोधि आंदोलन के दौरान गिरफ्तार कर, जेल भेजे गए भदंतो व अन्य अनुयायियों पर लगाए गए फर्जी मुकदमों को वापस लेने, बिहार सरकार का इस मामले में हस्तक्षेप समाप्त करने, बौद्धो को स्वतंत्र रूप से अपने धर्म का पालन करने में बाधा उत्पन्न न करने और बिहार राज्य सरकार एवं गयाजी पुलिस द्वारा आंदोलन के दौरान कि जाने वाली द्वेषपूर्ण कार्यवाही को समाप्त करने सहित अन्य मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई है।

रैली निकालकर सौपा ज्ञापन, बड़े आंदोलन की दी चेतावनी

उधर धरना प्रदर्शन के बाद शाम को धरना स्थल से एक रैली का आयोजन किया गया, यह रैली अंबेडकर चौक से एलआईसी चौक होते हुए डॉ. विश्वेश्वरैया चौक, वहां से सीधे कलेक्टर कार्यालय पहुंची जहां प्रदर्शन में शामिल पदाधिकारियो व सामाजिक बंधुओ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी करते हुए कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, व बिहार सरकार के नाम ज्ञापन सौपते हुए उनकी मांगों को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।तो वही मांग पूरी न होने पर आगे भी बड़े आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

135 वर्षो से कर रहे संघर्ष- धम्म शिखर

पूज्य भंते धम्म शिखर ने बताया कि बिहार के बौद्ध गया स्थित महाबोधि मंदिर के प्रबंधन को लेकर बौद्ध समुदाय, 1949 में बने बीटीएमसी (बिहार टेंपल मैनेजमेंट कमेटी) को खत्म करने की मांग कर रहा है। प्रबंधन और कमेटी का सारा दायित्व, बौद्धो को सौंपा जाएं, ताकि यहां बौद्धो के रितिरिवाज और बौद्ध उपदेशो की तरह मंदिर का संचालन हो। हमारी मांग है की एक्ट के तहत जो ट्रस्ट बना है, उसमें अन्य जाति के लोगों को हटाकर मंदिर का प्रबंन केवल बौद्धों को दिया जाए। उन्होंने बताया कि इसको लेकर पूरे देश में आंदोलन हो रहे है।बोधगया का प्रबधन गैर बौद्धो के हाथो में होने से भगवान तथागत बुद्ध के विचार और उनकी शिक्षा का प्रसार-प्रचार नहीं हो पा रहा है और देश सहित पूरे विश्व में भगवान बुद्ध को मानने वाले, इसको लेकर अपने-अपने तरह से विरोध दर्ज करा रहे है। उन्होंने कहा कि हम न्यायपालिका से न्याय चाहते है, हम चाहते है कि देश में जब सभी, स्थल, उसे मानने वालो के हाथो में है तो बौद्धगया महाविहार को भी बौद्धो को सौंपा जाए। यह लड़ाई 135 वर्षों से चली आ रही है जो न्याय मिलने तक जारी रहेगी।

हमारी आस्था का स्थल जब तक हमें नहीं मिल जाता तब तक जारी रहेगा आंदोलन -रवि, विकाश

महाबोधि महाविहार मुक्ति संघर्ष समिति अध्यक्ष विकास खांडेकर और संयोजक रवि पटले ने सँयुक्त रूप से बताया कि आज भारत देश में जगह-जगह धरना प्रदर्शन किया जा रहा है महाबोधि महाविहार में न्याय अब तक हमें नहीं मिल पाया है हमारी मांग है की हमारी आस्था का स्थल वापस किया जाए,जब तक ऐसा नही किया जाता हम आंदोलन करते रहेंगे। आज संगठन के माध्यम से पूरे देश मे जगह जगह एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री राष्ट्रपति और बिहार के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया है हमारी मांग है कि बिटीएमसी एक्ट जो कानून बनाया गया था उसे रद्द किया जाए और बौद्ध मंदिर को बौद्दो के हवाले किया जाए।इसी प्रमुख मांग को लेकर ज्ञापन सौपा गया है। यहां आंदोलन तब तक चलेगा जब तक हमें बौद्धगया का अधिकार नही मिल जाता।

कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार शिक्षक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के बस स्टैंड समीप बैहर रोड कार मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गई। कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार अंकित पिता घनश्याम हनवत 30 वर्ष ग्राम टेंगनी थाना लालबर्रा निवासी घायल हो गया। जिन का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में। किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम टेंगनी निवासी अंकित हनवत हाई स्कूल कनारी में शिक्षक है। 9 मार्च की रात 11:30 बजे करीब अंकित हनवत अपने भतीजे हिमांशु हनवत के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम देवटोला अपने दोस्त के यहा शादी के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। बालाघाट से जाते समय बैहर रोड डॉक्टर शिव पवार के अस्पताल के पास, सामने से तेज रफ्तार से आ रही कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। कार की ठोकर से अंकित हनवत और उसका भतीजा हिमांशु हनवत मोटरसाइकिल सहित गिर गए। इस दुर्घटना में अंकित हनवत घायल हो गए जिन्हें उनके भतीजे हिमांशु हनवत ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल ले जाकर भर्ती किया।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गोंदिया रेलवे लाइन पर स्थित सरेखा रेल्वे फाटक मैं अचानक एक महिला ट्रेन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई ।10 मार्च की शाम 5ः00 बजे घटना उस समय हुई, जब ट्रेन गोंदिया से बालाघाट आ रही थी। अज्ञात घायल महिला को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 मार्च की शाम 5ः00 बजे गोंदिया से जबलपुर जाने वाली ट्रेन क्रमांक 51708 जब बालाघाट रेलवे स्टेशन आने सरेखा रेलवे फाटक पार कर रही थी। तभी एक महिला अचानक ट्रेन की चपेट में आ गई। सम्भवत: यह महिला रेलवे लाइन पार कर रही थी। इस महिला के ट्रेन के चपेट में आने से ट्रेन अचानक रुक गई ।इसी दौरान रेलवे स्टेशन में रेलवे कर्मचारी सुनील कुमार जो ड्यूटी कर रहे थे वे भी मौके पर पहुंचे गये।ट्रेन का चालक नीचे उतरा जिसने सुनील कुमार के सहयोग से ट्रेन के नीचे घायल पड़ी एक महिला को बाहर निकाले। इस महिला के सिर में चोट आई थी और वह घायल और बेहोश हो गई थी ।इस महिला को उसी ट्रेन से रेलवे स्टेशन लाया गया और 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट भर्ती किया गया है। यह महिला बोलने की स्थिति में नहीं है। जिसकी उम्र करीब 60 वर्ष बताई गई है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस महिला के परिजनों के संबंध में आसपास के पुलिस थाना को सूचित किया है।

सड़क दुर्घटना में एक महिला और उसके दो बच्चे घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर से होकर गुजरने वाली गोंदिया रोड उत्कर्ष विद्यालय के सामने कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवार एक महिला और उसके दो बच्चे घायल हो गए तीनों घायल जिनमे सनुला पति तपेश ढोढरे 29 वर्ष वार्ड नंबर 2 बालाघाट,उनके दो बच्चे ऋषभ पिता तपेश 9 वर्ष गीतांशु पिता तपेश 7 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सनुला ढोढरे अपने पति के साथ मजदूरी करती है। 9 मार्च की रात 8ः00 बजे सनूला अपने पति और दो बच्चों को लेकर मोटरसाइकिल में डॉक्टर चतुरमोहता अस्पताल जा रहे थे। गोंदिया रोड उत्कर्ष विद्यालय के मैदान के सामने हनुमान चौक तरफ से तेज रफ्तार से आ रही सफेद रंग की कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। कार की ठोकर से सनुला और उसके दोनों बच्चे मोटरसाइकिल गिरने से घायल हो गए। तीनों घायल को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। मोटरसाइकिल को ठोस करने वाली कार मध्य प्रदेश शासन की बताई गई है ।जिसमें म. प्र.शासन लिखा होना बताया जा रहा है। जिला अस्पताल पुलिस ने सनुला ढोढरे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

किराये से देना है
लालबर्रा बालाघाट हाईवे रोड पर ग्राम बकोड़ा में श्री सांई फ्यूल पेट्रोल पंप से लगा हुआ 50×55=2750 फुट में बना हाल जिसमें वर्तमान में गुरूकृपा हाईवे रेस्टोरेंट संचालित हो रहा है। इस रेस्टोरेंट को मैं आजाद पटेल (किरायेदार) अपने कुछ पारिवारिक कारणों से 31 मार्च को छोड़ रहा हूँ। रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु किराये से लेने हेतु इ'छुक व्यक्ति संपर्क करें।
सुविधाएं - पार्किंग, लेट-बाथ, पानी की पर्याप्त व्यवस्था, रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु पूरा सेटअप उपलब्ध है।
-संपर्क सूत्र-
दीपक शर्मा - 7875129343
आजाद पटेल - 7067934672

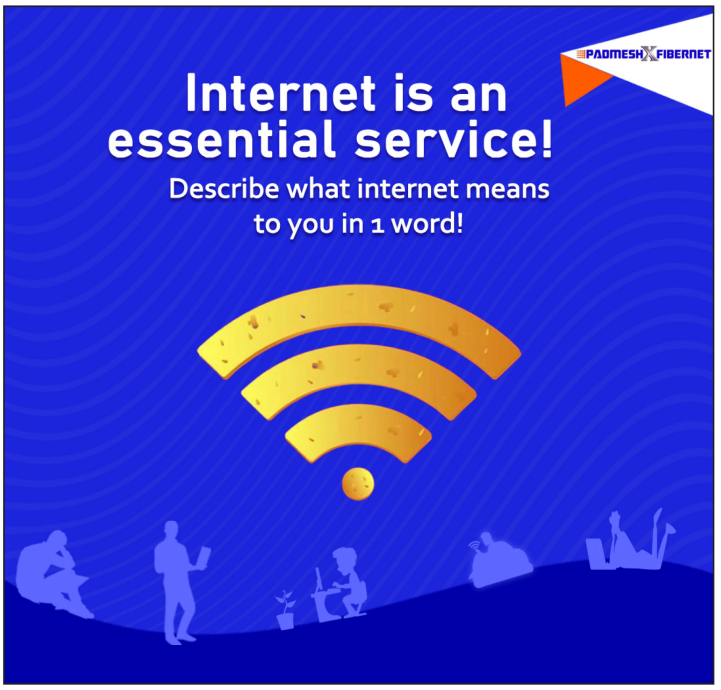
PADMESH X FIBERNET
Internet is an essential service!
Describe what internet means to you in 1 word!


BAJAJ
दुनिया देखती है तु दिखा
सबसे बड़ी बाईक सबसे जबरदस्त ऑफर
125 cc ₹79137/-*
100 cc के दाम पर पल्सर के मजे...
pulsar DEFINITELY DARING
* Pulsar N 160 (All Variants) नगद छूट - 3000/-
* Pulsar N 125 (Nion & Carbon) नगद छूट - 2000/-
- Offer- जारी है...
एक्स शोरूम प्राईज 62977/-
* Platina (100ES & 110) नगद छूट - 3000/-
वैंक्यू बालाघाट लगातार नं.1 बनाये रखने हेतु 100% जीएसटी फॉयदा + नो डॉक्यूमेंट चार्ज * + बीमा बचत


THE ALL NEW
नया Chetak C2501
HAMARA KAL
HAMARA AAJ
HAMARA BAJAJ
चेतक है इंडिया का नं. 1 बिकने वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर अब बालाघाट में भी नं.1
ब्रेकिंग न्यूज़
चेतक अभी बुक करें!!!
Chetak चलता नही दौड़ता है...
एक्स. शो-रूम बाईज 91,000/- Rs. 87,399/-
चेतक एक्सक्लूसिव सेंटर सांई ऑटोमोबाईल्स
मोती तालाब रोड, नर्मदा नगर बालाघाट, मो. 6263158471, 9425822517

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट